धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

सुप्रभात

रांची, मंगलवार

02.04.2024

* * नगर संस्करण । पेज : 12

लोकसभा चुनाव 2024 सभी चुनें सही चुनें

khabarmantra.net चैत, कृष्ण पक्ष, अष्टमी संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 258

12 मार्च में जीएसटी राजस्व 1.78 लाख करोड़ के पार

इफ्तार : शाम 6.02 (2 अप्रैल)
सेहरी : भोर 4.20 (3 अप्रैल)

इफ्तार : शाम 6.02 (2 अप्रैल)
सेहरी : भोर 4.20 (3 अप्रैल)

चुनावी माहौल में झारखंड की राजनीति गरमायी

झारखंड में गठबंधन दलों के बीच सीट शेयरिंग को ले कर अब भी खींचतान चल रही है। ऐसे में घटक दलों में असमंजस की स्थिति के कारण चुनावी राजनीति काफी गरमा गयी है। कांग्रेस अबतक तीन ही सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर सकी है। झामुमो ने अभी तक एक भी नहीं किया है। सीपीआइ और सीपीएम ने गठबंधन से दूरी बना ली है। इसी राह पर चलते हुए झारखंड राजद ने भी भी सीट शेयरिंग का फर्मूला तय होने के पहले ही पलामू और चतरा सीट से लड़ने की घोषणा कर दी है। सभी दलों के नेता कांग्रेस और झामुमो पर दवाब बना रहे हैं कि उनके भी दावे को केंद्र में रखकर राज्य में से सभी 14 लोकसभा सीट शेयरिंग का फॉर्मूला जल्द सार्वजनिक करें।

देश में बदलाव की पूरी उम्मीद: कल्पना सोरेन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने ये भी कहा कि 'इंडिया' गठबंधन में शामिल सभी पार्टियां आज तानाशाही ताकतों के खिलाफ लड़ रही है। पूरे देश में बदलाव की उम्मीद है। हम सभी 4 जून का इंतजार है। उसी दिन पता जायेगा कि कि इस बार बहुमत किसको मिलने वाला है। हमें उम्मीद है कि हम जीतेंगे। उन्होंने कहा, दिल्ली में महारैली में उन्हें उन सब बातों के साथ आदिवासी महिलाओं की बातों को रखने का मौका मुझे मिला। साथ ही हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार जनता इंडी गठबंधन को चुनेगी। जनत तानाशाही से मुक्ति जाहती है। रविवार को रामलीला मैदान में इंडी गठबंधन की महारैली से हिस्सा लेकर सोमवार वह सोमवार को रांची पहुंचीं। रांची एयरपोर्ट पर प्रेस से बातचीत में उन्होंने उक्त बातें कहीं।

साजिश कर हेमंत को जेल भेजा

कल्पना सोरेन ने कहा, ''मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मैं झारखंड की आवाज उठाने और 'इंडिया' गठबंधन का समर्थन करने के लिए मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के साथ रामलीला मैदान में थी। इस दौरान उन्होंने अपने पति और पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि साजिश के तहत उन्हें चुनाव से पहले गिरफ्तार किया गया। कल्पना सोरेन ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन में शामिल सभी पार्टियां आज तानाशाही ताकतों के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से चार साल से हेमंत सोरेन ने सीएम काम कर रहे थे, विपक्ष के लोग परेशान थे। इसी लिए साजिश कर उन्हें चुनाव से पहले गिरफ्तार कर लिया गया।

हर हाल में पलामू और चतरा से लड़ेंगे : राजद

रांची। इंडी गठबंधन के अहम घटक दल राजद नें झारखंड में सीट शेयरिंग होने के पहले ही पलामू और चतरा से लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। साथ ही गठबंधन में शामिल दलों पर पार्टी को समर्थन देने का दबाव बनाना शुरू कर दिया है। पार्टी के प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर झारखंड प्रदेश राजद अध्यक्ष संजय सिंह यादव और चंपई सरकार में राजद कोटे से मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि पलामू और चतरा में राजद का मजबूत जनाधार है। उनकी पार्टी ने वहां से लड़ने का फैसला कर लिया है। संजय सिंह यादव ने कहा कि पलामू और चतरा पर चुनाव लड़ने की तैयारी राजद ने शुरू कर दी है। अब सहयोगी दल वहां हमें मदद करे। राजद दोनों सीट जीत कर इंडिया ब्लॉक की झोली में डालने का काम करेगा।

वहीं झारखंड सरकार में राजद कोटे से मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि चतरा और पलामू हम हर हाल में लड़ेंगे और जीतेंगे। भोक्ता ने कहा कि हम अपने हक के लिए घिघिया नहीं रहे हैं, अपना हक मांग रहे हैं। अब अगर राजद सुप्रीमो कोई फैसला लेते हैं तो वह तो सर्वोपरि होगा।

ढुल्लू अपराधी नहीं सरयू जज नहीं : मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि ढुल्लू महतो अपराधी नहीं हैं और सरयू राज जज हैं, जो किसी अपराधी करार दे दें। श्री मरांडी पार्टी दफ्तर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरयू राय विद्वान हैं लेकिन, जज नहीं हैं। बाबूलाल इस दौरान इंडी गठबंधन पर भी जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि देश के सारे भ्रष्टाचारी रैली कर भ्रष्टाचार को जस्टिफाई कर रहे हैं। एक तरफ पीएम मोदी कहते हैं कि भ्रष्टाचार हटाओ वहीं इंडी गठबंधन के नेता कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। उन्होंने कहा कि इंडी ठगबंधन घोटालेबाजों की बारात है, जो देश को केवल लूटना चाहते हैं। ये चाहते हैं घोटाला करते रहें और कानूनी कार्रवाई भी नही हो। बाबूलाल ने कहा कि लोकतंत्र में तो कानून सबके लिए समान होता है। वहीं इंडी गठबंधन अपने लिए स्पेशल कानून चाहता है। उन्होंने कहा कि झारखंड में तो जल, जंगल जमीन की लूट मची है। पीएम आवास के लिए लोगो को बालू नही मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर अवैध तस्करी से बालू यूपी बिहार भेजा जा रहा है। बाबूलाल ने कहा, इनकम टैक्स रिकवरी को दिल्ली हाईकोर्ट ने सही ठहराया है। (शेष पेज 11 पर)

न्यूज डायरी

अभी नहीं बढ़ेगा टोल टैक्स, कुछ माह राहत

नयी दिल्ली। नेशनल हाईवे पर अभी बढ़ी हुई टोल की दरें नहीं देनी होंगी। चुनाव आयोग ने एक अप्रैल से लागू होने जा रहे इस फैसले को टालने का निर्देश दिया है। आयोग ने एनएचएआई से कहा है कि वह हाईवे पर नए टोल रेट लोकसभा चुनाव के बाद लागू करे। अब लोकसभा चुनाव और 4 जून को रिजल्ट के बाद इसे बढ़ाया जा सकता है।

पूजा सिंघल की हिरासत अवधि बढ़ी

रांची। मनरेगा घोटाले की राशि का मनी लाउंड्रिंग में निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल एवं अन्य से जुड़े मामले में ईडी की ओर से अगली गवाही 12 अप्रैल को होगी। पूजा सिंघल 25 मई 2022 से जेल में है।

बांदा जेल अधीक्षक को जान से मारने की धमकी

बांदा। पूर्वांचल के माफिया मुख्तार अंसारी की मौत के बाद मंडल कारा के वरिष्ठ जेल अधीक्षक वीरेश राज शर्मा को फोन से धमकी दी गयी। धमकी देनेवाले ने कहा, अब तुझे ठोकना पड़ेगा। बच सकते हो तो बच लो। धमकी भरे फोन के बाद से जेल के अन्य कर्मचारी भी सहमे हैं। मामले की जांच की जा रही है। फोन नंबर को ट्रैश किया जा रहा है। जेल अधीक्षक व एएसपी लक्ष्मी निवास मिश्रा का कहना है कि जांच से सही स्थिति सामने आ सकेगी।

अपराधियों ने कोडरमा में एक को मारी गोली

कोडरमा। बेकोबार में दो अपराधी एक व्यक्ति को गोली मारकर फरार हो गये। घायल को बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची भेजा गया है। सोमवार रात अजय पंडित (35) अपने मित्र अजय पंडित के साथ शौच को गये थे। इसी क्रम में घात लगाये हुए दो अपराधी गोली मारकर भाग निकले। गोली लगने की सूचना मिलने के बाद कोडरमा थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ले रही है।

केजरी को बड़ा झटका 15 दिन तिहाड़ में रहेंगे

इडी ने कहा, जांच में नहीं करते सहयोग, गुमराह कर रहे हैं

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ा झटका लगा। अदालत ने शराब घोटाले और मनी लाउंड्रिग मामले में उन्हें 15 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड जेल भेज दिया। सोमवार को उनकी ईडी रिमांड खत्म हुई थी। कोर्ट में इडी ने कहा कि श्री केजरीवाल एकदम सहयोग नहीं कर रहे, वो ईडी को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इडी ने कोर्ट से केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की मांग की थी, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। न्यायाधीश ने उन्हें 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजने का आदेश दिया। वह तिहाड़ जेल नंबर दो में रहेंगे। जेल में सुरक्षा काफी सक्त कर दी गयी है।

नया ठिकाना तिहाड़, हर पल रहेगी नजर

अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से सीधे तिहाड़ जेल लाया गया। जहां उन्हें जेल नंबर दो में रखा जायेगा। दिल्ली के सीएम बैरक में अकेले रहेंगे. अरविंद केजरीवाल पर 24 घंटे रहेगी तीसरी आंख की नजर तिहाड़ जेल नंबर दो में अरविंद केजरीवाल बैरक नंबर दो में अकेले रहेंगे। वहां उनपर 24 घंटे तीसरी आंख की नजर रहेगी। आप नेता मनीष सिसोदिया (जेल नंबर एक), संजय सिंह (जेल नंबर 5) और अब केजरीवाल को जेल नंबर 2 में रखा जायेगा। उन्हें एक अलग कोठरी में रखा जाएगा। वहीं बीआरएस नेता के. कविता महिला जेल की जेल नंबर 6 में हैं।

कई सवालों को टाल रहे केजरीवाल

इडी ने अदालत को बताया, हालांकि, विजय नायर के बयानों से पता चलता है कि वह एक कैबिनेट मंत्री के बंगले में रहे और सीएम के कैंप कार्यालय से काम किया। यह समझाने के लिए भी कहा गया था कि जो व्यक्ति आप के अन्य नेताओं को रिपोर्ट करता था, वह उसके कैंप कार्यालय से क्यों काम करेगा, जो वैसे भी दिल्ली के सीएम के काम के लिए है, न कि पार्टी के लिए। (शेष पेज 11 पर)

आतिशी और सौरभ भारद्वाज भी फंसे

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत के लिए इडी द्वारा दायर अर्जी में कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल ने अपने बयान में दावा किया है कि आरोपियों में से एक विजय नायर आप नेता आतिशी और सौरभ भारद्वाज को रिपोर्ट करता था, उन्हें नहीं। इडी की तरफ से एएसजी राजू ने कोर्ट में कहा कि विजय नायर, केजरीवाल के करीबी रहे हैं। ईडी ने बताया कि विजय नायर की बातचीत और रिपोर्टिंग की सीमा के बारे में पूछे जाने पर, सीएम केजरीवाल ने कहा कि नायर उन्हें नहीं बल्कि मंत्रियों आतिशी और भारद्वाज को रिपोर्ट करते थे और संचार प्रभारी के साथ उनकी बातचीत सीमित थी। आप के पूर्व संचार प्रभारी विजय नायर को जांच एजेंसी ने दक्षिण के समूह के सदस्यों के कविता, सरथ रेड्डी, राघव मगुंटा, और मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी तथा अन्य आप नेताओं मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के साथ आबकारी नीति मामले में गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस को सुप्रीम राहत : चुनाव से पहले आयकर की कोई कार्रवाई नहीं होगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस पार्टी को लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बड़ी राहत दी है। सोमवार को शीर्ष अदालत में कांग्रेस द्वारा इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के खिलाफ याचिका पर सुनावई करते हुए फिलहाल पार्टी पर कोई कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया। आयकर विभाग ने कांग्रेस से 3,500 करोड़ रुपये की कथित बकाया कर वसूली मामले में सोमवार को उच्चतम न्यायालय के समक्ष कहा कि वह लोकसभा

चुनाव के मद्देनजर 24 जुलाई तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगा। आयकर विभाग ने कांग्रेस को हाल ही में 1700 करोड़ रुपये का नोटिस भेजा था। सुप्रीम कोर्ट में इनकम टैक्स विभाग से कांग्रेस पार्टी को जारी टैक्स रिकवरी नोटिस के खिलाफ दाखिल कांग्रेस की याचिका पर जस्टिस बीवी नागरत्ना और एजी मसीही की बेंच ने सुनवाई की। इनकम टैक्स ने कोर्ट में कहा कि हमने 1700 करोड़ रुपये का नोटिस कांग्रेस को भेजा है। साथ ही कोर्ट को भरोसा दिया कि अभी चुनाव का समय चल रहा है। लिहाज हम इन पैसों की रिकवरी को लेकर कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। वहीं कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि हम कोई प्रॉफिट कमाने वाली संस्था नहीं हैं, हम सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी हैं। प्रॉपर्टीज को अटैच करके पहले ही 135 करोड़ रुपये लिए जा चुके है। इस पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि 3500 रुपये की डिमांड है। मामले की सुनवाई जून महीने में की जाये, तब तक कोई कार्रवाई नहीं होगी। इस पर कोर्ट ने पूछा कि क्या आपने जो डिमांड की है उसे स्थगित कर रहे हैं। एसजी ने आगे कहा कि हम बस ये कह रहे हैं कि चुनाव तक कोई कार्रवाई नहीं करेंगे। (शेष पेज 11 पर)

ज्ञानवापी तहखाने में पूजा-अर्चना जारी रहेगी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वाराणसी के विवादित ज्ञानवापी मस्जिद के 'व्यासजी का तहखाना' में हिंदू पक्ष को पूजा करने से रोकने की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, 'यथास्थिति बनाये रखना महत्वपूर्ण है, ताकि दोनों समुदाय अपनी- अपनी तरह से धार्मिक आस्था का निर्वहन कर सकें।'पीठ ने इस मामले में मस्जिद समिति की ओर से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की और यह आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत द्वारा हिंदू पक्षकारों को पूजा करने की अनुमति देने के फैसले के खिलाफ मस्जिद समिति की अपील ठुकरा दी थी।

हेमंत सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट से एसएलपी वापस ली

रांची/दिल्ली। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने झारखंड हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई एसएलपी (स्पेशल लीव पिटीशन) सोमवार को वापस ले ली। सोरेन ने हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें विधानसभा के सत्र में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। इसपर सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और केवी विश्वनाथन की खंडपीठ में सुनवाई शुरू होते ही हेमंत सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। हेमंत सोरेन मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में पिछले 62 दिनों से न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में उनके खिलाफ ईडी ने चार्जशीट भी दायर कर दी है। उन्होंने पिछले महीने आयोजित झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में भाग लेने की अनुमति के लिए रांची के पीएमएलए कोर्ट में अर्जी लगाई थी, लेकिन यह खारिज हो गई थी। इसके बाद वह हाईकोर्ट पहुंचे थे, लेकिन वहां भी उन्हें राहत नहीं मिली थी। जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल की थी। बता दें कि ईडी ने रांची में जमीन की खरीद-बिक्री की जांच के दौरान हुए मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था।

इंडी नेता चोर-चोर मौसेरा भाई : अन्नपूर्णा

रांची। लोकसभा चुनाव की तिथि जैसे-जैसे करीब आ रही है भाजपा और इंडिया गठबंधन के बीच जुबानी हमला और आरोप-चाराडीह स्थित आवास पर पत्रकारों से भाजपा प्रतयाशी अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि देश के सभी भ्रष्टाचारी और घोटालेबाज एक मंच पर आकर भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। ये सभी चोर-चोर मौसेरे भाई के तरह है। इससे कुछ होने वाला नहीं है।

भाजपा हवा-हवाई: विनोद सिंह वहीं गठबंधन के प्रत्याशी विनोद सिंह ने कहा कि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र से सबसे ज्यादा बार भाजपा के सांसद रहे, लेकिन कभी भी कोडरमा की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। भाजपा सिर्फ हवा-हवाई पार्टी है और बैसी ही उसकी बातें भी हैं।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	64100 रु./10 ग्राम
चांदी	:	79000 रु./प्रति किलो

तीसरी आंख

वाणिज्यकर ने रचा इतिहास : झारखंड में अपने पैरों पर खड़ा हो विभाग

रिकार्ड 21.75 हजार करोड़ की कर वसूली

सुधीर

रांची। झारखंड में वाण्ज्यिकर विभाग ने कर वसूली में अपने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये। वित्तीय वर्ष 2023-24 में विभाग ने पिछले सारे रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 21.75 हजार करोड़ रुपये की वसली की। इनमें केंद्र का सहयोग नहीं के बराबर है। वाणिज्यकर मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव के सफल नेतृत्व और आयुक्त संतोष वत्स के सफल प्रयास (पॉजिटिव एप्रोच) ने झारखंड को यह सफलता दिलायी है। इसी रिकॉर्ड वसूली के साथ झारखंड का वाणिज्यकर विभाग अपने पैरों पर खड़ा हो गया है।

विभाग की सफलता से विभागीय अधिकारी भी काफी उत्साहित हैं और नये वित्तीय वर्ष में नया आयाम जोड़ने की तैयारी में जुट गये हैं। विभाग की इस सफलता पर वाणिज्यकर आयुक्त ने सोमवार को राज्य के अधिकारियों को सफलता के टिप्स दिये। (शेष पेज 11 पर)

वित्तीय वर्ष 2023-24 में 5-8 फीसदी तक ग्रोथ

टैक्स वसूली में देश के स्तर पर पूरे वित्तीय वर्ष में झारखंड का 5 फीसदी का ग्रोथ हुआ है। वहीं सिर्फ मार्च में देश स्तर पर झारखंड का ग्रोथ रेट 8 फीसदी रहा है। बताते चलें कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में झारखंड को 18 हजार 500 करोड़ रुपये का टारगेट मिला था और विभाग ने केंद्र के सहयोग से 21 हजार 40 करोड़ रुपये की वसूली कर नया रिकॉर्ड बनाया था। परंतु इस बार बिना केंद्र के सहयोग के झारखंड ने 21.75 हजार करोड़ रुपये की वसली कर नया रिकॉर्ड बनाया है।

झारखंड में वाणिज्यकर विभाग ने टैक्स वसूली में 21.75 हजार करोड़ रुपये की वसली कर नया रिकॉर्ड बनाया है। कहा जाये तो झारखंड का वाणिज्यकर विभाग अब पूरी तरह से अपने पैरों पर खड़ा हो गया है। इसमें विभागीय मंत्री का रोल काफी अहम रहा है। विभाग की इस उपलब्धि के लिए विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

संतोष वत्स
वाणिज्यकर आयुक्त, झारखंड।

देश में इस्पात की मांग ठीक पर चीन के कारण मार्जिन प्रेसर

टाटा स्टील के सीइओ एंड एमडी की नये वित्तीय वर्ष में भारतीय इस्पात बाजार पर दृष्टिकोण

सत्येन्द्र कुमार

जमशेदपुर। टाटा स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीइओ और प्रबंध निदेशक एमडी टीवी नरेंद्रन ने उम्मीद जतायी है कि नया वित्तीय वर्ष 2024-25 टाटा स्टील समेत पूरे भारतीय इस्पात उद्योग के लिए बेहतर वर्ष होगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि चीन में इस्पात की कम होती खपत और उसके द्वारा वैश्विक बाजार में हर माह 8 मिलियन टन इस्पात निर्यात करने से इस्पात के वैश्विक दाम पर दबाव बन रहा है। यह चिंता की बात है। श्री नरेंद्रन सोमवार को यहां एक समारोह में खबर मन्त्र से बातचीत कर रहे थे। एक सवाल का जवाब में कहा कि भारत में इस्पात की मांग ठीक है। सरकार का आधारभूत संरचनाओं के विकास पर फोकस है। उम्मीद है कि यह फोकस बना रहेगा, सरकार आधारभूत संरचनाओं के विकास पर खर्च करती रहेगी। (शेष पेज 11 पर)

एनएचएआइ ने फैसला लिया वापस

हाइवे और एक्सप्रेस-वे पर नहीं बढ़ा टोल टैक्स

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एनएचएआइ ने 1 अप्रैल से देशभर के हाईवे और एक्सप्रेस-वे पर टोल टैक्स बढ़ाने के निर्णय को वापस ले लिया है। सूत्रों के अनुसार रविवार देर रात एनएचएआइ मुख्यालय ने टोल टैक्स नहीं बढ़ाने का निर्णय लिया है। नतीजा एक अप्रैल से झारखंड के टोल प्लाजा से बड़ी भी दर पर टोल की वसूली शुरू नहीं हुई है। अब भी वर्ष 2023 की टोल दरें भी पूर्व की भांति प्रभावी रहेंगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार लोकसभा चुनाव के चलते लगी आचार संहिता को देखते हुए एनएचएआइ ने अपना निर्णय वापस लिया। ऐसे में एनएच पर चलने वाले वाहन चालकों को बड़ी राहत मिली है।

एनएचएआइ झारखंड के क्षेत्रीय पदाधिकारी एनएन गिरी ने बताया टोल की बढ़ोतरी फिलहाल नहीं की गई है। अब भारत सरकार के अगले आदेश के बाद ही इस पर कोई निर्णय लिया जायेगा।

बताते चलें कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) ने कुछ दिन पहले ही टोल दरों को संशोधित किया था। टोल प्लाजा से गुजरनेवाले वाहनों से 1 अप्रैल से बढ़ी दरों का भुगतान लेने की तैयारी थी। बताया जा रहा है कि करीब 5 से 20 रुपये तक टोल बढ़ाने की तैयारी थी। एक ज्ञय खबरे के अनुसार परिवहन निगम ने जब बसों के किराये का सरचार्ज बढ़े टोल दर के हिसाब से रविवार को तय करना शुरू कर दिया, तब देर रात एनएचएआइ के अधिकारियों का पत्र जारी हुआ कि 1 अप्रैल से होनेवाली टोल दरों में संशोधन अगले आदेश तक नहीं होगा।

दिल्ली में इंडी गठबंधन की ओर से आयोजित रैली में कल्पना सोरेन के भाषण ने सबको किया प्रभावित

राजनीति में सधी चाल

भारतीय सेना के घर में जन्मी कल्पना मुर्मू सोरेन ने सधे कदमों से राजनीति को नापना शुरू कर दिया है।

राजनीति में बोरिसबेकर जैसी चमक रहीं कल्पना

उदय चौहान

रांची। झारखंड की राजनीति में बोरिसबेकर की तरह चमक बिखेर रही हैं पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन। कल्पना सोरेन ने दिल्ली की रैली में अपने भाषण से सबको प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि देश में बदलाव की लहर है। उन्होंने यह भी कहा कि हेमंत सोरेन के साथ भेदभाव हुआ है। उन्होंने साफ किया कि उनकी लड़ाई लंबी है और वह धैर्य के साथ राजनीतिक संघर्ष को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। जानकारों के अनुसार वह गांडेय उपचुनाव में इंडी गठबंधन की उम्मीदवार हो सकती हैं।

गौरतलब है कि झामुमो के सरफराज अहमद ने इस सीट से त्याग पत्र दिया था। यह घटना हेमंत सोरेन के जेल जाने से पहले की है। तब कहा गया था कि कल्पना सोरेन राबड़ी देवी की तरत हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद सत्ता संभालने वाली हैं। हालांकि, घटनाक्रम कुछ ऐसा हुआ कि सीएम के पद पर चंपई सोरेन आसीन हो गये। इसके बाद कल्पना सोरेन की झारखंड की राजनीति में एंट्री हो गई। वह गिरिडीह में आयोजित झामुमो स्थापना दिवस में भाग ली थी।

उन्होंने इशारों इशारों में कार्यकर्ताओं में एकजुटता का संदेश दे रही हैं। स्वागत कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे पार्टी कार्यकर्ताओं ने कहा कि फिलहाल झारखंड में जो हालात है, कल्पना सोरेन का सक्रिय होना जरूरी है। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल में हैं और उन्होंने विकास की लकीर खींची है उसी विकास की लकीर को और आगे बढ़ाना है।

बकौल कल्पना आदिवासी मूलवासी जनता की सेवा करनी है। जल, जंगल व जमीन की रक्षा करने के लिए राजनीति में आना आवश्यक है। जिस तरह झारखंड को अलग राज्य बनाने के लिए झामुमो कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया है और अपनी कुबार्नी दी है। उसी तरह हेमंत सोरेन को छुड़ाने के लिए आंदोलन चलाया जायेगा।

जानकारी के अनुसार जब भी हेमंत सोरेन किसी मुश्किल में फंसते थे, कल्पना सोरेन उचित फैसला लेने में उनकी मदद करतीं थीं। राजनीति की उनकी समझ अन्य लोगों से अलग है। पत्नी होने के नाते संकट के समय वह हेमंत सोरेन को दिशा दिखाती हैं। भारतीय सेना के कैप्टन के घर में जन्मी कल्पना मुर्मू सोरेन ने सधे कदमों से राजनीति को नापना शुरू कर दिया है। कपूरथला में जन्मीं कल्पना सोरेन ने एमटेक और एमबीए की पढ़ाई की है।

गौरतलब है कि अगस्त 2022 तक कभी यह चर्चा भी नहीं थी कि कल्पना सोरेन राजनीति में आयेंगी। लेकिन, वह राजनीति में बोरिसबेकर की तरह अचानक से चमकने लगी हैं। एक समय था जब कल्पना की दिलचस्पी सिर्फ अपने परिवार और स्कूल तक सीमित थी। वह सामाजिक गतिविधियों में हिस्सा लेतीं थीं। राजनीति से बहुत दूर रहतीं थीं। रांची में प्ले स्कूल चलाने वाली कल्पना सोरेन पारिवारिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर अपनी भूमिका निभातीं थीं। राजनीति में सक्रिय नहीं होने के बावजूद राजनीतिक गतिविधियों से वह पूरी तरह से वाकिफ रहतीं थीं।

यौन शोषण के आरोपी की याचिका खारिज

रांची। शादीशुदा होने के बावजूद शादी का झांसा देकर दो साल तक पीड़िता से शारीरिक संबंध बनाने के मामले के आरोपी रजरप्पा निवासी सोहराई बेदिया की अग्रिम जमानत याचिका अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने सुनवाई पश्चात खारिज कर दी है। आरोपी जब शादी से इनकार किया तो पीड़िता ने सदर थाने में 8 अगस्त 2023 को नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई। पीड़िता कोकर इलाके में किराये के घर में रहती थी। दिसंबर 2020 में पिता के इलाज के दौरान गांधीनगर अस्पताल में दोस्ती हुई। इसके बाद आरोपी कोकर पहुंचा और जबरदस्ती अपनी कार में बैठाकर उसे पतरातू ले गया। आरोपी ने पीड़िता को अपनी कार से पतरातू ले जाने के दौरान उसके माथे पर सिंदूर डाल कर खुद को पति-पत्नी बताया और पिठोरिया घाटी में कार में ही शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद हमेशा शारीरिक संबंध बनाते रहा। यहां तक जब पीड़िता गर्भवती हो गई तो गोली खिलाकर गर्भपात कराया।

परोसे जायेंगे झारखंडी व्यंजन, राज्य सरकार ने बढ़ाये कदम

सेंट्रल विस्टा नयी दिल्ली में झारखंड की भी होंगी आठ दुकानें, तैयारी शुरू

केंद्र ने राज्य को भेजा पत्र

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्र सरकार नई दिल्ली के सेंट्रल विस्टा के अंतर्गत 8 दुकानें राज्य सरकार को हस्तांतरित करेगी। इस संबंध में शहरी विकास मंत्रालय भारत सरकार ने स्थानिक आयुक्त, झारखंड भवन व राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। इन आठ दुकानों में झारखंड के व्यजनों की बिक्री होगी। भारत सरकार ने 16 दुकानों का आवंटन करने का फैसला लिया है। इसमें नार्थ ब्लॉक में आठ दुकानें व साउथ ब्लॉक में आठ दुकानें हैं। इसके लिए शर्तें भी निर्धारित की गयी हैं। केंद्र के निर्देश

के बाद नगर विकास विभाग ने मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग को पत्र लिखा है और झारखंड भवन के माध्यम से आठ दुकानों का हस्तांतरण राज्य सरकार के पक्ष में कराने का अनुरोध किया है। इन दुकानों का आवंटन पहले तीन वर्षों के लिए किया जायेगा। बिजली और पानी की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। फूड व्यंजन दुकानों, रेस्त्रां में किचन की व्यवस्था बेहतर रखने की शर्त रखी गयी है। साथ ही एफएसएसएआई के निर्धारित मानक के अनुसार भोजन की गुणवत्ता रखने को कहा गया है।

मिली जानकारी के अनुसार कैबिनेट सचिवालय इस दिशा में जल्द ही अग्रतर कार्रवाई करेगा।

कहां है सेंट्रल विस्टा : नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक के 3.2 किमी लंबे क्षेत्र को सेंट्रल विस्टा कहते हैं। दिल्ली के सबसे जयादा देखे जानेवाले पर्यटन स्थलों में यह शामिल है। झारखंड को इन दुकानों से मिल जाने से देश की राजधानी दिल्ली में आसानी से झारखंड व्यंजनों का आनंद लिया जा सकेगा।

पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्याकांड में शामिल माओवादी राधे श्याम बड़ाईक को आगे भी जेल में रहना पड़ेगा। वह पिछले साढ़े छह साल से अधिक समय से जेल में है। एनआईए के विशेष न्यायाधीश एमके वर्मा की अदालत ने उसकी ओर से दाखिल जमानत अर्जी खारिज कर दी है। अदालत ने सात मार्च को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के पश्चात आदेश सुरक्षित रख लिया था। एनआईए ने आरोपी राधेश्याम बड़ाईक को 17 जुलाई 2017 को गिरफ्तार किया था। याचिका पर सुनवाई के दौरान एनआईए की ओर से बताया गया कि आरोपी सीपीआई माओवादी से जुड़ा रहा और उसके घर माओवादी कैडर के सदस्यों के ठिकाने और बैठक स्थल के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। वह बुंडू के बारूहातू में उसके घर पर रुकते थे। आरोपी व्यक्तियों को भोजन और अन्य सुविधाएं प्रदान करता था। यदि याचिकाकर्ता को जमानत पर रिहा किया जायेगा तो संभावना है कि वह अभियोजन साक्ष्य के साथ छेड़छाड़ कर सकता है। वहीं, याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि वह बहुत लंबे समय से हिरासत में है। याचिकाकर्ता न रहने से उसके परिवार वाले भुखमरी की कगार पर पहुंच गये हैं। याचिकाकर्ता का कोई आपराधिक इतिहास नहीं मिला। जमानत की सुविधा प्रदान की जाये। दोनों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुनाया। मालूम हो कि 9 जुलाई 2008 को बुंडू के हाईस्कूल में आयोजित समारोह में शामिल रमेश सिंह मुंडा की हत्या कुंदन पाहन के दस्ते ने गोली मारकर कर दी थी।

बहाली में स्थानीय-मूलवासियों को प्राथमिकता दिलाने की ठोस पहल करें राज्यपाल : आजसू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा एवं प्रदेश महासचिव विशाल महतो के नेतृत्व में सोमवार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से झारखंड के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों में आवश्यकता आधारित संविदा पर हो रहे शिक्षक बहाली प्रक्रिया में साक्षात्कार के लिए पांच गुनी शॉर्ट लिस्ट जारी करने तथा स्थानीय-मूल निवासियों को प्राथमिकता देने की मांग की। विशाल महतो ने कहा कि झारखंड के राजकीय विश्वविद्यालयों की लचर व्यवस्था के कारण यहां से पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वालो की संख्या बहुत कम रहती है। साथ ही अन्य राज्यों की तुलना में यहां के छात्र काफी पिछड़े हुए

हैं। इस कारण रोजगार की खोज में यहां से पलायन करने की संख्या लाखों में है। ऐसे में झारखंड के स्थानीय छात्र आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण पीएचडी एवं बेहतर शिक्षा के लिए बाहर जाने में असक्षम होते हैं, किंतु अपनी मेहनत और लगन से किसी तरह राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा में सफल हो रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने कहा कि झारखंड में मूलनिवासियों के हित के लिए कोई स्पष्ट स्थानीय व नियोजन नीति नहीं है। यहां के लोग अपने ही राज्य में अपने अधिकारों से वंचित होते रहे हैं। जिस प्रकार से अस्थायी नियुक्तियां भी की जा रही है, उसमें भी साजिश के तहत झारखंडी मूलनिवासियों को उन नियुक्तियों से बाहर किया जा रहा है। किसी भी स्तिथि में अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) स्थानिय - मूलनिवासियों के साथ अन्याय बर्दाश्त नही करेगा। मौके पर विकास कुमार, बिक्की कुमार, सुदामा महतो, शिवप्रकाश शुक्ला राजेश सिंह, आनंद कुमार थे।

विधायक सरयू राय की सुरक्षा बढ़ायी जाये : धर्मेंद्र तिवारी

भारतीय जनतंत्र मोर्चा ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार को ज्ञापन सौंप कर विधायक सरयू राय की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। श्री तिवारी ने गृह एवं कारा विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल तथा पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह को भी ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने प्रिंस खान के हवाले से एक ऑडियो क्लिप जो सोशल मीडिया में बहुत वायरल हो रहा है। उसका ओरिजिनल सोर्स पता करते हुये दोषियों पर कड़ी कारवाई तथा विधायक सरयू राय की सुरक्षा की समीक्षा करने का मांग किया।

राष्ट्रपति और आडवाणी की एक तस्वीर पर बढ़ गया विवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति का किया है अपमान : जेएमएम

जेएमएम का कहना है- जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एलके आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित कर रही थीं तब, पीएम मोदी अपनी सीट पर बैठे हुए थे।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार 31 मार्च को बीजेपी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया। एलके आडवाणी को यह सम्मान उनके दिल्ली स्थित आवास में दिया गया। इस दौरान उनके सबसे प्रिय शिष्य पीएम मोदी भी मौजूद थे, लेकिन इस सम्मान कार्यक्रम पर कांग्रेस समेत कई पार्टियों ने आपत्ति जतायी है। उनका आरोप है कि पीएम मोदी ने राष्ट्रपति का अपमान किया है। वहीं जेएमएम का कहना है कि जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एलके आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित कर रही थीं तब, पीएम मोदी अपनी सीट पर बैठे हुए थे। जेएमएम के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भटटाचार्य ने उक्त बातें कहीं।

संसद भवन के उद्घाटन और भूमि पूजन में राष्ट्रपति को क्यों नहीं किया गया शामिल : उन्होंने कहा कि संसद भवन के उद्घाटन और राम मंदिर के भूमि पूजन में राष्ट्रपति को नहीं ले जाया गया। क्योंकि राष्ट्रपति आदिवासी हैं। बीजेपी आदिवासी समुदाय का सम्मान तो करती नहीं है। कम से कम मोदी जी को राष्ट्रपति पद का सम्मान कर देना चाहिए।

चुनाव में जीत होगी या नहीं : चुनाव में जीत मिलेगी या नहीं इसका रिजल्ट 4 जून को आना है लेकिन उससे पहले ही नरेंद्र मोदी तीसरी बार पीएम बन चुके हैं। राष्ट्रपति के सम्मान में खड़ा नहीं होना यह राष्ट्रीय प्रतीक का अपमान है। भारत रत्न राष्ट्र का प्रतीक है।

रामलीला मैदान का उत्साह सत्ता बदलने का संकेत:जेएमएम

रामलीला मैदान में लोगों का उत्साह था सत्ता बदलने के लिए, पूरे देश के लोग हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल के साथ खड़े हैं। आप कितना भी आतंक का राज चला लें देश बदलाव के मूड में है। भारत रत्न से चौधरी चरण सिंह भी नवाजे गये और उन्हीं के बेटे को भरे मंच पर कैसे अपमानित किया गया, इसे पूरे देश ने देखा है।

आइएएस निधि खरे ने केंद्र में संभाला उपभोक्ता मामलों की सचिव का पद

झारखंड की बढ़ी उम्मीदें, राज्य में रह चुकी हैं खाद्य आपूर्ति विभाग की सचिव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड कैडर की आईएएस निधि खरे ने सोमवार को केंद्र में उपभोक्ता मामलों की सचिव का पदभार ग्रहण किया। उन्हें पिछले महीने इस विभाग का सचिव नियुक्त किया गया था। रोहित कुमार सिंह की सेवानिवृति के बाद सोमवार को उन्होंने पदभार ग्रहण किया। वह इस विभाग में अतिरिक्त सचिव रह चुकी हैं। फिलहाल उपभोक्ता मामलों के विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी के रूप में काम कर रही थी। निधि खरे झारखंड कैडर की अधिकारी हैं। वह कार्मिक, खाद्य आपूर्ति, स्वास्थ्य, वाणिज्य कर विभाग की प्रधान सचिव सहित जमशेदपुर, दुमका, मधुबनी की डीसी और दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की कमिश्नर भी रह चुकी हैं। उनकी पहचान तेज तर्रार अधिकारी के रूप में होती है।

उन्होंने राज्य और केंद्र में सरकार की कई नीतियों को सफलतापूर्वक लागू कराया है। श्रीमती खरे ने सीसीपीए की मुख्य आयुक्त के रूप में उपभोक्ताओं के हित में कई महत्वपूर्ण मामलों पर संज्ञान लिया था। बताते चलें कि श्रीमति खरे झारखंड में खाद्य आपूर्ति विभाग की सचिव रह चुकी हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में झारखंड में पीडीएस सिस्टम के पटरी पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। साथ ही एक कंपनी को बाहर करने में भी इनकी महत्ती भूमिका रही है। यही कारण है कि उन्हें केंद्र में उपभोक्ता मामलों की सचिव बनाये जाने से राज्य के अधिकारियों की उम्मीदें बढ़ी है।

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी सभी 14 लोस क्षेत्र में लड़ेगा चुनाव : विजय

रांची। संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी झारखंड के 14 लोकसभा क्षेत्र में मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा। जल्द ही सभी लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी जाएगी। यह बातें सोमवार को संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रभारी विजय शंकर नायक एक बयान जारी कर कहीं। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी 14 लोकसभा क्षेत्रों में अपने बलबूते चुनाव लडेगी और किसी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व सभी लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों के नामों पर गहन विचार विमर्श कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा की संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी झारखंड में मुद्रा आधारित राजनीति नहीं करके मुद्दा की राजनीति को प्राथमिकता देगी और जनता की अदालत पर अपने विचारों, नीति सिद्धांतों के साथ उतरने का काम करेगी।

OFFICE OF THE CHIEF ELECTORAL OFFICER, JHARKHAND

SHORT E-TENDER NOTICE
REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)
FOR

"APPOINTMENT OF REPUTED ENTERPRISES HAVING CAPACITY AND CAPABILITIES OF SUPPLY OF CANVAS POLLING BAG TO BE USED BY PRESIDING OFFICER FOR LOK SABHA GENERAL ELECTION, LEGISLATIVE ASSEMBLY GENERAL ELECTION & BYE ELECTIONS, IN THE STATE OF JHARKHAND"

1	e-Tender Reference No.	01/Ele.(Tender)-27-01/2024/1660
2	Name of the Project	"Appointment of reputed Enterprises having capacity and capabilities of Supply of Canvas Polling bag for Lok Sabha General Election, Legislative Assembly General Election & Bye Elections, in the State of Jharkhand".
3	RFP Fee & EMD (In INR)	**Tender Fee : ₹ 5,000 (through Online mode) EMD – ₹ 1,00,000 (through Online mode)**
4	Time of Completion of project	7 days and as per RFP
5	Date of Publication of RFP on website(https://jharkhandtenders.gov.in/)	02-04-2024 at 2.00 pm
6	Mode of submission of bids	E-tendering (https://jharkhandtenders.gov.in/)
7	Date of Start of Submission of Bids	03-04-2024 , 11:00 AM
8	Last Date/Time for submission of bids	10.04.2024 up to 01:00 PM
9	Date of Technical Bid Opening (Online)	11.04.2024 at 03:00 PM
10	Date of financial bid opening	To be announced later
11	Bid submission address (Online)	https://jharkhandtenders.gov.in/
12	Place and address of Bid Opening	Cabinet (Election) Department, Jharkhand Sector-2, Dhurwa, Ranchi-834004

Tender Fee and EMD will be received through online mode only. Bidders can use internet banking facility for faster processing of tender fee and EMD. Alternatively, Bidders can use NEFT/RTGS challan generated for the tender from **jharkhandtenders.gov.in** portal.

Refund will only be issued to the originated bank account used for the payment of Tender Fees and EMD. So, Bidders are advised NOT to close Bank Account used for online payment/ (NEFT/RTGS) of tender fee and EMD.

No Hardcopy/Physical copy is required to be submitted for tender opening/Evaluation. However, Department may ask original documents for verification before award of contract.

(Chief Electoral Officer) Jharkhand

PR.NO.323493 Election(24-25):D

सीसीएल ने वित्त वर्ष 2023-24 में 86.1 मिलियन टन कोयले का किया उत्पादन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीसीएल ने वित्त वर्ष 2023-24 में निर्धारित वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य 84 मिलियन टन को प्राप्त करते हुए 86.1 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया है। इसी तरह, कंपनी ने डिस्पैच और ओवर बर्डन रिमूवल (ओबीआर) में भी क्रमशः 82.8 एमटी और 121.4 एमक्यूएम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। सीसीएल ने 2023-24 वित्तीय वर्ष में सभी मापदंडों में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है।

बिजली संयंत्रों को सीसीएल का प्रेषण में 67 मिलियन टन के वार्षिक लक्ष्य को पार करते हुए 69.1 मिलियन टन तक पहुंच गया। प्रेषण में 7% की बढ़त दर्ज की गई। कंपनी का पूंजीगत व्यय 50% की वृद्धि दर्ज करते हुए 2314 करोड़ रुपये के वार्षिक लक्ष्य को पार करते हुए लगभग 3641 करोड़ रुपये हुआ।

कोयला मंत्रालय के भविष्यवादी दृष्टिकोण से प्रेरित तथा कोल इंडिया के अध्यक्ष पीएम प्रसाद के कुशल मार्गदर्शन और डॉ. बी. वीरा रेड्डी, सीएमडी, सीसीएल के नेतृत्व और झारखंड सरकार और हितधारकों, विशेष रूप से ग्रामीणों और ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधियों के सक्रिय समर्थन से, कंपनी ने राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

कंपनी के सभी निदेशकों हर्ष नाथ मिश्र, पवन मिश्रा, हरीश दुहान, सतीश झा और सीवीओ, सीसीएल पंकज कुमार ने इस उपलब्धि के लिए सीएमडी, सीसीएल को बधाई दी। सीसीएल के सीएमडी डॉ. बी. वीरा रेड्डी सहित सभी निदेशकों ने इस लक्ष्य हासिल करने तथा अच्छा प्रदर्शन और योगदान के लिए सीसीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को बधाई दी।

सीएमडी, सीसीएल ने कहा कि कंपनी कोयला खनन कर राष्ट्र की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्पादन का लक्ष्य और कोल डिस्पैच का टारगेट पूरा नहीं कर सका कोल इंडिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कोल इंडिया लिमिटेड वित्तीय वर्ष 2023- 24 के लक्ष्य से पिछड़ गया है। 31 मार्च की स्थिति में जारी अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार सीआईएल ने 780.2 के मुकाबले 773.64 मिलियन टन उत्पादन दर्ज किया है। हालांकि सीआईएल का यह अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है।

सीआईएल को कोल डिस्पैच के टारगेट में भी पीछड़ना पड़ा है। 31 मार्च को जारी आंकड़ों के अनुसार सीआईएल ने 753.85 मिलियन टन कोल डिस्पैच किया है, जबकि लक्ष्य 780.24 मिलियन टन था। इधर, सिंगरेनी कोलियरिज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल)ने 70 मिलियन टन के उत्पादन टारगेट को पार कर लिया है। एससीसीएल ने 70.02 मिलियिन टन उत्पादन किया है।

देखें अनुषांगिक कंपनीवार वार्षिक लक्ष्य एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 का उत्पादन

कंपनी	लक्ष्य	उत्पादन (एमटी) में
बीसीसीएल	41.00	41.1
सीसीएल	84.00	86.05
ईसीएल	51.00	47.56
एमसीएल	204.00	206.1
एनसीएल	135.00	136.14
एसईसीएल	197.00	187.38
डब्ल्यूसीएल	68.00	69.11
एनईसी	0.20	0.20
सीआईएल	780.20	773.64

जिला निर्वाचन पदाधिकारी समयबद्धता के साथ करें चुनाव की तैयारीः के. रवि कुमार

सीइओ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जिलों में चुनाव के तैयारियों की समीक्षा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोकसभा आम निर्वाचन-2024 को लेकर सोमवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार,अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह एवं अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने स्थानीय निर्वाचन सदन से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ उनके संबंधित जिलों में चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि वे स्वयं अपने-अपने जिले में बूथ स्तरीय मतदाता जागरूकता समूहों एवं उनसे संबंधित बीएलओ के साथ निकट समन्वयन के लिए प्रखंड स्तर के किसी पदाधिकारी को जिम्मेदारी सौंप कर दिन-प्रतिदिन मतदाताओं की जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रयासों की मानीटरिंग करें। इससे 85 से अधिक आयु वाले मतदाताओं, दिव्यांगजनों, मतदान केन्द्रों तक पहुंच पाने में अक्षम मतदाताओं को चिन्हित कर उनके मताधिकार के प्रयोग को सुगम बनाने के लिए पहले से तैयारी रखा जाना आसान रहेगा। उन्होंने ऐसे मतदाताओं के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए वाहन की व्यवस्था समय पूर्व किए जाने का निदेश दिया। सभी मतदान केन्द्रों के लिए चलायमान एंबुलेंस को उपयोग के लिए तैयार रखे जाने की जरूरत पर उन्होंने बल दिया।

उन्होंने सभी जिलों के संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित एप एवं पोर्टल पर रियल टाइम एंट्री का निदेश दिया, ताकि शांतिपूर्ण, स्वच्छ, निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव संपन्न कराया जा सके।

पोस्टल बैलेट से मतदान संबंधी सभी तैयारियां समय से कर लें : नेहा

रांची। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान ड्यूटी पर रहने वाले व्यक्तियों, आवश्यक सेवा के निमित्त कार्यरत व्यक्तियों एवं मतदान केन्द्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने में अक्षम/ दिव्यांग मतदाताओं के लिए पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान का प्रावधान किया है। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने सोमवार को निर्वाचन सदन धुर्वा से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के पोस्टल बैलेट कोषांग के नोडल पदाधिकारी के साथ पोस्टल बैलेट से मतदान की तैयारियों के लिए फॉर्म संग्रह की प्रगति की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने फॉर्म 12, 12 ए एवं 12 डी के जारी किये जाने की स्थिति तथा उनके संकलन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दिव्यांग एवं वरिष्ठ श्रेणी के एक भी मतदाता नहीं छूटें, इसका ध्यान रखें। उन्होंने पोस्टल बैलेट की अहर्ता रखने वाले मतदाताओं के लिए डाटा बेस को सम्यक रूपेण भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों के अनुरूप नियमित रूप से अपडेट करने का निर्देश दिया।

मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में मतदाता जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम

लोकतंत्र में जनता ही शक्तिशाली देश गढ़ने का है मौका : उपायुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची के मोरहाबादी स्थित आर्यभट्ट सभागार में सोमवार को मतदाता जागरुकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जिला में गठित निजी, सरकारी, गैर सरकारी संस्थान में वोटर अवेयरनेस ग्रुप के साथ स्कूल और कॉलेजों में बनाये गये इलेक्टोरल लिटेज्सी क्लब को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग-सह-उपविकास आयुक्त, रांची दिनेश कुमार यादव ने सभी वीएएफ एवं ईएलसी के सदस्यों को चुनावी प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न संस्थानों में गठित वीएएफ द्वारा अपने संस्थान में कार्यरत सभी कर्मचारियों का नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने को कहा। कार्यक्रम में उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहा है, मतदान दिवस पर शहरी क्षेत्र के मतदाता छुट्टी का दिन बना बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता शक्तिशाली होती है, 18 साल होते ही देश बनाने का मौका, किसी और देश में नहीं मिलता। वीएएफ और इएलसी के सदस्यों से उन्होंने लोगों को मतदान के प्रति जागरुक करने और ज्यादा से ज्यादा लोगों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने को कहा।

कर्मचारियों के साथ उनके फैमिली मेंबर का भी नाम वोटर लिस्ट में जुड़वायें : नेहा अरोड़ा

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखण्ड नेहा अरोड़ा ने कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में कहा कि विभिन्न संस्थानों में गठित वीएएफ अपने कर्मचारियों के साथ उनके परिवार के 18 प्लस सदस्यों के नाम भी मतदाता सूची में दर्ज करायें। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं इस संबंध में वीएएफ अंडरटेकिंग उपलब्ध करायें।

पोलिंग डे इज पेड हॉलीडे, प्लीज घर पर न बैठें, मतदान जरुर करें : दिनेश यादव

नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग-सह-उपविकास आयुक्त, रांची दिनेश कुमार यादव ने कहा कि मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश की व्यवस्था है, सभी संस्थान द्वारा पोलिंग डे पर पेड हॉलीडे दिया जायेगा, मतदान के दिन घर पर न बैठें, अपना वोट जरुर डालें। दिनेश यादव ने कहा कि संस्थानों में गठित वीएएफ भी अपने कर्मचारियों को वोटिंग के लिए प्रेरित करें।

जिलास्तर पर इलेक्शन मस्कट 1-बीएचएआई की लॉन्चिंग : मतदाताओं को जागरुक करने के उद्देश्य से जिला स्तर पर इलेक्शन मस्कट आई-भाई की लॉन्चिंग की गयी। उपायुक्त रांची राहुल कुमार सिन्हा, नोडल पदाधिकारी स्वीप सह उपविकास आयुक्त रांची दिनेश कुमार यादव एवं एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने लॉन्चिंग की।

गीत एवं मस्कट मतदाताओं को करेगा जागरूक, सीइओ ने किया लोकार्पण

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि इस बार के मतदान को देश के महापर्व के रूप में हर्षोल्लास का माहौल तैयार करना है। इसी को लेकर सोमवार को इलेक्शन मस्कट **ई-भाई** सभी मतदाताओं के लिए लोकार्पित है। वे सोमवार को निर्वाचन सदन, धुर्वा स्थित सभागार से मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से इलेक्शन मस्कट ई-भाई एवं अन्य प्रसार सामग्रियों के लोकार्पण समारोह के दौरान मीडिया के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। इलेक्शन मस्कट ई-भाई के अलावा युवा मतदाताओं सहित सभी कोटि के मतदाताओं की मतदान में शत प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से रैप सॉन्ग एवं स्थानीय भाषा में गीत भी लॉन्च किए गए। स्थानीय भाषा नागपुरी में गीत के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक एवं प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस मस्कट के माध्यम से मतदान केन्द्र पर निर्वाचन संचालन की प्रक्रिया, पोस्टल बैलेट का इस्तेमाल पर भी जागरूकता वीडियो जारी किए जाएंगे।

झारखंड वोटर अवेयरनेस कॉन्टेस्ट की तिथि 10 अप्रैल तक बढ़ी : कार्यक्रम में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने झारखंड वोटर अवेयरनेस कॉन्टेस्ट की तिथि 10 अप्रैल 2024 तक बढ़ाये जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि तक प्रतिभागी अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित करवायें। पूर्व में इसकी तिथि 31 मार्च 2024 तक निर्धारित थी।

अब 'लू' चलने की संभावना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मौसम विभाग ने हीट वेव को लेकर चेतावनी जारी की है। चार और पांच अप्रैल को पूर्वी सिंहभूम, प. सिंहभूम, सरायकेला खरसावां में लू चलने को लेकर चेतावनी जारी की है। वहीं झारखंड में छह अप्रैल के बाद कहीं-कहीं बारिश की संभावना है। राज्य में अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद अगले 2 दिनों में दो से तीन डिग्री की वृद्धि की संभावना है। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 40.3 डिग्री गोड्डा में, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री डाल्टनगंज में दर्ज किया गया।

हीट वेव से बचने के लिए क्या करें

- दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच बाहर न जायें।
- पर्याप्त पानी पीयें भले ही प्यास न लगी हो।
- हल्के रंग के ढीले और छिद्रयुक्त सूती कपड़े पहनें।
- धूप में बाहर जाते समय चश्मा, छाता/टोपी, जूते या चप्पल का प्रयोग करें।
- यात्रा करते समय पानी अवश्य रखें।
- शराब, चाय, कॉफी और कार्बनिटेड शीतल पेय से बचें।
- उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी भोजन न करें।
- यदि आप बाहर काम करते हैं, तो टोपी या छाते का उपयोग करें।
- यदि आप बेहोश या बीमार महसूस करते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।
- ओ.आर.एस., घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें जो शरीर को फिर से हाइड्रेट करने में मदद करता है।

युवक ने युवती से की बदसलूकी की कोशिश राहगीरों ने रोका तो चाकू से कर दिया हमला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में एक सिरफिरे की हरकत की वजह से थोड़ी देर के लिए सदर थाना क्षेत्र के बड़गाईं में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। घटना सदर थाना क्षेत्र के बड़गाईं चौक में घटी। जहां पर एक शख्स ने चाकू से एक युवती पर हमला कर दिया। लोगों ने युवती को बचा लिया। बाद में युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। दरअसल राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र स्थित बड़गाईं चौक के पास उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक युवती के ऑटो से उतरते ही एक सिरफिरा युवक उस पर कूद गया और फिर युवती के साथ बदसलूकी करने लगा। दिनदहाड़े हो रही इस घटना से पहले तो वह सहम गई लेकिन फिर युवती अपने बचाव के लिए चिल्लाने लगी।

युवती को बचाने के लिए स्थानीय लोगों को उस युवक से छुड़ाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि वह युवक स्थानीय लोगों पर भी चाकू से हमला कर रहा था। इस दौरान एक शख्स उसके चाकू के वार से जख्मी भी हो गया। अपने साथ हुई इस खौफनाक घटना के बाद युवती कुछ भी बोल पाने की स्थिति में कुछ देर तक बोल नहीं सकी। बाद में उसके बयान पर सदर थाना में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

युवती के साथ की गई इस हरकत से स्थानीय लोग काफी गुस्से में नजर आये और उन्होंने आरोपी की जमकर पिटाई भी कर दी। स्थानीय लोगों ने युवक की पोल से बांधकर पिटाई भी की और फिर तुरंत पुलिस को मामले की जानकारी दी गयी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में ले लिया। वहीं सदर थाना के प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि चाकूबाजी करने वाला युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त है, लेकिन पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है।

झारखंड में बाहरी कंपनी झारखंडी मजदूरों पर शोषण करे, बर्दास्त से बाहर : शिवलाल

रांची। मेसरा पूर्वी पंचायत ग्रामीण क्षेत्र में विलिस द क्रीम फैक्टरी लीज पर चल रही है। यहां 30 से 40 स्थानीय महिला एवं पुरुष 3 साल पूर्व से काम करते आ रहे हैं। इन्हें विलिस द क्रीम फैक्टरी के मालिक एवं मैनेजर के द्वारा चोरी या किसी भी तरह का नुस्क निकाल कर काम से निकाल दिया जाता है और बंगाल या बिहार से मजदूरों को लाकर भरा जा रहा है। भाजपा युवा मोर्चा मेसरा मंडल अध्यक्ष शिवलाल महतो ने विलिस द क्रीम फैक्टरी के मालिक विवेक गरीय से बात की और कहा कि यदि झारखंडी स्थानीय, जिन्होंने लीज पर जमीन दिया है। रोजगार में उन्हें प्राथमिकता नहीं दी गयी और काम कर रहे लोगों को निकाला गया तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। साथ ही निकाले गये मजदूरों को काम पर रखा जाये।

32 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने डोरंडा इलाके से 32 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया है। इस मामले में शाहिद अंसारी और मोहम्मद मुजम्मिल राज को गिरफ्तार किया गया है। रांची पुलिस को जानकारी मिली थी कि डोरंडा इलाके में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री की जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

रांची पुलिस ने अवैध शराब कारोबार का किया भंडाफोड़, 143 बोतल शराब जब्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने अवैध शराब कारोबार का भंडाफोड़ किया है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने चुटिया थाना क्षेत्र के द्वारकापुरी रोड नंबर 4 में छापेमारी कर 143 बोतल अवैध शराब बरामद किया है। एसएसपी चंदन सिन्हा ने सोमवार दोपहर में अपने कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बात की जानकारी दी।

एसएसपी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि द्वारकापुरी में फास्ट फूड के दुकानों में गुपचुप तरीके से अवैध शराब की बिक्री की जा रही है। शराब पीकर लोग शांति व्यवस्था भंग करते हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसएसपी ने सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया और छापेमारी की।

चैंबर ऑफ कॉमर्स ने की डीआरएम के साथ वार्ता, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स और रांची रेल मंडल के डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा की बैठक सोमवार को डीआरएम कार्यालय में हुई। चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने नामकोम यार्ड में रैक से माल उतारने में होनेवाली दिक्कतों से अवगत कराया। डैमरेज शुल्क में छह गुणा बढ़ोत्तरी होने पर चिंता जताते हुए उन्होंने बताया कि व्यापारियों को 6000 रुपए की जगह अब 50 हजार रुपए तक डैमरेज शुल्क का भुगतान करना पड़ रहा है। चैंबर अध्यक्ष के आग्रह पर डीआरएम ने अधिकारियों को कल से बढ़े हुए डैमरेज शुल्क को वापस लेने के लिए निर्देशित किया। यह भी आग्रह किया गया कि नामकोम यार्ड में 100 लेबर के लिए रेस्ट रूम की व्यवस्था हो ताकि किसी भी समय रैक आने पर खाली करने का काम तुरंत शुरू हो सके जिसपर डीआरएम ने वर्तमान रेस्ट रूम की समीक्षा कर, शीघ्र कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड से छत्तीसगढ़ की रेलवे कनेक्टिविटी को जोड़े जाने की बात कहते हुए ट्रेन संख्या 08185 और 08186 हटिया दुर्ग को नागपुर तक विस्तारित करते हुए इसका परिचालन प्रतिदिन करने का सुझाव दिया। कहा गया कि इस मार्ग में भारी भीड़ रहती है जिस कारण यात्रियों को आरक्षित सीटें उपलब्ध नहीं हो पाती। रांची से अहमदाबाद नई ट्रेन के परिचालन को भी जरूरी बताया गया।

डीआरएम जसमीत सिंह बिंद्रा ने चैंबर प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों पर रांची रेलमंडल की ओर से समुचित कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। गुमला में टिकट काउंटर खोलने के चैंबर अध्यक्ष के आग्रह पर उन्होंने जल्द ही निविदा प्रक्रिया आरंभ करने के लिए आश्वस्त किया और कहा कि मई तक यह प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि पिस्का, टांगरबस्ली और टाटीसिलवे स्टेशन पर भी रैक साइडिंग-वे बनाने की दिशा में योजना पर कार्य जारी है। चैंबर भी इसकी समीक्षा कर हमें इसकी संभावनाओं पर अपने विचार से अवगत कराये। प्रतिनिधिमंडल ने सीनियर डीसीएम निशांत कुमार और डीओईएम स्नेहा सिंह से भी मुलाकात की।

ओड़िशा के स्थापना दिवस पर मेकॉन आज मनेगा 'उत्कल दिवस' समारोह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी में ओड़िया लोगों का सबसे पुराना सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन सागरिका मंगलवार को मेकॉन के सामुदायिक भवन में अपना वार्षिक उत्कल दिवस (ओड़िशा स्थापना दिवस) मनायेगा। यह एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो हर साल शहर के विभिन्न हिस्सों से रांची के ओडिया लोगों को एकजुट करता है।

डॉ रश्मि माला साहू ने बताया कि सागरिका के अध्यक्ष सह चिकित्सक डॉ. जयंत कुमार रथ ने 2 अप्रैल को आयोजित होने वाले उत्कल दिवस की विशेषताओं के बारे में जानकारी देंगे। कार्यक्रम शाम 7 बजे से होगा। उत्कल दिवस पर चिंतन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और चित्रकला और गायन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर ओड़िशी और अन्य लोक नृत्यों सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। सागरिका के महासचिव शिक्षाविद् बिनय पटनायक ने रांची के सभी ओड़िया परिवारों को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

एसडीओ से शांति समिति की बैठक कराने की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की की अगुवाई में सोमवार को केंद्रीय सरना समिति के प्रतिनिधिमंडल ने सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान सरहुल पूजा को शांति पूर्वक मनाने को लेकर चर्चा की गयी। इस मौके पर अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि सरहुल शोभायात्रा में रांची में 10 लाख सरना धर्मावलंबी जुटेंगे। 11 अप्रैल को सरहुल शोभा यात्रा एवं ईद दोनों त्योहार है। दोनों त्योहारों को लोग आपसी भाईचारगी, प्रेम, सद्भाव से मनाएं, इसके लिए प्रत्येक थाने में शांति समिति की बैठक करायी जाए।

इनकी ये है मांग

शांति समिति की बैठक कराई जाए।
प्रत्येक सरना स्थल की साफ-सफाई कराई जाए।
शोभा यात्रा के दिन जगह-जगह मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति हो।
महिला एवं पुरुष सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए।

सरहुल की शोभायात्रा में निकाली जाएगी अलग धर्म कोड की झांकी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। केंद्रीय धुमकुड़िया भवन करमटोली में पाहन महासंघ ने सरहुल तैयारी को लेकर सोमवार को बैठक की। अजय तिर्की ने कहा कि 10 अप्रैल को उपवास कार्यक्रम होगा और 11 अप्रैल को शोभायात्रा निकाली जाएगी। पाहन ने कहा कि आदिवासी टोलो पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे। ढोल नगाड़ा,मांदर के साथ शोभायात्रा में शामिल होंगे। पाहन संघ ने सरहुल शोभायात्रा और ईद एक साथ पड़ने पर चिंता जाहिर की क्योंकि ईद पर्व और सरहुल पर्व एक ही दिन पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि सरहुल और ईद को लेकर शांति समिति की बैठक बुलायी जाए ताकि आदिवासी और मुस्लिम समुदाय शांति पूर्वक दोनों पर्व को मनाया जा सके।

चंदन हलधर पाहन ने कहा कि राज्य में शराब बंद होना चाहिए। मेडिकल कैम्प लगाया जाए। डीजे साउंड से आधुनिक गाना नहीं बजाया जाए, मोबाइल टॉयलेट की जगह-जगह व्यवस्था हो इसके अलावा सीसीटीवी और ड्रोन कैमरा की व्यवस्था की जाए।

37वें अंतर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में डीएसपीएमयू का शानदार प्रदर्शन, पुरस्कार जीते

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज की ओर से 28 मार्च से एक अप्रैल 2024 तक पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, लुधियाना में आयोजित 37वें अंतर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रतिभागी के तौर पर शामिल डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची के ग्यारह सदस्यीय दल ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम मैनेजर डॉ राहुल देव साव और श्रीजीत चटर्जी के नेतृत्व में दल ने कई पुरुस्कार हासिल किया। क्लासिकल, वोकल सोलो की गायन प्रतियोगिता में डीएसपीएमयू के कुमार आदित्य को द्वितीय पुरस्कार, वेस्टर्न वोकल सोलो गायन प्रतियोगिता में निशांत डेनिश तिग्गा को तृतीय पुरस्कार, वेस्टर्न ग्रुप सॉन्ग के शांभवी पाठक, अंशिका लकड़ा, अंशु राज, प्रिंस कुमार, रविकांत, निशांत तिग्गा और कुमार आदित्य के समूह को तृतीय पुरस्कार, कार्टूनिंग प्रतियोगिता में निशी कुमारी को तृतीय पुरस्कार और सांस्कृतिक झांकी के अंतर्गत डीएसपीएमयू को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस शानदार उपलब्धि पर कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य और कुलसचिव डॉ नमिता सिंह ने 11 सदस्यीय दल को बधाई दी। मौके पर कुलपति डॉ शांडिल्य ने कहा कि खेलों में हारजीत परिणामों की दृष्टि से होते हैं, लेकिन वास्तविक तौर पर खिलाड़ियों में खेल भावना, सामूहिकता का संदेश और अपनत्व की वृद्धि ही किसी भी खेल प्रतियोगिता के अंतिम वास्तविक परिणाम माने जाते है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार के परिणाम इस 37 वें युवा महोत्सव में हमारे 11 सदस्यीय दल ने प्राप्त किया है। वह यह दशार्ता है कि निश्चित रूप से उपरोक्त सारे गुण प्रत्येक प्रतिभागी में समाहित होंगे तभी यह शानदार सफलता प्राप्त हुई है। कुलसचिव डॉ नमिता सिंह ने भी खेल भावना के साथ प्रतियोगियों को भाग लेने के साथ साथ एक श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने पर 11 सदस्यीय दल को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दल का नेतृत्व डॉ राहुल देव साव और श्रीजीत चटर्जी ने किया। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

निर्मला कन्वेंट में नया सत्र शुरू, प्राचार्य और सचिव ने विद्यार्थियों को दिये सफलता के टिप्स

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल एदलहातु में सोमवार से नए सत्र 2024-25 की शुरूआत मां सरस्वती एवं बुद्धि के देव श्री गणेश जी की पूजा अर्चना और हवन कर की गई। विद्यालय के प्राचार्य विजय कुमार शर्मा ने कहा कि शांतचित अवस्था में होकर पूजा-अर्चना करने से हमें आत्मबल के साथ आंतरिक ऊर्जा प्राप्त होती है तथा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की नई ऊर्जा मिलती है। श्री शर्मा ने आशा की है कि नया सत्र सभी छात्र-छात्राओं के लिए नई ऊर्जा लेकर आएगा तथा पठन-पाठन के साथ-साथ विद्यार्थी अन्य क्षेत्रों में भी अपने माता-पिता तथा विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय प्रबंधन समिति की सचिव सीमा शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं तथा नए छात्र छात्राओं को नए सत्र में आने का स्वागत किया तथा नए सत्र की घोषणा की। श्रीमती शर्मा ने ने बताया कि जैसा की हमारी सांस्कृतिक परंपरा रही है कि किसी भी शुभ कार्य का आरंभ हमलोग अपने इष्ट देव की आराधना के साथ करते हैं। यह भी उसी मान्यता का एक अंग है।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षिका अनामिका छेत्री ने सभी छात्र-छात्राओं को नए सत्र के अनुशासन, नियम-कानून इत्यादि से अवगत कराया। मौके पर सभी ने विद्यार्थियों ने मां का आशीर्वाद लेकर नयी उड़ान का आरंभ किया। विद्यालय में पूर्व से अध्यनरत स्टूडेंट्स नए सत्र के साथ कुछ नव नामांकित स्टूडेंट्स को अपने दोस्त के रूप में पाकर काफी हर्षित थे। विद्यालय की इस पारंपरिक पूजा अर्चना की बेला में के शिक्षक- शिक्षिका मोनिबाला शर्मा, सुधा राणा, अनिमा एक्का, किरण कुमारी, आशुतोष कुमार, सुरेश कुमार, पंकज कुमार, सुधीर कुमार सहित अशैक्षणिक स्टाफ्स तथा सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप भी करता था जंगी ऐप का इस्तेमाल

अपराधियों, उग्रवादियों और नशा कारोबार से जुड़े लोगों के लिए जंगी ऐप कारगर साबित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में सक्रिय अपराधियों, उग्रवादियों और नशा कारोबार से जुड़े लोगों के लिए जंगी एप्प भारी पड़ रहा है। इस एप्प का इस्तेमाल अपराधी संगठन से जुड़े लोगों से बात करने में कर रहे हैं। हाल के दिनों में अपराधी और उग्रवादी जंगी एप्प पर ही सदस्यों को आदेश देते हैं कि किससे रंगदारी की मांग करनी है और कहां घटना को अंजाम देना है। दूसरी तरफ नशा कारोबार से जुड़े तस्कर भी अपने सहयोगियों से बात करने के लिए जंगी एप्प का उपयोग कर रहे हैं। जंगी एप्प एक मैसेंजर एप्प है, जो सर्वर लेस बताया जाता है। इसमें की गयी बातचीत का डेटा सिर्फ यूजर के मोबाइल पर स्टोर होता है। इस फीचर की वजह से इसे पूरी तरह से प्राइवेट एप्प माना जाता है।

सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने बताया कि पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप भी जंगी ऐप का उपयोग करता था। बताया कि इसी ऐप के माध्यम से ही उसकी गिरफ्तारी भी हुई। गौरतलब हो कि 21 मई 2023 को एनआईए ने झारखंड पुलिस के लिए सिर दर्द बना दिनेश गोप को नेपाल से गिरफ्तार किया गया था।

झारखंड में इन आपराधिक गिरोह का है आतंक

झारखंड में सर्वाधिक आतंक जेल में बंद अमन साव और उसके गिरोह का है, जो कानून व्यवस्था के लिए सिरदर्द हैं। पांडेय गिरोह, अमन सिंह गिरोह, प्रिंस खान गिरोह, अमन श्रीवास्तव गिरोह, सुजीत सिन्हा गिरोह भी सक्रिय है।

अपराधियों में जंगी ऐप का प्रचलन बढ़ा : सीआइडी

इसको लेकर सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता का कहना है कि जंगी ऐप, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसा ही है। इसको वॉइस ओवर इंटरेक्ट प्रोटोकॉल (वीओआइपी) भी बोलते हैं। इसके जरिये जब कोई किसी से बात करता है तो वो नॉर्मल नेटवर्क फीचर का उपयोग ना करके आईपी फीचर उपयोग करता है। अपराधियों को लगता है कि इस ऐप का उपयोग करेंगे तो पकड़े नहीं जायेंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। इस एप्प का नारकोटिक्स के बड़े लीडर भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

सेक्स रैकेट को लेकर रांची पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दर्जनों गिरफ्तार

बांगलादेश और बंगाल की है लड़कियां

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर सेक्स रैकेट चलाने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सोमवार को छापेमारी की गयी। छापेमारी शहर के कई होटलों में की गयी। इस दौरान पुलिस ने सदर थाना, डेली मार्केट एरिया से एक दर्जन से अधिक लड़कियों के साथ लड़कों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। बता दें कि रांची पुलिस पूरे शहर में सेक्स रैकेट गिरोह के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। छापेमारी करने के क्रम में पुलिस ने कई होटलों में देर रात छापेमारी की।

बताया जाता है कि सेक्स रैकेट चलाने वाला गिरोह बंगाल से लड़कियों को कॉल सेंटर में काम करने के बहाने लाता था और यहां देह व्यापार के धंधे में धकेल देता था। रांची से पकड़ी गयी लड़कियों को महिला थाना के हवाले कर दिया गया है, जहां उससे महिला थाना प्रभारी पूछताछ कर रही है।

गौरतलब हो कि राजधानी रांची में बंगाल और बांग्लादेश की लड़कियों से रांची में देह व्यापार करवाने का धंधा कराया जा रहा है। मामले की जानकारी मिलने पर रांची एसएसपी के द्वारा बनाई गई स्पेशल टीम ने राजधानी के कई थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की।

राजधानी के सदर थाना क्षेत्र से 10 और बरियातू थाना क्षेत्र से दो सेक्स वर्कर को पकड़ा गया है। छापेमारी के दौरान छह युवकों को भी पकड़ा गया है। सभी होटल के कमरे में लड़कियों के साथ आपत्तिजनक अवस्था में पकड़े गये। कुछ स्थानों पर पुलिस के रेड के पहले ही सेक्स वर्कर और उनके ग्राहक फरार होने में कामयाब हो गये।

बांग्लादेश और बंगाल की हैं लड़कियां

रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बताया राजधानी के कुछ इलाकों में सेक्स रैकेट चलाए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी जिसके आलोक में कार्रवाई की गई है। एसएसपी के अनुसार पकड़ी गई अधिकांश लड़कियां बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल की रहने वाली है।

ओयो होटल में चल रहा जिस्म का कारोबार

सदर और बरियातू इलाके में ओयो होटल के नाम पर जिस्म का कारोबार चल रहा था। पुलिस होटल मालिकों पर भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। पकड़ी गई लड़कियों ने पूछताछ में बताया है कि होटल में उन्हें दलालों के माध्यम से भेजा जाता था। छापेमारी में कई अश्लील सामग्री भी पुलिस ने जब्त किया है।

खबर एक नजर में

बरियातू में युवक ने की आत्महत्या

रांची। बरियातू थाना क्षेत्र बरियातू पहाड़ के समीप एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान मो. आसिफ के रूप में की गयी। वह सत्तार कॉलोनी के गली नंबर तीन का रहनेवाला था। बरियातू पुलिस ने उसके पॉकेट से सुसाइड नोट बरामद किया है। बताया जाता है कि वह नशे का आदी था और नशा करता था।

विद्यापति स्मारक समिति लगायेगी सरहुल सेवा शिविर लगायेगा

रांची। विद्यापति स्मारक समिति की बैठक कचहरी स्थित कार्यालय मे जयन्त झा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सरहुल पर बाबा विद्यापति स्मारक समिति के द्वारा कचहरी चौक में सरहुल सेवा शिविर लगाया जाएगा। शिविर में कच्चा चना, गुड़ और शरबत लोगों को दिया जाएगा। जयन्त झा ने कहा कि इसी प्रकार का शिविर रामनवमी के शुभ अवसर पर भी लगाया जाएगा। बैठक मे आशु झा, आशुतोष झा, कृतेश झा, मोहित नारायण झा, नितेश सिंह, ज्ञानदेव झा, हेमंत झा, मुकेश भास्कर, मृत्युंजय झा, संतोष मिश्रा, अशोक मिश्रा, बिंदु झा,छवि झा, सोनी झा, इशांक झा, विश्व मोहन झा, दिनेश झा, पूर्णेदु ठाकुर,आलोक झा, अमरेंद्र आजाद, राकेश चौधरी, श्याम किशोर चौबे, प्रभाकर ठाकुर, बॉबी अग्रवाल, विष्णु सिंघानिया, मनीष सरावगी, सुनील सिन्हा, भुप्तो सिंह, जयशंकर दुबे,विकाश वर्मा आदि मौजूद थे।

प्रणामी ने किया भंडारे का आयोजन

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एवं स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट के सयुंक्त तत्वावधान में सोमवार को प्रणामी समाज के सेवाभावी सदस्यों के सहयोग से श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारा का आयोजन किया गया। शहर के पुंदाग स्थित संस्था के निमार्णाधीन मंगल राधिका सदानंद दिव्यांग आश्रम में संस्था के पवन पोद्दार, अरविंद अग्रवाल, सुरेश भगत, ओमप्रकाश सरावगी के द्वारा मोहक बजाज के जन्मदिवस के अवसर पर जरूरतमंद, श्रद्धालुओ,जरुरतमंद परिवार के सदस्यों के बीच भंडारे का उद्घाटन कर वितरण शुरू किया गया। यह जानकारी राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने दी।

एनएसयूआई ने छात्रहित में सौंपा ज्ञापन

रांची। एनएसयूआई प्रतिनिधिमंडल सोमवार को रांची विश्विद्यालय के डीएसडब्लू डा. सुदेश कुमार साहू से मिला एवं छात्रहित में ज्ञापन सौंपा। श्री अहमद ने कहा कि सत्र 2018 2021 बैच के स्नातक का फाइनल परीक्षा होती है और सभी छात्र छात्राओं को मार्कशीट भी दे दिया जाता है। इसके बाद विश्वविद्यालय के तरफ से एक नोटिफिकेशन जारी करते हुए कहा जाता है की जीई पेपर की परीक्षा 2 सेमेस्टर का छूट गया है। इसकी परीक्षा देना वैसे विद्यार्थीयों को अनिवार्य है, जो आगे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं या फिर सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। उसके बाद हजारों छात्र-छात्राओं ने परीक्षा फार्म भरा और दोनों सेमेस्टर की परीक्षा दिसंबर 2023 में लिया गया है। 3 माह से जायदा हो गये, लेकिन आजतक रिजल्ट प्रकाशित नहीं किया गया। नतीजा आगे की पढ़ाई और स्नातक स्तरीय परीक्षा फॉर्म अप्लाई करने में छात्र छात्राएं असमर्थ हैं। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन छात्रहित में मांग करती है कि जल्द से जल्द परीक्षा परिणाम घोषित किया जाये। सभी छात्र छात्राओं को मार्कशीट एवं डिग्री दिया जाए। मौके पर प्रदेश सचिव रोहित पांडे, जिला उपाध्यक्ष पवन कुमार आदि छात्र नेता उपस्थित थे।

जेआरजी बैंक ने मनाया छठा स्थापना दिवस समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जेआरजी बैंक का छठा स्थापना दिवस समारोह प्रधान कार्यालय में मनाया गया। साथ ही सभी आठ क्षेत्रीय कार्यालयों एवं बैंक की 445 शाखाओं में भी स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बैंक के अध्यक्ष मदन मोहन बरियार ने कहा कि झारखण्ड की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तम्भ के रूप मे अपनी मौलिक जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ बैंक आधुनिक झारखण्ड की बदलती जरूरतों के अनुरूप खुद को निरंतर परिवर्तित कर रहा है। आने वाले वर्षों में भी झारखण्ड के आर्थिक उन्नति के सफर में बैंक यूं ही कदम से कदम मिला कर आगे बढ़ता रहेगा। स्थापना दिवस पूरे महीने चार भागो में मनाया जायेगा, जिसमें स्वच्छता अभियान, रक्तदान, वृक्षारोपण और ग्राहकों के साथ संवाद करना हैं। कार्यक्रम में रंगारंग कार्यक्रम हुआ। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, झारखंड राज्य में वित्तीय समावेशन और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। बैंकिंग सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला और सामुदायिक जुड़ाव पर मजबूत दृष्टिकोण के साथ, बैंक व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाने का प्रयास करता रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में स्थायी प्रगति और समृद्धि निरंतर आ रही है। जैसे-जैसे झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक अपनी यात्रा के अगले चरण की ओर बढ़ रहा है, यह झारखंड में समावेशी विकास को बढ़ावा देने, समृद्धि को बढ़ावा देने और एक अधिक लचीला और न्यायसंगत समाज के निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता पर दृढ़ है। पेशेवरों की एक समर्पित टीम और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, बैंक आने वाले वर्षों में सेवा उत्कृष्टता और सामुदायिक सशक्तिकरण की अपनी विरासत को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

मौके पर बैंक के महाप्रबंधक, सहायक महाप्रबंधक, अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

महिलाओं ने की गणगौर पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने सोमवार को गणगौर पूजन बहुत ही श्रद्धा-भाव से किया। महिलाओं ने होलिका कि राख से पिंडलिया बनाकर दुबली घास से पूजा किया और शीतला कि पूजा कर शाम से गौरा संग ईश्वर जी, बहन रोवा, भाई कनीराम, मालन कि मूर्ति रूप में पूजा अर्चना की। इस पूजा के माध्यम से कुंवारी लड़कियां एवं नव विवाहित महिलाएं लगातार 16 दिन पूजा कर कुंवारी कन्या मुरली मनोहर सावर की कामना करती हैं और सुहागन स्त्रियां अटल सुहाग की कामना करती हैं।

ईश्वर से जुड़े रहना समर्पित जीवन में एक बड़ी चुनौती : महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। हुलहुंडू पल्ली के हाड़दाग में स्थित क्लारेशियन धर्मसंघ के 3 धर्मबहनें सिस्टर दिव्या लकड़ा, सिस्टर एमरेंसिया डोडराई और सिस्टर मनीषा लकड़ा ने महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद के सम्मुख अपना प्रथम व्रतधारण स्वीकार किया। महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने कहा कि समर्पित जीवन में ईश्वर से जुड़े रहना और जीवित प्रभु के अनुभव को अपने जीवन में संजो कर रखना ही उसके संदेश को लोगों तक पहुंचाने में उत्साह से भर देता है। प्रथम व्रतधारण स्वीकार करने वालों धर्म बहनों को महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आइंद ने बधाईयां एवं शुभकामनाएं दी।

इस समारोह मे फादर संजय तिर्की, हुलहुंडू पल्ली के पल्ली पुरोहित, फादर नरेश कुजूर, फादर अमित डुंगडुंग, फादर ब्रिसियुस मिंज, फादर नेलशन बरला, अन्य पुरोहितगण एवं संत अन्ना की धर्म, व्रत धारण करने वाली धर्म बहनों के रिश्तेदार मौजूद थे।

हर्षोल्लास से की गयी शीतला पूजा

बासी भोजन का लगाया गया भोग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शीतला पूजा का त्योहार बड़े हर्षोल्लास के साथ सोमवार को मनाया गया। मंदिरों में महिलाएं परंपरागत वेशभूषा के साथ शीतला माता की पूजा पूरे विधि- विधान से की। इस दिन दिन बासी भोजन करने से शीतला माता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। मारवाड़ी समाज शीतलाष्टमी बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि हिंदू धर्म में हर साल चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को शीतलाष्टमी मनाई जाती है। शीतला अष्टमी को बसौड़ा भी कहा जाता है। बसौड़ा शीतला माता को समर्पित त्यौहार है। यह व्रत होली के आठवें दिन पड़ता है। मान्यता है कि इस दिन शीतला माता की विधि विधान से पूजा करने से बीमारियों से मुक्ति मिलती है और घर में सुख शांति आती है।

हिंदू धर्म में शीतला पूजा का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि इस दिन माता शीतला की आराधना करने से भक्तों को सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूरी होती है। इसके साथ ही रोगों से मुक्ति मिलने की मान्यता है शीतला माता को शीतलता प्रदान करने वाला माना गया है। शीतला माता को सप्तमी वअष्टमी के दिन बासी भोजन का भोग लगाया जाता है। इसके बाद इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।

श्री दुर्गा मंदिर ट्रस्ट भवन में कार्यालय खुला

रांची। श्री महावीर मंडल के केंद्रीय कार्यालय का सोमवार को उद्घाटन हुआ। महावीर चौक में श्री दुर्गा मंदिर ट्रस्ट भवन में मंत्रोच्चार के बीच मेन रोड संकट मोचन हनुमान मंदिर के महामंडलेश्वर त्यागी बाबा और महावीर चौक स्थित प्राचीन श्री हनुमान मंदिर के पुजारी शारदा नाथ उपाध्याय पंडित ने कार्यालय का उद्घाटन किया। मौके पर श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, मंत्री दीपक ओझा, पूर्व अध्यक्ष हीरालाल साहू, राजीव रंजन मिश्रा, जय सिंह यादव, किशोर साहू, सागर वर्मा, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष राजा सेनगुप्ता, राज किशोर, सह मंत्री गोपाल सोनी, उदय रविदास, प्रेमचंद चौधरी, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा, अंकेक्षण प्रदीप कुमार गुप्ता, अशोक यादव, बिंदुल वर्मा, कमलेश यादव, राजेश सिन्हा, शंकर प्रसाद, लंकेश सिंह, विष्णु देव प्रसाद, राकेश वर्मा, विजय कुमार साहू समेत अन्य मौजूद थे।

आज ढोल-नगाड़े के साथ निकलेगा घोल

दूसरी मंगलवारी पर होगा कार्यक्रम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में महारामनवमी महोत्सव के आयोजन को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। श्री महावीर मंडल केंद्रीय कमेटी एवं श्री महावीर मंडल, डोरंडा की ओर से मंगलवार को दूसरी मंगलवारी पर घोल निकाला जाएगा। शहर के विभिन्न इलाके से अखाड़ाधारी महावीरी पताका के साथ घोल लेकर रात में महावीर चौक में प्राचीन श्री हनुमान मंदिर पहुंचेंगे। मंदिर में पताका की पूजा के बाद अखाड़ा से जुड़े सदस्य अस्त्र चालन का प्रदर्शन करेंगे। पूजा-अर्चना एवं प्रसाद लेने के बाद जयकारे लगाते हुए अपने-अपने अखाड़ा लौट आएंगे।

संगठन के अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू, मंत्री दीपक ओझा एवं सह मंत्री गोपाल सोनी ने बताया कि मंगलवारी जुलूस के स्वागत के साथ संगठन इस बार भव्य शोभायात्रा की तैयारी में भी जुट गया है। मंडल की ओर से सभी अखाड़ाधारी से ढोल-नगाड़े के साथ महावीर चौक पर पहुंचने का आह्वान किया गया है।

योगेंद्र तिवारी की हिरासत अवधि 16 अप्रैल तक बढ़ी

रांची। शराब घोटाले की राशि का मनी लाउंड्रिंग करने के आरोपित योगेंद्र तिवारी की न्यायिक हिरासत अवधि अदालत ने बढ़ा दी है। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आरोपित को पेश किया गया। अदालत ने आरोपित की न्यायिक हिरासत की अवधि 16अप्रैल तक बढ़ा दी है।

श्री साहित्य कुंज मंच का पांचवां वार्षिकोत्सव संपन्न, चार पुस्तकों का हुआ भव्य विमोचन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री साहित्य कुंज मंच रांची के पांचवे वार्षिकोत्सव में भागलपुर से आए, कथाकार, संपादक (पलाश पत्रिका) उमाकांत भारती को प्रेस क्लब के सभागार' में सम्मानित किया गया। आयोजन की अध्यक्षता हिंदी साहित्य संस्कृति मंच के उपाध्यक्ष निरंजन प्रसाद ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में लेखक नीरज नीर, तुषार सक्सेना (पटना), प्रशांत कर्ण, चंद्रिका ठाकुर देशदीप, सुनील कुमार पटेल(भागलपुर), राकेश रमण, सुरिन्दर कौर, वीणा नंदनी (जमशेदपुर) माधुरी मिश्रा (जमशेदपुर), उर्मिला सिन्हा, रेणु झा, नंदा पांडेय, रेणु मिश्रा त्रिवेदी आदि दर्जनों लेखक, कवि, कथाकारों ने सभी को लाभान्वित किया। इस अवसर पर निवेदिता श्रीवास्तव ,आरती श्रीवास्तव, मीरा सिंह सविता, पूनम सिंह, ऋतुराज वर्षा, अनिता निधि, (जमशेदपुर) रश्मि सिंह, रश्मि सिन्हा, पंपा सेन, मीरा सिंह, सूरज श्रीवास्तव, जितेंद्र तिवारी, सुनीता श्रीवास्तव, सुनीता अग्रवाल, रिम्मी वर्मा, शांति देवी, अर्चना बिरला आदि शहर के कई प्रतिष्ठित लेखक लेखिकाएं उपस्थित रहीं। सामाजिक संस्था इन्विहिलर क्लब की अध्यक्ष नीता नारायण अपनी अन्य सहयोगी सदस्याओं के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करायीं। मौके पर चार रचनाकारों की एकल पुस्तक जिसमें नीता शेखर मन दर्पण (एकल काव्य संग्रह), सिम्मी नाथ सुधा सलिला (एकल काव्य संग्रह), निर्मला कर्ण बित्ता भाई (एकल बाल कहानी संग्रह), उसका दोष क्या था? (उपन्यास), मनीषा सुमन - चांद पर घर (एकल कहानी संग्रह) ,अनुनाद एक गूंज (एकल काव्य संग्रह) का भव्य विमोचन किया गया।

इस महाआयोजन में कुंज के साझा कहानी,लघुकथा संग्रह 'दहलीज से आगे' एवं वार्षिक गृह-पत्रिका 'साहित्य संवाहक' का विमोचन किया गया। चार महिला रचनाकारों को विविध विषय में लेखन के लिये उनकी प्रथम कृति पर पांडुलिपि सम्मान साहित्य नव प्रभा प्रदान किया गया। सम्मनित रचनाकार हैं, डॉ अनिता निधि (जमशेदपुर) ओस की बूँदें, पुष्पा पांडेय (रांची) बिखरे मोती, पदमा प्रसाद विन्देश्वरी (जमशेदपुर) अंतर्नाद एवं नीता शेखर (रांची) मन दर्पण। पुष्पा पांडेय को इस वर्ष का सक्रियता एवं सृजनशीलता सम्मान प्रदान किया गया।

वार्षिक लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं सम्मान पत्र प्रदान किया गया। अंग वस्त्र एवं सम्मान पत्र देकर कुंज कार्यकारिणी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समस्त कुंज कार्यकारिणी द्वारा मंच की संस्थापिका मनीषा सहाय सुमन को अंग वस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में अभिभावक अभिविन्यास सत्र का किया गया आयोजन

प्रभावी शिक्षण कार्य तब शुरू होता है, जब माता-पिता और शिक्षक एकमत होते हैं : प्रधानाचार्य

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अभिभावक अभिविन्यास सत्र शिक्षकों को माता-पिता के साथ विश्वास और संबंध बनाने का अवसर प्रदान करता है। शैक्षिक सत्र में उनका स्वागत करने और विद्यालय के दृष्टिकोण, मूल्य,शिक्षण पद्धतियों के बारे में जानकारी साझा करने से माता-पिता अपने बच्चों की भलाई के लिए विद्यालय की प्रतिबद्धता में विश्वास हासिल करते हैं। इसी विचार के मद्देनजर जी डी गोयनका पब्लिक स्कूल में सोमवार को अभिभावक अभिविन्यास सत्र का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य ने कहा कि हमारा मानना है कि प्रभावी शिक्षण तब शुरू होती है, जब माता-पिता और शिक्षक एकमत होते हैं ओरिएंटेशन सत्र शिक्षकों की उपस्थिति, गृह कार्य, व्यवहार और समग्र शैक्षणिक प्रगति के संबंध में अपनी अपेक्षाओं को संप्रेषित करने की अनुमति देते हैं। स्पष्ट और खुला संचार माता-पिता को स्कूल के उद्देश्यों को समझने में मदद करता है। वे अपने बच्चों को तदनुसार समर्थन देने में सक्षम होते हैं।

प्रधानाचार्य ने अभिभावकों से कहा कि माता-पिता और शिक्षक का एक साथ काम करना महत्व रखता है। सिर्फ विद्यालय में बच्चों का आना ही पर्याप्त नहीं है उसका सर्वांगीण विकास आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक मदन सिंह, सह निदेशक, अमन सिंह उपस्थित थे। छात्र-छात्राओं ने स्वागत में नृत्य और गीत की प्रस्तुति की जिसे सभी ने बेहद पसंद किया। इस पूरे कार्यक्रम के संचालन में शिक्षिका गुंजन टेकरीवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्पीड न्यूज

लोवाडीह चौक पर जलने लगी बाइक मची अफरा तफरी

नामकुम। लोवाडीह चौक पर दोपहर एक बजे खड़ी बाइक एनएस200 पल्सर में अचानक आग की लपटें उठने लगी। कुछ मिनट के बाद लपटें तेज हो गयी और धूधूकर जलने लगी। आसपास खड़े लोग इधर उधर भागने लगे। बाइक चालक सरताज भी कुछ समझ नहीं पाया। कुछ लोग आग को बुझाने का प्रयास किये लेकिन तबतक बाइक आधा जल चुका थी।

ओमनी-ऑटो में भिड़ंत, आधा दर्जन लोग घायल

नामकुम। रांची-पुरूलिया मार्ग टाटीसिल्वे थाना क्षेत्र के सपाही पुल के समीप ओमनी कार जेएच01बीटी 2563 एवं ऑटो जेएच 01ईडी 6764 में जबरदस्त भिड़ंत हो गयी। ऑटो में सवार आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। वहीं ओम्नी पर सवार बरनावास लकड़ा एवं उनकी पत्नी बीबीनानी लकड़ा घायल हो गए। दोनों वाहन के टक्कर होने के बाद वहां चीख चित्कार मच गयी थी। घायल लोग अंदर ही फंस गए थे। वहां से गुजरनेवाले लोग सभी को बाहर निकाले और तुरंत पीसीआर पुलिस को सूचना दी। सूचना पाते ही पुलिस वहां पहुंची और सभी घायलों को अस्पताल भिजवाया।

रातू : सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

रातू। थाना क्षेत्र के गुडू केवला मोड़ में रविवार की संध्या लगभग छह बजे बुलेट मोटरसाइकिल जेएच 24 जी 8054 और मोटरसाइकिल जेएच 01 जेड 6718 के बीच सीधी टक्कर में बाइक सवार इटकी निवासी दिलीप महतो की मौत हो गई। जानकारी अनुसारए दोनों वाहन सवार एक दूसरे से विपरीत दिशा में जा रहे थे, तभी दोनों में टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद बाइक सवार दिलीप महतो को इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

बुढ़मू : ट्रैक्टर पलटने से मजदूर की मौत

बुढ़मू। बुढ़म-छापर मुख्य मार्ग पर ट्रैक्टर पलटने से ट्रैक्टर पर सवार मजदूर चाईबासा जिला के बंदगांव थाना क्षेत्र के लगोरा निवासी फ्रांसिस मुंडरी (21 वर्ष) की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार फ्रांसिस ट्रैक्टर में सवार होकर बुढ़मू से छापर जा रहा था इसी दौरान लुतीबेड़ा के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गई जिससे फ्रांसिस की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। फ्रांसिस लोदेमबेड़ा में अपने जीजाजी के यहां रहकर ट्रैक्टर में मजदूरी करता था।

ठाकुरगांव में भाजपा का विधानसभास्तरीय सम्मेलन

बुढ़मू। सोमवार को ठाकुरगांव में भाजपा का विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की शुरूआत अबकी बार चार सौ पार के नारे के साथ की गयी। अतिथियों ने बूथ स्तर से लेकर विधानसभा स्तर के कार्यकर्ता से मिलकर चुनाव की तैयारी पर विचार-विमर्श किया।

डोरंडा कॉलेज का छात्र सकरपदा गांव के खेत में बने घर में सोया था

मांडर : चाकू मार कर युवक की हत्या

जघन्य वारदात

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। थाना अन्तर्गत सकरपदा गांव में खेत वाले घर में सो रहे एक युवक को अपराधी ने चाकू से वार कर हत्या दिया। वहीं अन्य युवक घायल हो गया। घटना रविवार की रात लगभग 1.30 बजे की है। बताया जाता है गांव के ही 22 वर्षीय सलमान अंसारी घर से कुछ ही दूर में खेत में बना घर में सो रहा था, घर में दरवाजा नहीं था गेट पर एस्बेस्टस रखा हुआ था। तभी उसे कुछ आहट आया तो उसने अपने रिश्ते में चाचा समीउल्ला अंसारी को फोन करके बुलाया और दोनों मिल कर इधर-उधर तलाश करने लगे तभी झाड़ी से एक अपराधी निकला और चाकू से दोनों पर वार करने लगा। उसी वार में सलमान के सीने पर गहरा चोट लगा। वहीं इस हमले में एक अन्य युवक समीउल्ला को भी चोट आई है। इस हमले में घायल सलमान के चाचा समीउल्लाह अंसारी ने बताया की रात के लगभग 1. 00 बजे सलमान ने उसे फोन कर कहा कि वह बारी में बने मकान में सो रहा था तो उसे लगा कि कोई उसके रूम में घुसा है और उसकी आहट से उसकी नींद खुल गई है। आप जल्दी से आ जाइए। फोन पर या बात सुनते ही समीउल्लाह तुरंत उसके पास चला गया। समीउल्लाह और सलमान दोनों मिलकर घर के अगल-बगल देखने लगे साथ ही उन लोगों ने आवाज भी लगाई कि कोई है क्या। इसी दौरान झाड़ियां से निकलकर एक युवक सामने आया और दोनों पर चाकू से वार करने लगा। समीउल्लाह के सीने पर एक ही बार चोट लगी, जबकि सलमान के सीने पर दो.तीन बार चोट लगी। दोनों को जमीन पर गिरा देख अपराधी वहां से फरार हो गया। समीउल्लाह ने घटना की जानकारी तत्काल अपने घर वालों को दी। परिजन समीउल्लाह को लेकर रात में ही रिम्स चले गए, जहां सोमवार की सुबह इलाज के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। जबकि दूसरी ओर सलमान की मौत मौके पर ही हो चुकी थी। बताया जाता है कि शोरगुल सुनकर आसपास के लोग भी घरों से बाहर निकल गए थे। लोगों ने कुछ दूर तक हत्यारे का पीछा भी किया पर वह अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। सलमान डोरंडा कॉलेज रांची में इंटर की पढ़ाई कर रहा था। परिजनों द्वारा मामले को लेकर मांडर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मृत युवक की फाइल फोटो।

घयल युवक की फोटो।

एफएसएल की टीम बुलायी गई

हत्या की खबर सुनते ही सोमवार की सुबह डीएसपी रामनारायण चौधरी और मांडर थाना प्रभारी राहुल के नेतृत्व में पुलिस की टीम गांव पहुंची और घटना की जांच शुरू की। पुलिस के द्वारा डॉग स्क्वाड और एफएसएल की टीम भी बुलाई गई थी। दोनों ही तीनों ने काफी देर तक वहां जांच की।

पुलिस की पूरी टीम गहराई से जांच कर रही है। जिसने भी इस घटना को अंजाम दिया है शीघ्र ही वे सभी पुलिस की गिरफ्त में होंगे और मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

रामनारायण चौधरी, डीएसपी खेलारी।

हादसे को आमंत्रित कर रहा सड़क किनारे खड़ा सूखा पेड़

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड कार्यालय के बगल में पेयजलापूर्ति विभाग के सामने बेड़ो लोहरदगा सड़क किनारे लिप्ट्स का सूखा पेड़ कभी भी हादसे का कारण बन सकता है। इस सूखे पेड़ को विभाग व प्रशासन के जिम्मेदार द्वारा हटाने के लिए कोई पहल नहीं हो रही है। जबकि इसके बगल में पेयजलापूर्ति विभाग प्रखंड कार्यालय व इसके सामने में कई दुकानएऑटो स्टैंड है जहां दर्जनों लोगों का आवागमन साइकिल व बाइक से लगा रहता है। बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग इन्हें कटवाने को लेकर संवेदनशील नहीं दिख रही। लोगों की मानें तो मौसम के मिजाज के मुताबिक चलने वाली तेज हवा से ये पेड़ कभी भी धराशायी हो सकता हैं। आंधी चलने से इस सूखे पेड़ के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ये पेड़ कभी भी सड़क पर गिर सकते हैंए जिससे सड़क पर आने-जाने वाले राहगीरों को क्षति भी हो सकती है। वही इसको लेकर दुकानदारों व लोगों का कहना है कि विभाग के अधिकारियों को किसी बड़े हादसे का इंतजार है।इसके बाद ही सड़क किनारे से सूखे पेड़ को हटाने का कार्य शुरू हो सकेगा।

कालीचरण मुंडा ने दिउड़ी मंदिर में टेका मत्था

महागठबंधन प्रत्याशी ने की पूजा-अर्चना

खबर मन्त्र संवाददाता

तमाड़। खूंटी लोकसभा के महागठबंधन प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने सोमवार को प्राचीनकालीन दिउड़ी मंदिर पहुंचे। उन्होंने समर्थकों के साथ पूजा अर्चना किया। खूंटी से लोकसभा चुनाव में जीत को लेकर कामना की। पूजा-अर्चना के बाद रायडीह स्थित आवासीय कार्यालय में प्रबुद्ध जनों के साथ बैठक किया। कालीचरण मुंडा ने प्रबुद्ध जनों को कहा कि विधानसभा के सभी बूथों पर शत प्रतिशत मतदान के लिए आम नागरिक को जागरूक करें तथा अधिक से अधिक कांग्रेस के पक्ष में मतदान करवाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी के भारत जोड़ो यात्रा से आम जनता को एक आस जगी है। आम जनता कांग्रेस पार्टी के हाथो को मजबूत करना चाहती है। प्रबुद्ध जनों ने कालीचरण मुंडा को विश्वास दिलाया कि कांग्रेस के पक्ष में रिकॉर्ड मतदान होगा।

मौके पर ये लोग थे मौजूद

मौके पर अजय साहू, संजय सेठ, बुधराम मुंडा, खगेश महतो, राजेश महतो, विजय कुमार स्वांसी, संदीप लोहरा, प्रकाश मुंडा, निमाई मल्लिक, विनीत सिंह, दामोदर सिंह, सरवन मुंडा, बुधराम स्वांसी, उदय मुंडा, अशोक महतो, अमित सिन्हा लाला, रामकुमार महतो, अनिल महतो, गौतम गोंझू, दुरूखु महतो, रोशन कुमार, दीपक साहू, कृष्ण महतो, परेश महतो, मोहित मुंडा आदि उपस्थित थे।

मांडर : स्कूटी के धक्के से अस्पताल के सिस्टर की मौत

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। एनएच 39 मुख्य पथ पर स्थित कांस्टेंट लिवान्स हॉस्पिटल गेट के समीप एक स्कूटी के धक्के से कांस्टेंट लीवेंस मांडर में कार्यरत पचास वर्षीय सिस्टर सीजी मैथ्यू मंदापथिल की मौत हो गयी। घटना रविवार रात लगभग आठ बजे की है। वह केरल के चेवायुर कोझिकोड की रहने वाली थी और पिछले दो साल से कांस्टेंट लीवेंस अस्पताल में सीनियर नर्स के तौर पर कार्य कर राय थी। बताया जा रहा है कि सिस्टर सीजी मैथ्यू ईस्टर को लेकर अपने कुछ सहकर्मियों के साथ पैदल ही अस्पताल के समीप सड़क पर घूम रही थी। इसी दौरान रांची की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार स्कूटी सवार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया, जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गयी। घटना को लेकर अस्पताल के निदेशक फादर जॉर्ज, फादर सीजो सहित अन्य ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

सिस्टर की फाइल फोटो।

एक नजर में

इटकी में हाथियों ने ढाही मकान की दीवार

इटकी। इटकी प्रखंड के डोला गांव में रविवार की रात जंगली हाथियों ने भारी उत्पात मचाते हुए जग्गू गोप के मकान की दीवार को ध्वस्त कर दिया। और घर मे रखे धान, मडुवा को अपना आहार बनाया। इसके अलावा जंगली हाथियों ने खेतों में लगी फसलों को खा कर और पैरों से रौंद कर बर्बाद कर दिया। ज्ञात हो कि इटकी प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव स्थित जंगल में पिछले दस दिनों से पांच जंगली हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। जिससे ग्रामीण भयभीत है।

नवपल्लव मॉडर्न पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव

ठाकुरगांव। नवपल्लव मॉडर्न पब्लिक स्कूल बरौदी का 9वां वार्षिकोत्सव का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन समाजसेवी सीमा राम, आजसू के कांके प्रखंड अध्यक्ष लाल अमन शाहदेवएस्कूल के निदेशक कृष्णा साहु ने किया। मौके पर अतिथियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में उक्त विद्यालय शिक्षा का अलख जगा रहा है। साथ ही सीमा राय ने कहा कि स्कूल में शिक्षा के साथ छात्रों को कराटे, खेलकूद समेत अन्य आयोजनों से छात्रों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। मौके पर वर्ग नर्सरी से दशम तक के क्लास टॉपर छात्रों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। साथ ही क्षेत्र के कई गरीब व असहाय महिलाओं को स्कूल प्रबंधन द्वारा वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में बबलू ठाकुर, उपेंद्र साहू, पूजा साहु, सुनील ठाकुर, जहरुद्दीन अंसारी आदि की सराहनीय भूमिका रही।

केडीएच परियोजना ने कोयला उत्पादन का बनाया कीर्तिमान

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। विश्व बैंक के सहयोग से एनके एरिया के महत्वाकाक्षी परियोजना केडीएच परियोजना ने पिछले वित्तीय वर्ष से दोगुना से अधिक कोयले का उत्पादन कर एनके क्षेत्र में सबसे अधिक 8 लाख 62 हजार 840 टन का रिकॉर्ड कोयले का उत्पादन कर विगत पांच वर्षो मे केडीएच परियोजना नया कृतिमान स्थापित किया है। बताना चाहते है कि केडीएच परियोजना जमीन के अभाव में अभी तक उलझन में है। उसके बाउजूद भी परियोजना रिकॉर्ड स्तर पर कोयला का उत्पादन कर बीते वर्षो का रिकॉर्ड तोड़ फिया। श्रमवीरो की टीम वर्क से केडीएच परियोजना का एतिहासिक उपलब्धि के लिए एनके महाप्रबंधक सुजीत कुमार ने केडीएच परियोजना के पिट कार्यालय पहुँचकर श्रमवीरो का हौसला बढाया। केडीएच के श्रमवीरो को प्रशंसा करते हुए एनके महाप्रबंधक ने कहा कि टीम भावना के साथ सभी ने कार्य कर नया कृतिमान हाशिल कर उपलब्धियां हाशिल किया। वही केडीएच के परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह ने कहा कि केडीएच के श्रमवीरो ने एक बार फिर साबित करके दिखा दिया कि जिस कार्य के लिये जाने जाते है वो सुरक्षित उत्पादन करके दिखला दिया।

मौके पर थे मौजूद

मौके पर सीडिंग मैनेजर राजीव रंजन, सेफ्टी ऑफिसर पी बेहरा, कार्मिक अधिकारी नवनीत शेखर, प्रोजेक्ट इंजीनियर मुकेश कुमार, फील्ड इंचार्ज आलोक कुमार, अभिषेक कुमार, सुनील कुमार सिंह सहित अन्य बड़ी संख्या में श्रमवीर मौजूद थे।

यात्री ट्रेन से गिरकर पेसरा का युवक घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। बरकाकाना टू बरवाडीह सीआईसी सेक्शन के खलारी व मैक्लुस्कीगंज रेलवे स्टेशन के बीच यात्री ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे रिम्स रेफर किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन से गिरकर घायल यात्री पेसरा (गढ़वा) निवासी 21 वर्षीय आनंद कुमार पासवान शनिवार रात यात्री ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना पोल संख्या 158/22 व 158/20 के बीच डाउन लाइन में घटी। इस संबंध में रेल यातायात निरीक्षक उमेश कुमार ने बताया कि उन्हें सुबह साढ़े 6 बजे रेल लाइन के किनारे एक युवक के घायल पड़े होने की सूचना मिली। वे तत्काल वहां जाकर देखे। युवक गंभीर रूप से घायल था। कुछ बोलने की स्थिति में नहीं था, सिर्फ हाथ हिला रहा था। उन्होंने बताया कि उसके जेब से एक आधार कार्ड व गढ़वा से रांची का रेलवे टिकट मिला। आधार कार्ड के अनुसार आनंद कुमार पासवान, पिता रामनाथ पासवान निवासी गांव पेसरा, थाना मेराल, जिला गढ़वा निवासी है। संभावना जताया जा रहा है कि वह डाउन इंटरसिटी एक्सप्रेस से गिरकर घायल हुआ है और रात भर उसी हालत में पड़ा रहा। इसकी सूचना मैक्लुस्कीगंज थाना पुलिस को दे दिया गया।

रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी ने ग्रामीणों की मदद से डकरा स्थित सीसीएल सेंट्रल अस्पताल पहुंचाया। गंभीर हालात देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया है।

थाना प्रभारी से मिले विहिप कार्यकर्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। विहिप सह बजरंगदल के द्वारा पिपरवार थाना प्रभारी से औपचारिक मुलाकात किया गया। बजरंगदल जिला संयोजक बिनोद विश्वकर्मा ने थाना प्रभारी प्रशांत दुबे को भगवा अंग वस्त्र पहनाकर समानित कर मयार्दा पुरुषोत्तम श्री राम दरबार का चित्र भेंट किया। तत्पश्चात सभी संगठन के कार्यकताओं एवम अधिकारियो से परिचय हुआ। वही आगामी कार्यक्रम रामनवमी शोभा यात्रा के सबंध में चर्चा किया गया। थाना प्रभारी ने सहयोग और शांति बनाए रखने बात कही। मौके पर उपस्थित थे। पिपरवार बचरा मण्डल विश्व हिंदू परिषद उपाध्यक्ष मुकेश राणा, समाजसेवी अर्जुन महतो, खलारी प्रखण्ड संयोजक अमित लोहरा, दीपक प्रसादए दीपक तूरी विक्की कुमार, दीपक कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

महिलाओं को मिला मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण

अनगड़ा। रुड़ सेंटी संस्थान सिल्ली एवं सीजेन्टा प्रलि कंपनी के तत्वावधान में पंचायत सचिवालय सिरका में दस दिवसीय मशरूम उत्पादन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। समापन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रमुख दीपा उराव मुखिया रोशन लाल मुण्डा पंसस सावित्री देवी रूड़ सेटी के डारेक्टर संजीत कुमार जगदीश महतो गंगेश्वर महतो कृषक मित्र सिरका साहेबराम महतो अजीत महतो रमेश जी सीजेन्टा के प्रेम उरांव सहित प्रशिक्षणार्थी सुशीला देवी शाक्ति देवी किरण देवी सुनीता देवी उपस्थित थी। 30 महिलाओं को मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा गया।

ओरमांझी में रामनवमी धूमधाम से मनाने का निर्णय

ओरमांझी में रामनवमी झंडा मिलन को लेकर महावीर मंडलों ने किया विचार-विमर्श

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। पूजा समिति ओरमांझी द्वारा सोमवार को दुर्गा मंदिर ओरमांझी में प्रखंड के सभी महावीर मंडलों की एक प्रेमनाथ मुंडा की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस बैठक में उपस्थित विभिन्न महावीर मंडल के पदाधिकरी व प्रतिनिधियों ने रामनवमी धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया। वहीं अयोध्या में श्रीराम लला के विराजने की खुशी में इस बार और अधिक भक्ति व उत्साह से आयोजन करने का भी निर्णय हुआ। प्रखंड के सभी महावीर मंडल द्वारा ओरमांझी बाजार मैदान में लगने वाले झंडा मिलन व रामनवमी मेला में श्रीराम के चरित्र चित्रण करते झांकी लाने की बात कही गई। बैठक में उपस्थित थाना प्रभारी आलोक कुमार सिंह ने सभी महावीर मंडलों से जुलूस जाने का रूट जांच मांगा और झांकी व जुलूस से सड़क पर अवागमन में कोई व्यवधान न हो उसपर ध्यान देने को कहा। पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, डॉ बिरसा उरांव, डॉ पारसनाथ महतो, प्रेमनाथ मुंडा, समुंदर पाहन, शैलेंद्र मिश्रा, अशोक गुप्ता, आनंद महतो, शारदा प्रसाद, अनिल महतो, बिनोद सिंह, उमाशंकर साहू, शिवनारायण साहू, रामचंद्र साहू, शिवनाथ मुंडा, सोनराम मुंडा सहित कई लोगा ने संबोधन किया।

ओरमांझी में हुई बैठक में बोलते समिति के अध्यक्ष व अतिथि।

बैठक में थे मौजूद

बैठक में पूजा समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण तिवारी, सचिव श्यामकिशोर महतो, कोषाध्यक्ष दुगाशंकर साहू, अजय सिंह, नरेश महतो, भीम मुंडा, सत्यमराज कुशवाहा, योगेंद्र मुंडा, मातीलाल महतो, दुर्गाचरण साहू, राजेश गुप्ता, भरतभूषण सिंह, शंभुनारायण तिवारी, राजाराम महतो, अयोध्या प्रसाद, सुखराम उरांव, लक्ष्मण उंराव, अमित सिंह, मोहन महतो, राजेंद्र तिवारी, बोधनाथ महतो, दिपेष बेदिया, दुबराज महतो, सेवालाल महतो सहित विभिन्न महावीर मंडल के पदाधिकरियों के साथ क्षेत्र के प्रवुद्धजन आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस से रामटहल चौधरी को टिकट मिलने पर दिलचस्प होगी चुनावी टक्कर

लोकसभा चुनाव

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। रांची लोक सभा से कांग्रेस पार्टी के द्वारा अब तक टिकट की घोषणा नहीं किए जाने से ग्रामीण क्षेत्र के मतदाता संशय की स्थिति में है। रांची लोक सभा से पांच बार के सांसद रहे रामटहल चौधरी के गुरुवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल होने तथा दिल्ली से शनिवार को रांची वापस लौटने के बाद जगह-जगह पर जिस तरह से उनका स्वागत किया गया उससे प्रतीत होता है कि रांची के मतदाताओं में आज भी वे लोकप्रिय हैं। सूत्रों की माने तो श्री चौधरी कांग्रेस पार्टी में रांची लोक सभा से चुनाव लड़ने के लिए हीं शामिल हुए हैं। गत लोक सभा चुनाव में भाजपा उन्हें टिकट न देकर संजय सेठ को टिकट देने से श्री चौधरी पार्टी से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा देने के बाद निर्दलीय चुनाव लड़े थे। श्री चौधरी कुर्मी जाति से आते हैं, जिसकी मतदाताओं की संख्यां करीब साढ़े पांच लाख है। तथा कुर्मी मतदाताओं में इनके अच्छी पैठ है। यदि कांग्रेस से इन्हें टिकट मिलता है तो कुर्मी विकास मोर्चा इनका समर्थन करने की घोषणा कर दी है। श्री चौधरी एक साफ सुथरी छवि के व्यक्ति माने जाते हैं। लगभग वर्ष 1970 से राजनीति करने के बावजूद सूत्रों के माने तो इनके खिलाफ आज तक कोई क्रप्सन का केश नहीं हुआ है।

सभी समुदायों के बीच हैं लोकप्रिय

श्री चौधरी आज भी प्रत्येक समुदाय के बीच लोकप्रिय हैं। भाजपा से टिकट प्राप्त संजय सेठ ने भी अपने पांच वर्षो के कार्यकाल में क्षेत्र में कई योजनाओं को कार्यान्वित किए हैं तथा लगातार योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेते रहे हैं। मूल रूप से इनके परिवार झारखंड के बाहर के रहने वाले हैं, लेकिन बताया जाता है कि इनका जन्म से लेकर पालन पोषण पढ़ाई लिखाई रांची में ही हुआ है। कांग्रेस पार्टी से यदि रामटहल चौधरी को टिकट मिलता है तो रांची लोक सभा सीट में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर हो सकती है।

कोयला का अंत?

किसी तय तारीख का जिक्र तो नहीं किया जा सकता है लेकिन एक दिन ऐसा आएगा जब देश में न केवल कोयला खनन बल्कि कच्चे तेल का अधिकांश उत्पादन और प्रसंस्करण भी बंद हो जायेंगे। इसके अलावा नवीकरणीय ऊर्जा तथा उसकी भंडारण क्षमताओं में भी जमकर इजाफा होगा। ये बड़े उद्योग हैं और इनका असर भी समूची अर्थव्यवस्था में महसूस किया जाएगा। दुनिया में अनेक ऐसे लोग और संस्थान हैं जो इस बदलाव से प्रभावित होने जा रहे हैं। ऐसे तकनीकी बदलाव नए नहीं हैं। समय के आरंभ से ही ऐसा होता आ रहा है। हर दशक में हमने उत्पादन में बड़े ढांचागत बदलाव देखे और हर अवसर पर कुछ लोग लाभान्वित हुए तो कुछ को नुकसान हुआ। जब स्वेज नहर बन रही थी और बंदरगाहों का यातायात कलकत्ता से बंबई स्थानांतरित हो गया था। मशीनीकरण, स्वचालन तथा उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव आदि ने बार-बार ऐसे हजारों उद्योगों को बनाया और बिगाड़ा है जिनसे लाखों लोग जुड़े हुए थे। युद्ध के दौरान होने वाले उत्पादन ने 100 गुना तक वृद्धि हासिल की और फिर वे विलुप्त हो गए। एक सफल देश के लिए जरूरी बात यह है कि वह बदलाव की राह रोकने और उसे लेकर शिकायत करने के बजाय बड़े रुझानों के बारे में पहले से अनुमान लगाए और समुचित प्रतिक्रिया दे। आशावादी नवीकरणीय ऊर्जा पर दांव लगा रहे हैं और ऐसे भी लोग होंगे जो कोल इंडिया के शेयर खरीद रहे हैं। भारत के कार्बनीकरण से मुक्ति की धीमी या तेज गति के अनुसार ही इनका मुनाफा या हानि पैदा होगी। तकनीकी बदलावों के दौरान ऐसा होता ही है। याद करें जब देश में दो करोड़ टेलिफोन बूथ थे जो मोबाइल की उपलब्धता के बाद समाप्त हो गये। इसी प्रकार आने वाले समय में बदलाव होगें ये तेज होंगे या धीरे यह अभी अधर में है।

अन्न की बर्बादी

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम यानी यूएनईपी की वह रिपोर्ट एक काले सच को उजागर करती है कि पूरी दुनिया में 19 फीसदी भोजन बर्बाद कर दिया जाता है। एक भयावह सच्चाई यह भी है कि दुनिया में करीब 78.3 करोड़ लोग लंबे समय से भूख से जूझ रहे हैं। युद्धरत गाजा में इस भूख के संकट की भयावह स्थिति जब-तब उजागर होती रहती है। संयुक्त राष्ट्र की यह हालिया रिपोर्ट एक कठोर हकीकत से रूबरू भी कराती है कि पर्याप्त संसाधनों के बावजूद खाद्यान्न का न्यायसंगत वितरण नहीं हो पा रहा है। दूसरे शब्दों में यह एक नैतिक संकट भी है। दरअसल, भोजन की बबार्दी एक तरह से हमारे पर्यावरण को भी अस्थिर करती है। निश्चित रूप से यह संकट भारत में भी विद्यमान है। खाद्य सुरक्षा के नजरिये से भोजन की बबार्दी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के अनुसार भारत में कुल भोजन का एक-तिहाई हिस्सा उपभोग से पहले खराब हो जाता है। एक अनुमान के अनुसार भोजन की यह बबार्दी एक साल में प्रतिव्यक्ति पचास किलो होने की आशंका है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट भारत में कुपोषण से जुड़े संकट को भी उजागर करती है। जिसमें बताया गया है कि देश की 74 फीसदी आबादी स्वस्थ आहार का खर्च वहन नहीं कर सकती। ऐसे में भोजन का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होना नैतिक अपराध ही है। दरअसल, कचरे के ढेरों में खराब खाद्यान्नों के अंश विघटित होने से ग्लोबल वार्मिंग के वाहक मीथेन गैस का उत्सर्जन करते हैं। वैश्विक संगठनों का आग्रह है कि दुनिया में खाद्य प्रणालियों में पूर्ण बदलाव लाएं। साथ ही समान वितरण को प्राथमिकता देने को प्रेरित किया जाना चाहिए। ऐसे में जब देश में लाखों लोग रोटी के लिये संघर्ष कर रहे हों, भोजन की बबार्दी नैतिक दृष्टि से अपराध ही है।

बांग्लादेशी हिंदुओं पर अत्याचार के पीछे कौन?

-आर के सिन्हा

कोई चाहे तो बांग्लादेश के विपक्ष से एहसान फरामोशी सीख सकता है। जिस भारत ने बांग्लादेश को, या यूँ कहें कि 1970 तक पूर्वी पाकिस्तान की प्रताड़ित और पीड़ित आम जनता के हितों की रक्षा के लिए पाकिस्तान से युद्ध मोल लिया, उस बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) लगातार भारत के खिलाफ जहर उगलती रहती है। उसके जहरीले अभियान से पड़ोसी मुल्क के कठमुल्लों को भी भारत और अपने ही बांग्लादेश के हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा करने का मौका मिल जाता है।

बांग्लादेश में बीएनपी ने हाल ही में भारतीय उत्पादों के बॉयकाट का आह्वान किया हुआ है। इसके चलते वहां प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद की सरकार और विपक्ष आमने-सामने है। मुस्लिम बहुल बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना कोई नई बात नहीं है। पिछले साल क्रिकेट विश्वकप में भारत की हार के बाद ढाका और वहां के कई शहरों में जश्न मना था। मैं तो स्वयं 1970 के भारत-पाक युद्ध में युद्ध संवाददाता की हैसियत से बांग्लादेश में भारतीय सेना के साथ रहा था। युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने लाखों बांग्लाभाषी मुसलमान भाइयों को कत्लेआम से बचाया, हजारों बंगाली बेटियों और बहनों को पाकिस्तानी सेना द्वारा किए जा रहे बलात्कार से रक्षा की। इन सभी अत्याचारों का मैं प्रत्यक्षदर्शी गवाह हूँ।

बांग्लादेश की आजादी के बाद जब बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान ने सभी युद्ध संवाददाताओं के साथ-साथ वरिष्ठ संपादकों को एक विशेष ट्रेन भेजकर बुलाया, तभी जगह-जगह इंडियाज जिनीस-पत्तर भालो नेई के वाल पेंटिंग देखने को मिले। जब मैंने शेख मुजीब के पीआरओ से पूछा कि भारत ने तो युद्ध के बाद लाखों बांग्लादेशियों को भुखमरी से बचाया, हजारों मकान बनवाये, फिर यह क्या चल रहा है? तब पीआरओ ने कहा, आप चिंता मत कीजिए। कुछ हिंदू विरोधी कट्टरपंथी हैं, उन्हें ठीक करने में सरकार लगी हुई है। लेकिन , वे तो आज भी बने हुए हैं, बल्कि कई गुना बढ़ गये हैं।

बांग्लादेश में भारत के कथित हस्तक्षेप को लेकर विरोध और असहमति 1990 के दशक से देखी जा रही है। लेकिन, हाल के वर्षों में विरोध के ये सुर कहीं ज्यादा मुखर हुए हैं। आपको याद ही होगा कि बीएनपी और उसकी सहयोगी पार्टियों ने देश में बीती जनवरी में हुए आम चुनाव का बहिष्कार किया था। इस चुनाव में जीत के बाद शेख हसीना चौथी बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनी थीं। आप कह सकते हैं कि आम चुनाव के बाद से बीएनपी के अधिकांश नेता ये माहौल बनाने में जुटे हुए हैं कि बांग्लादेश के एकतरफा चुनाव को सिर्फ. भारत की वजह से वैधता मिली है और इसलिए लोगों को भारत और उसके उत्पादों का बहिष्कार करना चाहिए।

बांग्लादेश से आ रही खबरों से संकेत मिल रहे हैं कि बीएनपी की विदेश मामलों की कमेटी (एफआरसी) चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध प्रगाढ़ करना चाह रही है। संकेत बहुत साफ है कि बीएनपी भारत से नफरत करती है। हालांकि उसकी नफरत की वजह समझ से परे है। भारत का 1947 में बंटवारा हुआ। पंजाब और बंगाल सूबों के कुछ हिस्से पाकिस्तान में चले गए। आगे चलकर पाकिस्तान का वह भाग, जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहते थे, 1971 में एक स्वतंत्र देश के रूप में विश्व मानचित्र पर उभरा। नए देश का नाम बांग्लादेश के रूप में जाना गया। उसकी स्थापना में भारत का योगदान रहा।

हिंदुओं और प्राचीन हिन्दू मंदिरों पर हमले लगातार होते रहते हैं। कुछ साल पहले बांग्लादेश में अमेरिकी ब्लॉगर अविजित रॉय की निर्मम हत्या और उनकी पत्नी के ऊपर हुए जानलेवा हमले से वहां पर कठमुल्लों की बढ़ती ताकत का पता चलता है। वहां धर्मनिरपेक्ष ताकतों के लिए 0जीवन के सभी क्षेत्रों में स्पेस घट रहा है। अविजित रॉय बांग्लादेश मूल के अमेरिकी थे। वे हिन्दू थे। वे और उनकी पत्नी बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे थे अपने ब्लॉग के जरिए। अविजित की हत्या से बांग्लादेश में हिन्दुओं की भयावह होती स्थिति पर पूरी दुनिया का ध्यान गया था।

बांग्लादेश में कठमुल्ले हिन्दुओं की जान के पीछे पड़े रहते हैं। उन्हें तो बस मौके की तलाश होती है। यह अफसोसजनक बात है कि बांग्लादेश में हिन्दू कतई सुरक्षित नहीं हैं। जबकि बांग्लादेश में सदियों से बसे हिन्दुओं ने बंगबंधु शेख मुजीबुर उर रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। जिस बांग्लादेश में 'हिफाजत-ए-इस्लाम' जैसा जहरीला संगठन सक्रिय होगा उसका भगवान ही मालिक है। यह अपने देश के सड़क छाप लोगों को यह समझाने में सफल रहा कि इस्लाम खतरे में है। कैसे खतरे में है? कोई यह भी तो बता दे। बांग्लादेश में 90 फीसदी से अधिक मुसलमान हैं।

तस्लीमा नसरीन ने भी अपने उपन्यास लज्जा में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की दर्दनाक स्थिति पर विस्तार से लिखा है। इसलिए उनकी जान के दुश्मन हो गए यह कठमुल्ले। उसी विरोध के कारण तसलीमा को बांग्लादेश छोड़ना पड़ा था। तसलीमा नसरीन का उपन्यास ह्यलज्जाह्ल 1993 में पहली बार प्रकाशित हुआ था। वह लज्जा में साम्प्रदायिक उन्माद के नृशंस रूप को सामने लाती है।

लज्जा के आने के बाद कट्टरपंथियों ने उनके खिलाफ फतवा जारी किया था। जिस कारण से वह अमेरिका चली गईं थीं। अपनी जान बचाने की गरज से तस्लीमा स्वीडन, जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में भी रहीं। वह 2004 में कोलकाता आ गई थीं। उन पर 2007 में हैदराबाद में भारत के कठमुल्लों ने हमला किया। उनसे मेरी भी मुलाकात हुई है। वह मेरे सांसद आवास में पधारी थीं। तब मुझे पता चला था कि बांग्लादेश में किन कठोर स्थितियों में हिन्दू रहने को अभिशप्त हैं।

भारत का विरोध करने वालों से कोई पूछे कि क्या जब भारत ने पाकिस्तान की जालिम फौज से पूर्वी पाकिस्तान को बचाया था तब उसका कोई निजी हित-स्वार्थ था। भारत ने तब मानवता के आधार पर पूर्वी पाकिस्तान की जनता की मदद की थी। लाखों बांग्लादेशियों को अपने यहां शरण भी थी।

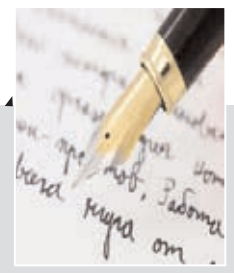

> बांग्लादेश में कठमुल्ले हिन्दुओं की जान के पीछे पड़े रहते हैं। उन्हें तो बस मौके की तलाश होती है। यह अफसोसजनक बात है कि बांग्लादेश में हिन्दू कतई सुरक्षित नहीं हैं। जबकि बांग्लादेश में सदियों से बसे हिन्दुओं ने बंगबंधु शेख मुजीबुर उर रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। जिस बांग्लादेश में 'हिफाजत-ए-इस्लाम' जैसा जहरीला संगठन सक्रिय होगा उसका भगवान ही मालिक है।

खास बात

शब्दों के इस्तमाल में संयम आवश्यक

नीरज कुमार दुबे

इस बात में कुछ गलत नहीं है कि कोई राजनीतिज्ञ किसी अन्य राजनीतिज्ञ की नीति और विचारधारा से सहमत नहीं हो और उस आधार पर उसे नापसंद करे और उसका विरोध करे लेकिन देश के प्रधानमंत्री पद पर जो व्यक्ति बैठा है उसके खिलाफ अमर्यादित बातें कहना सर्वथा अनुचित है।

विपक्षी गठबंधन की ओर से कई नेता प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने को आतुर तो दिख रहे हैं लेकिन इस पद की गरिमा और सम्मान का उन्हें जरा भी ख्याल नहीं है। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द बोलने का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है जोकि दिन पर दिन लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री को अपशब्द बोलने के अभियान का नेतृत्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के लिए देश को जातिवाद की आग में झोंक देने को आतुर दिख रहे राहुल गांधी की नजर में पीएम का मतलब है पनौती मोदी। राजस्थान की एक चुनावी सभा में राहुल गांधी ने जब पीएम शब्द की अपने शब्दों में व्याख्या की तो सभी चौंक गये क्योंकि उनके परिवार से तीन लोग प्रधानमंत्री रह चुके हैं और उनकी माँ सोनिया गांधी भी प्रधानमंत्री बन गयी होतीं यदि उनके विदेशी मूल का मुद्दा ऐन वक्त पर आड़े नहीं आया होता। हम आपको यह भी बता दें कि यह वही राहुल गांधी हैं जिन्होंने डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्वकाल के दौरान उनका विधेयक सरेआम फाड़ कर प्रधानमंत्री पद के प्रति अपने असम्मान का खुलेआम प्रकटीकरण किया था।

राहुल गांधी मोदी को पनौती कह रहे हैं तो उनकी पार्टी के रिमोट कंट्रोल से संचालित माने जाने वाले अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे प्रधानमंत्री के पिता को सार्वजनिक रूप से अपशब्द कह रहे हैं। प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी की दौड़ में कहीं राहुल और खरगे आगे ना निकल जायें इसके लिए विपक्षी गठबंधन इंडी के घटक दल भी सक्रिय हो गये हैं। पीएम मोदी के खिलाफ अमर्यादित बातें कहने के अभियान का असर आपको वहां पर साफ दिख जायेगा।

मुनियों का भ्रम टूटा

विचार-प्रवाह

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

श्री राम ने कहा- आपलोग निश्चिंत होकर मुझें बताये। ऋषि-मुनियों ने कहा- प्रभु ये हमारे ही भाई-बंधुओं की हड्डियां हैं। इस दंडकवन में रावण की सेना रहती है। उसकी चौदह हजार सेना घूमती रहती है। उसको रावण आदेश दे रखा है, कहीं जप,तप,योग, यज्ञ करता काई पकड़ा गया तो उसको मारकर खा जाओं। उसका रूधिर पी जाओ और हड्डियों को ढेर एक जगह इकट्ठा करो। इसलिए कि दूर से ही देखकर लोग भय में आ जाए और जप, तप योग इत्यादि न कर सके। रावण नहीं चाहता है कि कोई जप,तप एवं योग इत्यादि करे। इस तरह ऋषि-मुनियों के बीच श्रीराम का समय बीत रहा था। रोज संध्या समय आश्रमों में सत्संग ज्ञान की चर्चा होती थी। ऋषि-मुनि राम को यह जरूर समझते थे कि ये बड़ें हैं, अवतारी हैं लेकिन उनको अपने ज्ञान और साधन का अभिमान था। वे यह नहीं सोचते थे कि इनके पास हमलोगों से अधिक ज्ञान है। लेकिन जब श्रीराम जी व्याख्या करने लगते थे संसार की, मन, बुद्धि और चित की। अपरा जगत की तो वे आश्चर्यचकित रह जाते थे। उन्हें लगता था किये ज्ञान इनको कैसे हुआ। कैसे? ये तो न हमलोगों के बरावर साधन किए हैं और न ही अध्ययन किये हैं? तब उन्होंने कहा प्रभु आज बात समझ में आई कि ज्ञान भक्ति के द्धारा ही होता है। हमलोगों ने जप योग बहुत कुछ किया और इस अभिमान में थे कि ज्ञान हमलोगों के पास अधिक है लेकिन आज पता चला कि ये ज्ञान आपके पास ज्यादा है। कारण है कि आपने भक्ति की है। इस तरह से आगे बढ़ते हुए।

(ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम)

कार्टून वर्ल्ड

लेटर टू एडिटर

जानलेवा रोग

हृदय रोग विश्व स्तर पर गंभीर चिंता का विषय बन गया हैं। कुछ वर्षो से यह समस्याएं युवाओं में अधिक देखने को मिल रही हैं। एनसीआरपी के अनुसार विश्व में हृदय रोग से होने वाली 70 प्रतिशत मौतों का मुख्य कारण खराब जीवनशैली, स्ट्रेस, ओवर एक्सरसाइज, गलत जानकारी और लापरवाही आदि हैं।

-मुस्कान सैनी, हजारीबाग

कैसे राजनेता

राजनेता पांच साल अपने क्षेत्रों की सुध नहीं लेते। चुनाव आते ही जनसेवक बनने का ढोंग रचने लगते हैं। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादों से नैया पार लगती नहीं दिखती तो अन्य तरीकों से वोटों की खरीद-फरोख्त कर अपना स्वार्थ साधने लग जाते हैं। ऐसे में मतदाताओं के ईमान की कड़ी परीक्षा होती है। अगर मतदाता स्वाभिमानी रहे तब लोकतंत्र बचे। **- रविशंकर, रांची**

'**गिर** जाना, हार जाना, युध के मैदान में , हाँ माना ध्वज फैहरना , बल पर अपने , फिर खड़े हो जाना, ये जाना घुड़सवार वे, जो गिर कर, फिर सवार हो जाते हैं, फिर गया पानी उनपर, जो मारते थे उनपर अश्लील ताना

- अमिताभ बच्चन, अभिनेता

आपके ट्वीट

ओडिशा में रहने वाले सभी लोगों तथा झारखंड समेत देश के बाकी हिस्सों में रहने वाले ओड़िया- भाषियों को, भगवान जगन्नाथ की पावन भूमि ओडिशा राज्य के स्थापना दिवस 'उत्कल दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं।

- चंपाई सोरेन, सीएम

सशक्त, पराक्रमी, आत्मनिर्भर भारत की उड़ान देश को आश्वस्ति देता, देश का यशस्वी प्रधान!!

-अन्नपूर्णा देवी केन्द्रीय मंत्री

भारत का संविधान और राजधर्म

हृदयनारायण दीक्षित

संविधान भारत का राजधर्म है। संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 के दिन संविधान पारित किया था। भारत के लिए यह तिथि चिर स्मरणीय है। संविधान जन गण मन का भाग्य विधाता है। संविधान में विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका प्रतिष्ठित संस्थाएं हैं। संविधान में विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विधि के समक्ष समता सहित सभी मौलिक अधिकार हैं। संविधान में भारतीय संस्कृति को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। संविधान की हस्तलिखित प्रति में राम, कृष्ण, हड़प्पा काल की मोहरों व वैदिक काल के गुरुकुल आश्रम के चित्र हैं। श्रीराम का लंका विजय व श्रीकृष्ण अर्जुन के सुन्दर चित्र भी हैं। बुद्ध, महावीर, सम्राट अशोक, गुप्तकाल, शिवा जी, गुरु गोविन्द सिंह आदि सभी के चित्र आकर्षित करते हैं। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपने आखिरी भाषण में कहा कि, 'संविधान उपबंध करे या न करे, राष्ट्र कल्याण उन व्यक्तियों पर निर्भर करेगा जो देश पर शासन करेंगे।' डॉ. आम्बेडकर ने अंतिम भाषण दिया और कहा कि, 'एक समय था जब भारत गणराज्यों से सुसज्जित था। भारत संसदीय प्रक्रिया से भी अपरिचित नहीं था।' संविधान सभा में राष्ट्रजीवन की सभी समस्याओं पर चर्चा हुई थी। जम्मू कश्मीर विषयक अनुच्छेद 370 संविधान का अस्थाई उपबंध बना। जम्मू कश्मीर विशेष उपबंध की व्यवस्था ठीक नहीं थी। इस व्यवस्था का खात्मा नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 2019 में किया।

विकास

भारतीय संविधान की रचना में देश के चोटी के विद्वानों ने हिस्सा लिया था। सभी विषयों पर जमकर चर्चा हुई थी। अल्पसंख्यक अधिकार समिति के सभापति सरदार पटेल ने अपनी सिफारिशें सभा में रखी थीं। यह हिस्सा ऐतिहासिक महत्व का है। यों तो संविधान सभा की पूरी बहस रोमांचकारी है। लेकिन बहस का एक मजेदार किस्सा संविधान में 'ईश्वर' को शामिल करने का है।

राष्ट्रपति की शपथ के प्रारूप मसौदे में 'ईश्वर' का उल्लेख नहीं था। एचवी कामत ने ईश्वर को जोड़ने का संशोधन प्रस्ताव रखा, 'मेरे मन में भावना उठी कि इसमें कुछ कमी है। ईश्वर को विधान में स्थान मिलना चाहिए। मेरी धारणा थी कि प्रस्तावना का ही आरम्भ ईश्वर की स्तुति से होना चाहिए था। कदाचित यह ईश्वर की इच्छा थी कि विधान उसके नाम से वंचित होना चाहिए।' कामत ने कहा, 'हम भगवान को जितना दूर हटाते हैं, उतना ही वह हमारा पीछा करता है।' महावीर त्यागी ने ईश्वर के नाम पर या निश्चयपूर्वक सत्यनिष्ठा से शपथ लेने का संशोधन रखा। उन्होंने कहा 'इसका अर्थ यह होगा कि जो भगवान में विश्वास करते हैं वे उसके नाम में शपथ लेंगे और जो इस मत के हैं कि ईश्वर के विषय में न कुछ जाना जा सका है और न जाना जा सकता है उन नास्तिकों को केवल गम्भीरतापूर्वक निश्चयोक्ति करने की स्वतंत्रता होगी।'

यह बहस भारत के इतिहास का अंग है। त्यागी ने कहा, 'ब्रिटिश संसद भी प्रार्थना से शुरू होती है। उनकी व्यवस्था साम्प्रदायिक राज्य नहीं है।' काजी करीमुद्दीन ने कहा, 'मैं बहुत प्रसन्न हूं कि उन्होंने ईश्वर के पक्ष में तर्क उपस्थित किये हैं कि ईश्वर को हमारे विधान से नहीं मिटाना चाहिए। मेरा निवेदन है कि यदि उनका संशोधन स्वीकार कर लिया जाये तो हम उन लोगों को अलग कर रहे होंगे जिन्हें ईश्वर में विश्वास नहीं है।

इस देश में और अन्यत्र ऐसे बहुत से लोग है जिन्हें ईश्वर में विश्वास नहीं होता।' प्रो. केटी शाह ने कहा, 'ईश्वर का नाम रखने की प्रबल इच्छा के बावजूद मैं समझता हूं, हम अन्य लोगों की मूर्खताओं को दोहरा सकते हैं। मुझे भय है कि ईश्वर के नाम की केवल उपस्थिति मनुष्य की निर्बलता के विरुद्ध प्रतिभूति नहीं होगी।'

टीकाकरण अभियान में अवरोध से बढ़ता संक्रामक बीमारियों का खतरा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लैसेंट ग्लोबल हेल्थ में हालिया प्रकाशित रिपोर्ट इस मायने में चिंतनीय और महत्वपूर्ण है कि विश्वव्यापी टीकाकरण अभियान में अवरोध का असर सामने आने लगा है। दुनिया के देशों के सामने खसरा, हेजा, हेपेटाइटिस सहित 14 से अधिक बीमारियों के फैलने का संकट उभरने लगा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देशों में हैजा के कारण मौत का आंकड़ा लगभग दो गुणा हो गया है। तपेदिक नए वेरिएंट में आने लगी है जिसमें लगातार खांसी नहीं होने के कारण तपेदिक का पता लगने तक काफी देरी होने लगी है। दरअसल कोरोना अपना साइड इफेक्ट इस हद तक छोड़ गया है कि उसका असर हमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से आने वाले कई सालों तक देखने का मिलेगा। कोरोना के कारण दुनिया के देशों में टीकाकरण अभियान पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। 2019 के अंतिम त्रैमास से 2020 तक कोरोना त्रासदी और उसके बाद कोरोना के नित नए वेरिएंट के कारण स्वास्थ्य को लेकर चल रहे विभिन्न अभियानों पर सीधा असर पड़ा है। उसका असर अब दिखाई देने लगा है।

इंपीरियल कॉलेज लंदन के शोधार्थियों ने भारत सहित 112 देशों में किए गए अध्ययन में यह पाया है कि टीकाकरण में कोरोना काल में टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के कारण 2030 तक दुनिया के देशों में खसरा सहित 14 बीमारियों के फैलने के कारण अतिरिक्त मौत होगी। एक अनुमान के कारण अकेले खसरा के कारण ही 40 हजार से अधिक जान जाने का अनुमान है। हैजा के कारण होने वाली मौतों के आंकड़े सामने आये हैं। करीब करीब दोगुनी गति से हैजा के मामले सामने आने लगे हैं। 2023 में सात लाख के करीब मामले सामने आये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसीलिए चिंता जताई है।

फिल्म

दरअसल टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के लिए किसी को दोष भी नहीं दिया जा सकता। कोरोना 2019 के हालात ही ऐसे थे कि उस समय केवल और केवल कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने और लोगों की जान बचाना एकमात्र प्राथमिकता रह गई थी। सबकुछ ठहर जाने और दुनिया के किसी भी कोने पर नजर डालो, चारों ओर मौत का तांडव दिखाई देता था। सारी दुनिया का ध्यान इस त्रासदी से एक -एक जान बचाना बड़ी प्राथमिकता थी। इस दौरान टीकाकरण अभियान तो जोर-शोर से चला पर वह अन्य बीमारियों के स्थान पर कोरोना से बचाव के वैक्सीनेशन और उसकी पहली और दूसरी डोज पर ही केन्द्रित रहा। दुनिया के देशों तक कोरोना वैक्सीन पहुंचाना पहली प्राथमिकता रही। कोरोना वैक्सीनेशन के लिए भारत ने सारी दुनिया का नेतृत्व किया। परिणाम सामने हैं। आज कोरोना का आतंक लगभग समाप्त हो चुका है। पर करोना के साइड इफेक्ट आज भी सामने हैं। हालांकि कोरोना में मौत को नजदीक से देखने और कोरोना के कारण लाचारगी के बावजूद दुनिया के देशों में जो समझ आनी चाहिए थी वह कोसों दूर है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, चीन की दादागिरी सहित दुनिया के देशों में संघर्ष, आतंकवादी घटनाएं बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती है।

दरअसल कोरोना काल ही ऐसा था कि उस समय वर्षो से चले आ रहे अभियान लगभग ठहर गए थे। बल्कि यूं कहा जाए कि उस समय सारी दुनिया का ध्यान सबसे हटकर कोरोना त्रासदी से बचाव की ओर रह गया था। कोरोना प्रोटोकाल और कोरोना वायरस के संक्रमण के तरीके ने हिला कर रख दिया था।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

बाइक चोर और गांजा तस्कर को पुलिस ने पकडा

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। एसपी डॉ विमल कुमार ने 1 अप्रैल को प्रेस वार्ता किया। मौके पर उन्होंने बताया की दिनांक 31.03.2024 को संध्या में रामगढ़ जिलान्तर्गत रामगढ़ थाना क्षेत्र में इफको कोलोनी पानी टंकी के पास से एक मोटरसाईकिल अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी किया गया था। इस संदर्भ में रामगढ़ थाना कांड सं0-85/24. दिनांक 31.03.2024 मारा-379 भा०द०वि० अंतर्गत अक्षात चोर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक रामगढ़ डॉ० विमल कुमार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी किये गये मोटरसाईकिल के बरामदगी एवं अज्ञात चोर के विरुद्ध विधि सम्मत

प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते एसपी।

कार्रवाई हेतु रामगढ़ जिला अंतर्गत सभी थाना क्षेत्रों में एंटी क्राईम बैंकिग अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया। एंटी क्राईम चेकिंग अभियान के दौरान रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधी चौक रामगढ़ थाना मोड़ के पास तैनात पुलिस बल को देख मोटरसाईकिल सवार एक व्यक्ति भागने लगे जिसे पुलिस बल द्वारा पकडा गया। पुलिस के द्वारा पूछताछ करने पर उक्त व्यक्ति द्वारा अपना नाम सूरज कुमार उर्फ छोटू, पिता-स्व कृष्णा नन्दनदास, सा०-न्यू कॉलोनी बगीचा बड़की काली मंदिर के पास , थाना जिला-रामगढ़ बताया गया तथा पुलिस द्वारा उक्त व्यक्ति से मोटरसाईकिल के संबंध में पुछताछ के क्रम में उक्त व्यक्ति द्वारा दिनांक 31.03.2024 को मोटरसाईकिल सी०डी० डिलक्स जिसका रजिस्ट्रेशन सं० खल् 10 जेएच 10 एक्स 0962 को इफको कॉलोनी पानी टंकी के पास से चोरी करने की बात स्वीकार किया। तत्पश्चात पुलिस द्वारा सूरज कुमार को हिरासत में लिया गया। अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। उल्लेखनीय है कि विगत माह में वैस्ट बोकारो ओ०पी० अन्तर्गत विभिन्न काण्डों में चोरी किये गये 03 मोटरसाईकिल वाहन को पूर्व में बरामद किया गया है एवं संबंधित अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। पुलिस ने सूरज कुमार उर्फ छोटू, पिता-स्व० कृष्णा नन्दनदास, सा०-न्यू कॉलोनी बगीचा बड़की काली मंदिर के थाना+जिला रामगढ़ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मोटरसाईकिल सी०डी० डिलक्स (रजिस्ट्रेशन सं० जेएच 10 एक्स 0962) बरामद किया। छापेमारी दल में रामगढ़ थाना प्रभारी अजय कुमार साहु, पु०अ०नि० सौरभ कुमार ठाकुर, पु०अ०नि० निशिकांत शर्मा एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

1 किलो 800 ग्राम गांजा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

प्रेस वार्ता के क्रम में एसपी डॉ विमल कुमार ने आगे बताया की की दिनांक-31.03.2024 को पुलिस अधीक्षक रामगढ़ को प्राप्त गांजा खरीद-फरोख्त की सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक रामगढ़ डॉ० विमल कुमार के निदेर्शानुसार अनु० पुलिस पदा० पतरातू बिरेन्द्र राम के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा बरकाकाना रेलवे स्टेशन के समीप सतत रूप से छापामारी अभियान चलाया गया। पुलिस बल को देखकर एक दुकानदार दीपक कुमार उर्फ प्रभाकर भागने का प्रयास करने लगा। जिसे पुलिस बल के द्वारा पकड लिया गया एवं उनके दुकान व मकान छापामारी किया गया। छापामारी के दौरान अभियुक्त के मकान से करीब 1.800 किलो ग्राम गांजा, गांजा पिने का समान चीलम, गोगो (बोंगची परफेक्ट रोल) एवं एक इलेक्ट्रोनिक ताराजू, आई फोन मोबाईल बरामद किया गया। आसन्न लोकसभा चुनाव के मद्देनजर रामगढ़ पुलिस के द्वारा लागातार आसूचना संकलन कर अवैध मादक पदार्थों का तस्करी, खरीद-फरोख्त के विरूद्ध नियंत्रण किया जा रही है। इस संबंध में बाडकाकाना ओ०पी० थाना-पतरातू में कांड अंकित किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के उपरांत जेल भेजा जा रहा है। पुलिस ने-दीपक कुमार उर्फ प्रभाकर उम्र करीब 30 वर्ष पिता विनोद प्रसाद साव, सा० सी०आई०सी० वस्ती मेन रोड़ बडकाकाना, थाना-पतरातू (बडकाकाना) जिला-रामगढ को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने गांजा लगभग 1.800 कि०ग्रा० गोगो बोंगची परफेक्ट रोल 299, चिलम 47 पीस, इलेक्ट्रोनिक, तराजू-01 पीस, एप्पल कंपनी का मोबाइल 01 ने बरामद किया। छापामारी दल में अनुमंडल मंडल पुलिस पदाधिकारी पतरातू बिरेन्द्र कुमार राम, पुअनि अख्तर अली, पुअनि विकास आर्यन एवं बरकाकाना ओपी के सशस्त्र बल शामिल थे।

स्पीड न्यूज

सड़क दुर्घटना में बैंक कर्मचारी घायल

कुजू। कुजू ओपी क्षेत्र के रांची रोड़ स्थित बीआरएल गेट के पास सोमवार को कार की चपेट में आकर स्कूटी सवार बैंक कर्मचारी घायल हो गया। बाद में उसे

घायल परमेश्वर ठाकुर।

इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बताया जाता है कि बड़की पोना निवासी परमेश्वर कुमार ठाकुर अपने स्कूटी संख्या जेएच24ए 8211 से घर के लिए निकले थे। इसी क्रम में उक्त सड़क पर बलेनो संख्या जेएच01बीडब्लू 9301 से टक्कर हो गई। जिसमें परमेश्वर घायल हो गए। घटना के बाद कुजू पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त किया।

उज्जवला फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा मनीष जायसवाल का स्वागत किया जायेगा

बैठक में शामिल।

कुजू। उज्जवला फाउंडेशन की बैठक सोमवार को बोंगाबार फोरलेन स्थित मोतीराम कॉम्प्लेक्स में हुई। बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति एवं संचालन आशा देवी ने किया। बैठक में आगामी 3 अप्रैल को भाजपा के हजारीबाग लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के स्वागत करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान उज्ज्वला फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा बोंगावर स्थित अम्बाटांड़ से स्वागत कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा। इस दौरान उक्त स्थल पर देवंती देवी और किरण देवी के नेतृत्व में, बागादोहर एवं करमाली टोला में मीना देवी और गुड़िया देवी, दिगवार,पारटाड़,लुगूमंडप में शांति देवी,मीनू देवी और सुनीता देवी के नेतृत्व में स्वागत किया जाएगा। जिसमें सदस्यों के साथ फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति शामिल होंगे। बैठक में शांति देवी, सुमित्रा देवी, लक्ष्मी, सावित्री, गिरिजा, खुशबू, कुंती, सुमन, सपना, देवंती, रेखा, अनीता, कुंती, बिंदु, आकांक्षा, सुमन आदि मौजूद थे।

झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक ने मनाया स्थापना दिवस

स्थापना दिवस में शामिल लोग।

विष्णुगढ़। प्रखंड के अस्पताल चौक स्थित झा रा ग्रा बैंक परिसर में छठी स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ शाखा प्रबंधक प्रदीप कुमार व अन्य बैंक कर्मियों के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक ने कहा कि नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन के तहत स्व रोजगार के लिए ऋण की प्राप्ति, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना इत्यादि उत्पादों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि व्यापार के मामले में पूरे झारखंड में तीसरे स्थान पर है। इस अवसर पर शाखा के उप प्रबंधक पापया कुमारी, जेएसएलपीएस के बीपीएम दिव्या कुमारी बैंक कर्मी देवेंद्र कुमार, बैंक सखी सोनिया कुमारी, रीना कुमारी रश्मि कुमारी ग्राहक सेवा केंद्र संचालक घनश्याम भाई पटेल घनश्याम महतो रंजीत कुमार मुखिया उत्तम महतो मुनिया देवी चेतलाल महतो समेत कई लोग मौजूद थे।

बलकुदरा खुली खदान में उत्पादन लक्ष्य से अधिक की प्राप्ति पर जताया हर्ष

भुरकुंडा (रामगढ़)। बरका-सयाल क्षेत्र के बलकुदरा (भुरकुंडा) खुली खदान बहुत कम समय में शुन्य घटना एवं दुर्घटना के साथ उम्मीद से अधिक कोयला और ओबीआर उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हर्ष का माहौल है। बताया गया कि बलकुदरा (भुरकुंडा) खुली खदान निर्धारित समय से पूर्व ही लगभग 1.4 लाख टन कोयला व लगभग 7 लाख क्यूविक मीटर ओबीआर में उत्कृष्ट आंकड़ा हासिल किया है। वित्तिय वर्ष 23-24 के अंतिम दिनो में बलकुदरा से एतिहासिक 5000 टन से अधिक प्रत्येक दिन कोयला का उत्पादन किया गया। उत्पादन लक्ष्य से अधिक की प्राप्ति पर अधिकारियों एवं कर्मियों में हर्ष का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर सोमवार को बरका-सयाल जीएम अजय सिंह, भुरकुंडा पीओ मनोज कुमार पाठक ने कर्मियों के बीच मिठाई क वितरण कर खुशी का इजहार किया। मौके पर जीएम अजय सिंह ने कहा की विभिन्न ट्रेड यूनियनो का सहयोग व कर्मियो के मेहनत के कारण हमने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा की आगे भी इसी तरह सुरक्षा नियमों का शत प्रतिशत पालन करते हुए उत्पादन लक्ष्य से अधिक उत्पादन की नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

त्योहारों को देखते हुए नगर निगम हजारीबाग की टीम गठित

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। नगर आयुक्त ने इस माह में होने वाले रामनवमी, ईद, चैती छठ एवं सरहुल पर्व को देखते हुए निगम के पदाधिकारियों, जमादार के साथ बैठक की।इसमें उप नगर आयुक्त ज्योति सिंह, सहायक नगर आयुक्त अनिल पांडेय, बिपिन कुमार, नगर प्रबंधक राजीव रंजन तथा अन्य उपस्थित थे। बैठक में सफाई, सड़क पर पड़े सी एंड डी वेस्ट, जुलूस मार्ग पर पानी, शौचालय इत्यादि की उपलब्धता से संबंधित समीक्षा की गई। नगर आयुक्त शैलेंद्र कुमार लाल

जानकारी देते नगर आयुक्त।

ने वार्ड जमादारों को जुलूस मार्ग एवं सभी स्थानों पर युद्ध स्तर पर सफाई कराने का निदेश दिया है। सभी धार्मिक स्थल के पास एवं सरहुल मैदान की सफाई करवाने का निदेश दिया गया है। सड़क पर पड़े सी एंड डी वेस्ट को तत्काल हटाने का निदेश दिया गया है। साथ ही नगर वासियों से अनुरोध है कि अगर उन्होंने सड़क पर ईंट, गिट्टी आदि डंप कर रखा है तो वे स्वयं हटा लें।कल नगर निगम एवं जिला के संयुक्त टीम द्वारा अतिक्रमण हटाया जाएगा एवं आर्थिक दंड आरोपित किया जाएगा। नगर आयुक्त हजारीबाग नगर निगम द्वारा पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या के निस्पादन हेतु टीम गठित किया गया है। जुलूस मार्ग में आवश्कतानुसार चलंत शौचालय उपलब्ध कराया जाएगा। हेड जमादार दीपक कुमार को चैती पर्व को देखते हुए, निगम क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित तालाब, नदियों को छठ व्रतियों के लिए पूर्णरूप से सफाई कराने का निदेश दिया गया। जुलूस मार्ग में आवश्यकतानुसार पानी का टैंकर उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अनुपालनार्थ अरुण बावरी एवं दीपक कुमार को निदेश दिया गया। साथ ही जुलूस मार्ग में अवस्थित स्ट्रीट लाइट एवं एल ई डी लाइट को आज रात से ही जलाकर जांच करने एवं खराब लाइट को तुरंत मरममती एवं बदलने का निदेश कनीय अभियंता विद्युत राजकुमार रजवार को निदेश दिया।

चौपारण में 602 लीटर अवैध विदेशी शराब जप्त

चौपारण। हजारीबाग के उत्पाद विभाग को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। हजारीबाग के चौपारण थाना क्षेत्र के घोरमोरवा जंगल में बीते रात छापेमारी अभियान में 602 लीटर अवैध विदेशी शराब को उत्पाद विभाग ने जप्त किया है। आपको बता दें कि बिहार ड्राई स्टेट है जिसको लेकर चौपारण क्षेत्र में एक्साइज विभाग काफी सक्रिय रहती है इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर जंगल से विदेशी शराब जप्त किया गया है। सहायक उत्पाद आयुक्त ने बताया कि सूचना मिली थी की घोरमोरवा जंगल में अवैध रूप से विदेश शराब एक स्थान से दूसरे स्थान ले जा रहा है जिसे पिकअप और ट्रक में लोड किया गया है तत्काल घटनास्थल पर पहुंचने पर एक व्यक्ति पिकअप के ड्राइवर को गिरफ्तार किया गया बाकी लोग अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये। बड़े ट्रक से छोटे पिकअप वाहन में शराब को लादा जा रहा था उसी क्रम में छापेमारी की गयी। वहीं 602 लीडर इंपीरियल ब्लू शराब जप्त किया गया है। बाजार मूल्य में इसकी कीमत लगभग 48 लख रुपए है। एक्साइज विभाग के द्वारा एक बड़ी सफलता या मानी जा रही है आगे की कार्यवाही पुलिस के द्वारा जारी है।

शिक्षा के बगैर किसी समाज या परिवार का सर्वांगीण विकास संभव नहीं : शालू जिन्दल

- जिन्दल स्कूल के नए भवन की रखी गई आधारशिला
- बेटियों की शिक्षा पर दिया जोर

पूजा-अर्चना में शामिल प्लांट हेड और उनकी पत्नी।

भुरकुंडा (रामगढ़)। विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के बीच सोमवार को बलकुदरा (पतरातू) में ओपी जिन्दल स्कूल के नए भवन की आधारशिला रखी गई। यह कार्यक्रम जेएसपी फाउंडेशन के सौजन्य से धार्मिक अनुष्ठान के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम में बतौर यजमान कारखाना प्रमुख आशीष जैन एवं उनकी धर्मपत्नी विनीता जैन शामिल हुईं। पुरोहित आचार्य सूर्यकांत त्रिपाठी एवं उनके सहयोगियों द्वारा पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया गया। पूजा के दौरान भक्ति जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। ओपी जिन्दल स्कूल-बालकुदरा (पतरातू) के नए भवन की आधारशिला रखे जाने के अवसर पर जेएसपी फाउंडेशन की चेयरपर्सन शालू जिन्दल ने कहा कि शिक्षा के बगैर किसी समाज या परिवार का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। अशिक्षित समाज से विकसित और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता। श्रीमती जिंदल ने शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि एक व्यक्ति का शिक्षित होना जरूरी है। खास तौर पर बेटियों का पढ़ा-लिखा होना जरूरी है तभी महिला सशक्तीकरण के अपने सपने को हम साकार कर पाएंगे और भेदभाव मुक्त समाज का निर्माण संभव हो सकेगा। शिक्षा से ही समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। जिन्दल स्टील एंड पावर के संस्थापक चेयरमैन ओपी जिन्दल के एक कथन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बेटियां पढ़ती हैं तो दो-दो परिवार शिक्षित होते हैं। इस अवसर पर क्षेत्र के वयोवृद्ध शिक्षक सह साहित्यकार व पत्रकार नारायण नाथ तिवारी ने कहा कि इस विद्यालय के नए भवन से क्षेत्र के छात्रों को गुणवत्ता युक्त आधुनिक शिक्षा प्राप्त होगी, जो शिक्षा जगत के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

एक नजर में

दौलत महतो मेमोरियल शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय में पांच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ

- शिक्षा समाज को जोड़ने का कार्य करता है : गौरव पटेल

बिष्णुगढ़। बनासो स्थित दौलत महतो मेमोरियल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में पाँच दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का शुभारंभ दीपप्रज्वलन कर महाविद्यालय के सचिव गौरव पटेल ने किया। श्री पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज को जोड़ने का काम करती है, आपसी समरसता लाती है।इस व्याख्यान श्रृंखला में विभिन्न बी एड महाविद्यालयों के विद्वान प्राध्यापकों का व्याख्यान होगा, जो विभिन्न शैक्षिक विषयवस्तु पर अपना विचार प्रस्तुत करेंगें। आज के व्याख्यान श्रृंखला में रामकृष्ण विवेकानंद कॉलेज ऑफ एडुकेशन, बगोदर के प्राध्यापक संजय कुमार सुमन ने ₹भारत में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के विषय पर शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के रचनात्मकता पर बल देने की बात कही।

उद्घाटन में शामिल शिक्षाविद।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुङ्ग चतुर्वेदी ने कहा की इस व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन का उद्देश्य प्रशिक्षुओं में शिक्षा के प्रति रुचि उत्पन्न एवं सर्वांगीण विकास हो सके। उपस्थित लोगों में प्राध्यापक कुमारी स्वर्णा मिश्रा, बबली कुमारी, ओमकार नाथ शर्मा, अशोक झा, वीरेन्द्र देव, शशि देव, राघवेंद्र प्रताप, सरोज श्रीवास्तव,राजेश कुमार, भुनेश्वर महतो, प्रवीण कु० जायसवाल, विपिन कुमार, जितेंद्र कुमार, अदृश मुखर्जी, डॉ० सतीश चंद्र यादव, जयपाल राणा, डॉ० अम्बरीश कु० दुबे, डॉ० विजयकांत चक्रवर्ती, दिलीप कु० पाठक, सीमा, छबि राम सिंह, अजीत कुमार, संतोष कुमार, विनोद कुमार, धर्मनाथ महतो, सौरभ सुमन, प्रीति पूनम हेंब्रम, प्रकाश कुमार, नाजरा खातून, आजाद एवं सत्र के सभी प्रशिछू गण उपस्थित थे।

बसंती दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने अरविंद, सचिव मनोज सोनी

बड़कागांव। बड़कागांव के डेली मार्केट स्थित चैती दुर्गा मंदिर के प्रांगण में रामनवमी पर्व एवं चैती दुर्गा पूजा को लेकर ग्रामीणों ने बैठक किया जिसकी अध्यक्षता पूर्व विधायक लोकनाथ महतो व संचालन रामसेवक सोनी ने किया।बैठक में बसंती दुर्गा पूजा समिति का गठन किया गया जिसमें सर्व समिति से अरविंद कुमार वर्मा को अध्यक्ष, मनोज सोनी को सचिव व महेश सोनी को कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष कृष्णा प्रसाद, राजू सोनी, मुख्य संरक्षक पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, संरक्षक मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, रामसेवक सोनी, मीडिया प्रभारी संजय सागर, रितेश ठाकुर, पूजा प्रभारी राजू साव, शंभू सोनी, संयोजक मनोज शाहा, सह संयोजक सरोज सोनी, मनोरंजन मंत्री शंभू चौरसिया, सांवरमल अग्रवाल, बृजेश वर्मा, लखनलाल विश्वकर्मा डेकोरेशन मंत्री रवि सोनी, अर्जुन सोनी, दीपक वर्मा को बनाया गया है। इसके अलावा कई लोगों को उप पद एवं कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है जिसमें प्रदीप वर्मा, गौतम वर्मा, ओम प्रकाश सोनी, बसंत सोनी, रोहित सोनी, कालेश्वर सोनी, सिकंदर सोनी, बालदेव सोनी, जदुबीर सोनी, अरुण सोनी, धीरेन सोनी, रूपेस सोनी के अलावा अन्य लोग शामिल हैं।

भुरकुंडा सीसीएल अस्पताल में तीन कर्मियों के सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। सीसीएल बरका-सयाल प्रक्षेत्र के भुरकुंडा आदर्श क्षेत्रीय चिकित्सालय में सोमवार को तीन कर्मियों के सेवानिवृत्ति पर अस्पताल परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में डॉ. एके टोप्पो, डॉ. नदीम अनवर सहित अस्पताल परिवार द्वारा सेवानिवृत मजदूर पंचू नाहक व मुन्नी देवी और हेड सुरक्षा गार्ड मो. मोईन को फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। साथ ही अंगवस्त्र और उपहार देकर भावभीनी विदाई दी गई। मौके पर डॉ. एके टोप्पो ने कहा की सेवानिवृति नौकरी का हिस्सा होता है। हर कर्मी को एक न एक दिन इस रास्ते से गुजरना ही पड़ता है। इस दौरान सहकर्मियों ने भी तीन सेवानिवृत कर्मियो को उपहार देकर सम्मानित किया। साथ ही उनके स्वस्थ्य शरीर व सुखद जीवन की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी। मौके पर मौके पर डॉ. एके टोप्पो, डॉ. नदीम अनवर, डॉ. मसरूर आफताब, डॉ. सुनील कुमार, ललन प्रसाद, योगेंद्र बड़ाईक, शरण जी, जावेद असलम खान, स्नेह लता कुजूर, कन्हैया सिंह, दिवाकर पटेल, रंजन राम, वीणा कुमारी, जितेंद्र सिंह, राजेंद्र मुंडा, फारूक रजा, शिशिर डांग, रुखसाना, बेबी देवी, रीता राजभर, जनार्दन साव, निर्मल महतो, गणेश साव, शंभु राजभर, चेतन शांडिल, बाबू दास, गीता देवी, चिंता देवी, सविता देवी, मुन्नी कुमारी आदि मौजूद थे।

पीएम मोदी के गारंटी को गारंटी दें : लोकनाथ महतो

भुरकुंडा (रामगढ़)। ओबीसी मोर्चा के दक्षिणी प्रमंडलीय सह प्रभारी योगेश दांगी के बिरसा चौक भुरकुंडा स्थित आवास में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी का प्रखंड स्तरीय तीनों मंडलो का संयुक्त बैठक सह कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता भुरकुंडा मंडल अध्यक्ष सतीश मोहन मिश्रा एवं संचालन भदानीनगर मंडल अध्यक्ष सागर कुमार दांगी ने किया। सम्मेलन का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि बड़कागांव विधानसभा के संयोजक सह पूर्व विधायक लोकनाथ महतो व विशिष्ट अतिथि लोकसभा के संयोजक टुन्नु गोप आदि अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया। सम्मेलन में संगठन की मजबुती पर बल देते हुए आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की गई। साथ ही अबकी बार 400 पार के नारे के साथ जोर-शोर व उत्साह के साथ चुनाव के लिए कार्य करने का आह्वान किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि लोकनाथ महतो ने कहा की भाजपा अपने उद्देश्य सबका साथ-सबका विकास के तहत कार्य करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाने के प्रति कटिबद्ध है। भाजपा का लक्ष्य है की विकास योजनाओं का धरातल पर उतारकर इसका शत प्रतिशत लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचे। उन्होंने कहा की पीएम मोदी के हाथों को मजबुत करें सभी समस्याओं का समाधान होगा। श्री महतो ने कहा कि अपने सभी विचारधारा वालों का एक-एक मत कमल के पक्ष में लाने का प्रयास करें और पीएम मोदी के गारंटी को गारंटी दें। विशिष्ट अतिथि टुन्नु गोप ने कहा की भाजपा जो कहती है उसे गारंटी के साथ पूरा भी करती है। उन्होंने कहा कि कमल खिलाएं सभी अधूरे काम पूरें होंगे। आपसभी चुनाव की तैयारी में अभी से ही तन-मन से जुट जाएं।

अबकी बार 400 पार : विधायक अमित कुमार यादव

बरकट्ठा। लोकसभा चुनाव को लेकर बरकट्ठा विधानसभा स्तरीय भारतीय जनता पार्टी की बैठक बुढ़िया माता मंडप के सामने अवस्थित चुनाव कार्यालय मैरेज हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में बरकट्ठा विधानसभा प्रभारी सह जमुआ विधायक केदार हाजरा ने मंडल वाइज सभी अध्यक्षो व सक्रिय कार्यकताओं के बीच चुनावी प्रबंधन को लेकर चर्चा किया विधानसभा स्तरीय चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया गया। संयोजक के रूप में बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव को दायित्व दिया गया। इसके अलावे 20 सदस्यीय कार्यकर्ताओ की टीम बनाई गई। मौके पर विधायक अमित कुमार यादव ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की उच्चाइयो को छू रहा है। अबकी बार 400 पार करने में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जी जान से जुटे हुए है इस बार पुनः कोडरमा लोकसभा से सांसद अन्नपूर्णा देवी को जीतना तय है इसके लिए सभी लोग बूथ स्तर पर जुट जाएं। बैठक की अध्यक्षता व संचालन टुकलाल नायक ने की वही मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता बटेश्वर मेहता, प्रदेश भाजपा नेत्री कुमकुम देवी, प्रदेश किसान मोर्चा के सुरेंद्र भाई मोदी, पूर्व जिला अध्यक्ष कोडरमा सुरेश यादव, केदार साव, केदारनाथ यादव कुलदीप पांडेय, मंडल अध्यक्ष टुकलाल नायक, मंडल अध्यक्ष भोला प्रसाद, रीतलाल प्रसाद, सुरेंद्र पासवान समेत बड़ी संख्या में भाजपाई उपस्थित थे ।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष, एक वृद्ध की मौत

हजारीबाग। हजारीबाग के पेलावल में बीती रविवार रात्रि को जमीन विवाद में दो पक्षों में बीच खूनी संघर्ष हो गया जिसमें एक वृद्ध की मौत हो गयी। घटना इब्राहिम मस्जिद के पास की है। इस घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के संबंध में एक पक्ष की महिला ने बताया कि हमारे जमीन में पानी बहाया जा रहा था। हमारे जमीन में कुछ टमाटर लगा हुआ है। जब हमलोगों ने मना किया तो दूसरे पक्ष के लोग अचानक मेरे घर आये हमला कर दिये। इस अचानक हुए हमले से हमलोग सकपका गये। महिला ने बताया कि मुजाहिद मियां व उसका परिवार ने इस घटना को अंजाम दिया है।

भाजपा ने की बैठक, लोकसभा में जीत सुनिश्चित करने की ली शपथ

खबर मन्त्र संवाददाता

विष्णुगढ़। प्रखंड के झारखण्ड मैरेज हॉल में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी ने हजारीबाग लोकसभा चुनाव जीत सुनिश्चित करने को लेकर एक दिन एक विधानसभा प्रवास अभियान के तहत बूथ समीक्षा हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित लोगों ने डॉ० श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवम पंडित दीनदयाल उपाध्याय के वृतचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बतौर मुख्यातिथि रणंजय सिंह उर्फ कुण्टू बाबू यथा संचालन टाटीझरिया प्रखण्ड कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश पति सिंह ने किया। विशिष्ट

मौके पर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ता।

अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता रंजीत सिन्हा तथा मुख्य अतिथि प्रो खिरोधर साहू की गरिमामयी उपस्थिति में बैठक आरम्भ किया गया। बैठक में तीनो मंडलों के अध्यक्षों समेत, मंच-मोर्चा के पदाधिकारी, शक्तिकेन्द्र संयोजक, सह-संयोजक, बूथ अध्यक्ष की भी उपस्थिति रही। प्रवासी प्रभारियों ने बारी-बारी से शक्तिकेन्द्र के संयोजक, सह-संयोजक, बूथ अध्यक्षों से संवाद कर बूथ की समीक्षा की। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए रणंजय सिंह उर्फ कुण्टू बाबू ने कहा कि जो भाजपा के हो गए उनका हार्दिक अभिनंदन और अगर बूथ मजबूत तो 400 पार का लक्ष्य मुश्किल नहीं। पश्चिमी मंडल अध्यक्ष किशोर कुमार मंडल ने अवगत कराया की 02 अप्रैल 2024 को हजारीबाग लोकसभा सांसद प्रत्याशी मनीष जयसवाल का विष्णुगढ़ पूर्वी में जनसंपर्क अभियान हेतु आगमन प्रातः 07:45 में होगा अतः तमाम भाजपा कार्यकर्ता समय पर उपस्थित होकर उनका स्वागत करें। इस मौके पर मुख्य रूप से पूर्वी मंडल प्रभारी रंजीत सिन्हा, सुरेश प्रसाद, जिला मंत्री अरविन्द कुमार पप्पू, माण्डू विधानसभा विस्तारक राजा महतो, पूर्वी मंडल अध्यक्ष नारायण महतो, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष किशोर कुमार मंडल, टाटीझरिया कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश पति सिंह, मिथलेश पाठक, भुवनेश्वर पटेल समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

युवाओं को बदलनी होगी अपनी जीवनशैली

प्रशांत झा

रोजमर्रा की भागम-भाग जिंदगी में आदमी का बढ़ता गुस्सा, सरदर्द, पीठदर्द, हताशा, निराशा व नकारात्मक विचारों की प्रबलता तत्पश्चात अवसाद ये कुछ ऐसे लक्षण हैं, जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि ये मानिसक रोगों के लक्षण हैं। लेकिन कथित विकास की प्रतिस्पर्धा में प्रायः लोग इसे मानसिक रोग मानने को तैयार नहीं। यही कारण है कि मनोरोगियों की संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है वैसे तो पूरी दुनिया में मनोरोगियों की बहुत बड़ी तादाद है, और वह लगातार बढ़ती ही जा रही है। लेकिन भारत जो गरीबी में जीते हुए भी इस रोग से 90 के दशक के पहले तक तकरीबन अछूता था, यहां अब रोग तेजी से पांव पसारता जा रहा है। आर्थिक उदारीकरण के बाद की समृद्धि ने देश में मनोरोगियों की भी बाढ़ सी ला दी है। वैसे तो देश या दुनिया में कुल कितने मानसिक रोगी हैं, इसका ठीक-ठीक आंकड़ा तो कहीं भी उपलब्ध नहीं है क्योंकि आम तौर पर 99 फीसद लोग इस रोग से प्रभावित होने के बावजूद चिकित्सकों के पास नहीं जाते और न ही खुद को मानसिक रोगी ही मानते हैं। बावजूद इसके भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का दावा है कि देश की लगड्डाग 7 करोड़ आबादी मनोरोगों के चपेट में है जबकि यह तादाद 1991 तक महज 3 करोड़ ही थी। हालांकि सरकार ने हाल के दिनों में इस ओर ध्यान दिया है, और संसद ने लंबित मानसिक स्वास्य देखड्डाल विधेयक, 2013 को मंजूरी दे दी है। लेकिन केवल कानून बन जाने से इस समस्या का समाधान संभव नहीं दिखता।

समाजशास्त्री डॉ. अविनाश सिह कहते हैं कि इस बीमारी के लिए पाश्चात्य जीवन शैली भी काफी हद तक जिम्मेदार है। कथित विकास और विलास की अतृप्त प्रतिस्पर्धा के चलते आदमी को अपने लिए वक्त ही नहीं है। उनका दावा है कि अकेले अमेरिका की 20 फीसदी आबादी किसी न किसी मनोरोग से प्रड्डावित है। धन कमाने की अंधी दौड़ में वे खुद को मानसिक रोगी मानने को तैयार नहीं हैं। वहीं, भारत में जहां 1991 तक महज 3 फीसद लोग इसके दायरे में थे, उनकी तादाद भी अब बढ़कर 6 फीसद से ज्यादा हो गई है। यद्यपि भारत में योग क्रांति के बाद के बाद लोगों में अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है। लोगों की जीवन शैली में बदलाव आ रहा है। लेकिन विकराल हो चुकी इस समस्या का व्यापक समाधान सिर्फ योग से संभव नहीं।

इसके लिए सरकार के साथ ही सामाजिक संगठनों को भी आगे आना होना। सरकार का दायित्व है कि वह पीड़ितों के समुचित इलाज का प्रबंध करे, तो सामाजिक संगठन लोगों को जागरूक करें और अपने स्तर से उन्हें इस मानसिक त्रासदी से उबरने में सहयोग दें। लेकिन अभी तक सरकार और सामाजिक संगठन, दोनों ही अपने दायित्व पर खरे नहीं उतरे हैं।

भारत में 1982 से ही जिला मानसिक स्वास्य कार्यक्रम चल तो रहा है पर इसकी गति बेहद धीमी है। देश ड्डार के 660 जिलों में अभी तक महज 443 जिलों में ही मानसिक रोग निवारण केंद्र खुल सके हैं। तो देश के उत्तर-पूर्वी राज्यों, जिनकी आबादी 6 करोड़ से ज्यादा है, में अभी तक एक भी चिकित्सा केंद्र नहीं खुल पाया है। आंकड़े बताते हैं कि देश की 3.1 लाख आबादी पर महज 1 मनोचिकित्सक उपलब्ध है। इनमें भी 80 फीसद चिकित्सक तो शहरी क्षेत्रों में हैं। इस लिहाज से ग्रामीण क्षेत्रों में तो 10 लाख की आबादी पर एक मनोचिकित्सक ही उपलब्ध है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो का आंकड़ा तो और भी चौंकाने वाला है। उसका कहना है कि पिछले 15 सालों में देश भी में तकरीबन 1 लाख 26 हजार 166 लोगों ने विभिन्न मानसिक रोगों के चलते आत्महत्याएं की हैं। इनमें सर्वाधिक तादाद अकेले महाराष्ट्र में रही, जहां 19601 लोगों ने आत्महत्या की तो प. बंगाल दूसरे स्थान पर रहा। वहां 13932 लोगों ने अपना जीवन गंवा दिया। इसकी विकरालता को इस आधार पर समझा जा सकता है कि दुनिया का हर चौथा आदमी कभी न कभी मानसिक रोग का शिकार हुआ है। लेकिन कुछ आदतों में सुधार करके इससे बचा भी जा सकता है। मनोचिकित्सक कहते हैं कि व्यक्ति अपनी कुछ आदतों जैसे ज्यादा देर तक टीवी देखना, सेलफोन का ज्यादा इस्तेमाल आदि के साथ ही देर तक सोने की आदतों जैसी आदतों का परित्याग कर इससे बच सकता है।

इसके अलावा, नियमित 30 मिनट का व्यायाम एवं ध्यान भी बेहतर परिणाम दे सकता है। लेकिन जो इसकी चपेट में हैं, उन्हें चिकित्सकीय परामर्श जरूर लेना चाहिए।

(लेखक ब्रदर्स एकेडमी रांची के सेंटर मैनेजर हैं।)

रांची एयरपोर्ट में खान-पान की व्यवस्था से असंतुष्ट हैं यात्री

मनोज कुमार सिन्हा

पहले पायदान से छठे पायदान पर पहुंचा

भारतीय हवाई अड्डों की सुविधाओं का वर्णन करते हुए यह कहना संभव है कि ये आधुनिकता और अत्याधुनिकता का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। हवाई अड्डों को व्यवस्थित, सुरक्षित और सर्वाधिक उपयोगी बनाने के लिए भारत सरकार ने कई उपाय किए हैं। यहां कुछ महत्वपूर्ण सुविधाएँ उपलब्ध हैं जो यात्रियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक रिपोर्ट तैयार किया गया कि निम्नलिखित 10 बिन्दु में श्रेष्ठ एयरपोर्ट कौन है।

1. सुरक्षा प्रणाली

भारतीय हवाई अड्डों की सुरक्षा प्रणाली उच्च स्तर पर है। यहां नियमित रूप से सुरक्षा कर्मियों की तालिम और सुरक्षा उपकरणों की जांच होती रहती है।

2. विमान यात्रा की सुविधा

भारतीय हवाई अड्डों में विमान यात्रा के लिए अच्छी सुविधाएँ होती हैं। यात्रियों को विमान की ओर संदेश देने के लिए सुविधाएँ, उच्चतम स्तर की मशीनरी, और व्यवस्थित बोर्डिंग प्रक्रिया मिलती है।

3. भोजन सुविधा

हवाई अड्डों पर भोजन सुविधाएँ भी मिलती हैं। यहां खाने की सामग्री की गुणवत्ता का खास ध्यान रखा जाता है ताकि यात्री अपनी यात्रा के दौरान स्वास्थ्यपूर्ण और स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकें।

4. सामाजिक सुविधाएँ

यात्रियों को हवाई अड्डों पर विभिन्न सामाजिक सुविधाएँ भी मिलती हैं, जैसे कि वेटिंग लाउंज, इंटरनेट सुविधाएँ, और आरामदायक कुर्सियाँ।

5. सामान्य सुविधाएँ

हवाई अड्डों में यात्रियों को बैगेज ट्रॉली, पानी की बोतल, और अन्य आवश्यक सामग्री की सुविधा भी उपलब्ध होती है।

6. प्राकृतिक बागवानी और हरित पर्यावरण

कई हवाई अड्डों में प्राकृतिक बागवानी का आकर्षण होता है जो यात्रियों को शांति और सुकून का अनुभव कराता है। इसके साथ ही, हरित पर्यावरण की देखभाल भी की जाती है।

7. विपणन की सुविधा

हवाई अड्डों पर विभिन्न वस्त्र, सामग्री और स्नैक्स की खरीदारी की सुविधा भी होती है। यहां यात्री अपनी आवश्यकताओं के अनुसार चीजों की खरीदारी कर सकते हैं।

8. स्वच्छता और साफ सफाई

हवाई अड्डों की स्वच्छता और साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यहां नियमित रूप से सफाई की जाती है ताकि यात्री एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में सफर कर सकें।

9. संचार सुविधाएँ

हवाई अड्डों पर यात्रियों को संचार सुविधाएँ भी मिलती हैं, जैसे कि वाई-फाई कनेक्टिविटी, फोन बूथ्स, और इंटरनेट कॉनेक्टिविटी।

10. संगठनित परिवहन सुविधा

हवाई अड्डों पर संगठित परिवहन सुविधा होती है जिससे यात्री आसानी से अपने गंतव्य तक पहुँच सकते हैं।

देश के 42 एयरपोर्ट पर ग्राहक संतुष्टि सर्वे रिपोर्ट के रिजल्ट में देश का नंबर वन रहने वाला रांची एयरपोर्ट इस बार छठे पायदान पर फिसल गया। बिहार के दरभंगा एयरपोर्ट से भी रांची एयरपोर्ट पिछड़ गया है। यात्रियों को रांची एयरपोर्ट से बेहतर सुविधा दरभंगा एयरपोर्ट पर मिली है। यह सर्वे रिपोर्ट जुलाई-2023 से दिसंबर तक की जारी की गई है। एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया ने सर्वे रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार पहले नंबर पर भोपाल एयरपोर्ट रहा।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची की व्यवस्था से यात्री असंतुष्ट हैं।

एयरपोर्ट के इंट्री प्वाइंट से लेकर विमान में बैठने तक की व्यवस्था पर यात्रियों ने सवाल उठा दिए हैं। खासकर एयरपोर्ट पर पार्किंग की व्यवस्था से यात्री सबसे ज्यादा परेशान हैं। वहीं एयरपोर्ट पर सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी खराब है। एयरपोर्ट पर खान-पान की व्यवस्था भी ठीक नहीं है, क्योंकि एयरपोर्ट पर रेस्टूरेंट नहीं है। जो खान-पान के छोटे शॉप हैं, वहां यात्रियों को पसंदीदा खान-पान के सामान भी नहीं मिल रहे हैं।

रांची एयरपोर्ट पर व्यवस्था में गिरावट के ये कारण

1.पार्किंग व्यवस्था सही नहीं, जाम की स्थिति बनी रहती है, यात्री को निकलने में होती है परेशानी।

2 बैगेज और ट्रॉली की उपलब्धता नहीं रहती है, लोगों को भटकना पड़ता है।

3. सुरक्षा कर्मचारियों का व्यवहार यात्रियों के साथ नम्र नहीं है और सहायता करने की भी भावना नहीं है।

4 सुरक्षा जांच के दौरान लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। इस सुरक्षा जांच के प्रति यात्री ने सबसे ज्यादा नाराजगी जताई है।

5 एयरपोर्ट पर खान-पान की व्यवस्था ठीक नहीं है। खान-पान की सुविधाओं में गिरावट आई है।

6.एयरपोर्ट पर शॉपिंग की व्यवस्था नहीं है, जरूरत के सामान भी यात्रियों को नहीं मिलते हैं।

7 सुरक्षित एवं संरक्षित की यात्रियों में कम भावना है। एयरपोर्ट पर यात्री सुरक्षित नहीं मानते है।

8. चेक इन कर्मचारियों की दक्षता कम है। उनकी वजह से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

हमसे बेहतर 5 एयरपोर्ट, जहां व्यवस्था से यात्री संतुष्ट

1. भोपाल 5.0
2. उदयपुर 4.99
3. राजमुंद्रि 4.98
4. लेह 4.97
5. हुबली 4.95
6. रांची 4.93

नोटः सर्वे रिपोर्ट के रिजल्ट में देश में नंबर वन पर भोपाल और छठे नंबर पर रांची रहा।

अप्रैल की शुरुआत हंसी और शरारत से करें

एमके सिन्हा

भारत में हर साल 1 अप्रैल को मनाया जाने वाला अप्रैल फूल का दिन हंसी-मजाक और हल्की-फुल्की शरारतों का एक अनोखा दिन है। इस दिन लोग एक-दूसरे के साथ मजाक करते हैं, झूठी खबरें फैलाते हैं और हास्यास्पद परिस्थितियाँ बनाते हैं। यह एक ऐसा दिन होता है जहां उम्र, पद या सामाजिक प्रतिष्ठा कोई मायने नहीं रखती, हर कोई इस मौज-मस्ती में शामिल हो सकता है।

यह एक अद्भुत और मनोरंजन का मौका होता है जिसे लोग खुशी से मनाते हैं। इस दिन लोग एक-दूसरे को मजाकिया बनाते हैं और हंसी-मजाक करते हैं। अप्रैल फूल के इस खास समय में लोग अलग-अलग प्रकार के मजाक करते हैं और एक-दूसरे को धोखा देते हैं।

इस दिन का इतिहास बहुत ही प्राचीन है। प्राचीन काल में भी लोगों के बीच मजाक किया जाता था, लेकिन अप्रैल फूल का दिन आधुनिक युग में विकसित हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य मनोरंजन और आनंद है। इस दिन लोग एक-दूसरे को झूठी खबरें सुनाते हैं और उन्हें धोखा देते हैं।

अप्रैल फूल की सही शुरूआत का पता लगाना मुश्किल है। इतिहासकारों का मानना है कि इसकी जड़ें प्राचीन रोमन उत्सव हिलारिया से जुड़ी हो

सकती हैं, जो वसंत की देवी हिलारिया के सम्मान में मनाया जाता था। इस दौरान लोग वेशभूषा धारण करते थे, मुखौटे लगाते थे और एक-दूसरे पर मजाक करते थे।

अप्रैल फूल का दिन विभिन्न तरीके से मनाया जाता है। भारत में भी लोग इसे बहुत उत्साह से मनाते हैं। इस दिन बच्चे और बड़े सभी एक-दूसरे को धोखा देने के लिए तैयार होते हैं।

भारत में अप्रैल फूल की शुरूआत ब्रिटिश राज के दौरान मानी जाती है। अंग्रेजों के साथ यह प्रथा भारत आई और धीरे-धीरे भारतीय संस्कृति में रच गई। आज के समय में यह दिन पूरे देश में स्कूलों, कॉलेजों, दफ्तरों और घरों में उत्साह के साथ मनाया जाता है।

इस दिन को मनाने के लिए लोग विभिन्न प्रकार के मजाक और बनावटी शैली तैयार करते हैं। कुछ लोग अप्रैल फूल को किसी के पीठ पर चिपकाते हैं, जबकि कुछ लोग झूठी खबरें सुनाते हैं। इसके अलावा, कुछ लोग मनोरंजन के लिए विभिन्न खेल और प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं।

अप्रैल फूल का दिन अद्भुत मौका है जब लोग अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ बंधन बनाते हैं। यह एक अद्भुत तरीका है लोगों के बीच जोड़-बंधन बनाने का और एक-दूसरे के साथ मनोरंजन का। इस दिन लोग खुशी-खुशी अपने प्रियजनों के साथ समय बिताते हैं और एक-दूसरे के साथ मजेदार बनावटी शैली के अंदाज में आनन्द लेते हैं।

अप्रैल फूल के दिन लोग कई तरह की शरारतें करते हैं। कुछ आम शरारतों में शामिल हैंः

झूठी खबरें फैलानाः अखबारों, रेडियो या सोशल मीडिया पर झूठी लेकिन विश्वसनीय खबरें फैलाना। (हालांकि, संवेदनशील मुद्दों या किसी को भावनात्मक रूप से चोट पहुंचाने वाली बातों से जुड़े झूठ से बचना चाहिए।)

वस्तुओं को छिपानाः किसी की महत्वपूर्ण वस्तुओं को छिपा देना और उन्हें ढूंढने में परेशान करना।

बदलाव करनाः किसी की घड़ी की सुइयों को आगे या पीछे कर देना, उनके कंप्यूटर की सेटिंग्स बदल देना या उनके जूतों के फीतों को बांध देना।

वेषभूषा धारण करनाः मजेदार वेशभूषा पहनकर लोगों को चौंकाना।

अप्रैल फूल का दिन वास्तव में एक मनोरंजन का पर्व है जो लोगों को साथ में लाता है और उन्हें हंसी-मजाक का आनंद देता है। इस दिन को लोग खुशी से मनाते हैं और अपने दोस्तों और परिवार के साथ अनमोल पलों को साझा करते हैं।

अप्रैल फूल सिर्फ मनोरंजन का ही नहीं बल्कि रिश्तों को मजबूत बनाने का भी अवसर है। हंसी और मजाक के इस माहौल में लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं और रिश्तों में तनाव कम होता है। यह दिन रचनात्मकता और बुद्धि का भी प्रदर्शन होता है। लोग अपनी शरारतों को अंजाम देने के लिए नए-नए तरीके सोचते हैं।

जारी है इसरो के कामयाबी का दौर

शशांक द्विवेदी

आज से लगभग 43 साल पहले उपग्रहों का साइकिल और बैलगाड़ी से शुरू हुआ इसरो का सफर आज उस मकाम पर पहुंच गया है जहां भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में दुनिया के सबसे शक्तिशाली पांच देशों में से एक बन गया है। अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और छलांग लगाते हुए इसरो ने अंतरिक्ष में प्रक्षेपण की सेंचुरी लगा दी है। अपनी सैन्य क्षमताओं और निगरानी तंत्र को बेहद मजबूत बनाने के लिए भारत ने आसमान में एक और बड़ी छलांग लगाते हुए आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी सी 40) की सहायता से कार्टोसेट-2 श्रंखला के रिमोट सेंसिग उपग्रह सहित 31 उपग्रहों को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित कर दिया। इसमें एक भारतीय माइक्रो सैटेलाइट और एक नैनो सैटेलाइट के अलावा 28 छोटे विदेशी उपग्रह हैं। यह इसरो का 42वां और साल 2018 का पहला मिशन है। इसके जरिए भेजा गया कार्टोसैट सैटेलाइट अपनी कक्षा में पहुंच गया है। ये सैटेलाइट न सिर्फ भारत के सरहदी और पड़ोस के इलाकों पर अपनी पैनी नजर रखेगा बल्कि स्मार्ट सिटी नेटवर्क की योजनाओं में भी मददगार रहेगा। ये सैटेलाइट 500 किमी से भी ज्यादा ऊंचाई से सरहदों के करीब दुश्मन की सेना के खड़े टैंकों की गिनती कर सकता है। भारत के पास पहले से ऐसे पांच रिमोट सेंसिग सैटेलाइट मौजूद हैं। पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना द्वारा की गई सिंजकल स्ट्राइक में दुश्मन ठिकाने की सटीक

जानकारी कार्टोसैट उपग्रह से ही मिली थी। अब कार्टोसैट श्रंखला के तीसरे सफल प्रक्षेपण के बाद देश की सैन्य निरीक्षण क्षमता में भारी इजाफा होगा। पीएसएलवी पर कार्टोसैट-2 के अलावा जो उपग्रह गए हैं, उनमें से 28 सैटेलाइट अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा, फिनलैंड और दक्षिण कोरिया के हैं, जिनमें अकेले अमेरिका के 19 सैटेलाइट हैं। कार्टोसैट 2 सैटेलाइट सीरीज एक निगरानी उपग्रह है, जिसकी मदद से अब डिफेंस और कृषि क्षेत्र की तत्काल जानकारी मिलेगी। इसका इस्तेमाल तटीय क्षेत्रों और शहरों की निगरानी के लिए किया जाएगा। कार्टोसैट 2 सैटेलाइट सीरीज में हाई रेजुलेशन कैमरा लगा है, जिससे खींची फोटो का इस्तेमाल किया जाएगा। कार्टोसैट-2 श्रृंखला के इस उपग्रह के प्रक्षेपण के साथ ही भारत की अंतरिक्ष और अधिक पैनी और व्यापक होने जा रही है। हालिया रिमोट सेंसिग उपग्रह की विभेदन क्षमता 0.6 मीटर की है। इसका अर्थ यह है कि यह छोटी चीजों की तस्वीरें ले सकता है। रिमोट सेंसिग कार्टोसैट-2 श्रृंखला के उपग्रह का वजन 710 किलोग्राम है। इसके साथ सह यात्री उपग्रह भी है, जिसमें 100 किलोग्राम का माइक्रो और 10 किलोग्राम का भारतीय नैनो उपग्रह भी शामिल हैं, बाकी सभी सह यात्री उपग्रहों का कुल वजन करीब 613 किलोग्राम है। पीएसएलवी से प्रक्षेपण का खर्च लगभग 100 करोड़ रु पये आता है। पिछले साल ही अंतरिक्ष इतिहास में पहली बार 7 देशों के 104 उपग्रह एक साथ प्रक्षेपित करके इसरो ने इतिहास रच दिया था। ग्लोबल सैटेलाइट मार्केट में भारत की हिस्सेदारी बढ.रही है। अभी यह इंडस्ट्री लगभग 200 अरब डालर की है। फिलहाल इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी 41 फीसद की है। छोटे उपग्रहों को लॉन्च करने में महारत हासिल कर चुकी इसरो ने अब तक सैटेलाइट लॉन्चिग के जरिए 631 करोड़ की कमाई की है।कोर्टोसैट -2 श्रृंखला के उपग्रह के सफल प्रक्षेपण से भारत को कई फायदे होंगे, जिसमें अब भारत में किसी भी जगह को अंतरिक्ष से देखने की क्षमता भी हासिल होगी।

कार्टोसैट-2 सीरीज के उपग्रहों में पैनक्रोमैटिक और मल्टीस्पेक्ट्रल इमेज सेंसर लगे हैं। इनसे रिमोट सेंसिग में भारत की काबिलियत सुधरेगी। इन उपग्रहों से मिले डाटा का इस्तेमाल सड़क निर्माण के काम पर निगरानी रखने, बेहतर लैंड यूज और जल वितरण के लिए होगा। इसके साथ ही अंतरिक्ष से हाई रिजोल्यूशन की तस्वीर मुमकिन होगी। दुश्मनों के सैनिक ठिकानों में गाड़ियों तक की तादाद बताने में ये उपग्रह कारगर हैं। लिहाजा रक्षा क्षेत्र में भी इन उपग्रहों की खासी अहमियत है। सरकार का इरादा कार्टोसैट सैटेलाइट्स को शहरी विकास और स्मार्ट सिटी के विकास की योजनाओं में भी इस्तेमाल करने का है। साथ ही इनके जरिये पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर भी नजर रखी जा सकेगी। भारत अंतरिक्ष विज्ञान में नई सफलताएं हासिल कर विकास को अधिक गति दे सकता है। देश में गरीबी दूर करने और विकसित भारत के सपने को पूरा करने में इसरो काफी मददगार साबित हो सकता है।

स्पीड न्यूज

साईं देवस्थानम् में 9 से 17 तक नवरात्रि महोत्सव

जमशेदपुर। साई परिवार विश्व सेवा संसथान , जमशेदपुर के तत्वावधान में श्री साईनाथ देवस्थानम, घोड़ाबांधा में 9 से 17 अप्रैल तक चैत्र नवरात्री महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। मां की आराधना श्री शिवालय स्थित मातारानी की प्रतिष्ठित मंदिर में की जायेगी। नौ दिवसीय कार्यक्रम में पूजन, भजन, हवन, महाआरती एवं प्रसाद जैसे विभिन्न अनुष्ठान होंगे। 9 अप्रैल प्रात :7 बजे कलश स्थापन पूजन अनुष्ठान प्रारंभ किया जायेगा। तत्पश्चात प्रत्येक दिन का पूजा सुबह 7 बजे, पुष्पांजलि सुबह 8.45 बजे , मंगल आरती सुबह 9 बजे एवं संध्या आरती रात्रि 7 बजे होगी।

आज साकची बंगाल क्लब में सजेगा माता का दरबार

जमशेदपुर। साकची बंगाल क्लब में मंगलवार 02 अप्रैल को श्री जीण माता का भव्य 18वां वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा, जिसकी सभी तैयारियां पुरी की ली गयी है। इसका आयोजन श्री जीण माता परिवार जमशेदपुर द्वारा किया गया हैं। क्लब के एसी हॉल में दोपहर 03 बजे से मां भवानी जीण शक्ति का मंगल पाठ और संध्या साढ़े आठ (08.30) बजे से भजनों की अमृत वर्षा होगी। इससे पहले दोपहर 2 बजे से जीण माता की पूजा और अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित होगी।

रिश्ता देखने जा रही मामी की सड़क हादसे में मौत

चांडिल। सोमवार को चौका थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर दिरलोंग के पास एक बाइक सवार ने दूसरे बाइक सवार को पिछे से टक्कर मार दिया। जिससे एक महिला अंबिका उरांव 35 वर्ष की मौत हो गयी। बाइक सवार ईंचागढ के बुधालोंग निवासी मृत्युंजय उरांव अपने पत्नी अंबिका उरांव के साथ बाइक पर अपनी भगनी का रिश्ता देखने बुंडू जा रहा था। इसी दौरान बाइक पर तेज रफ्तार से आ रहे दिरलोंग निवासी सुकुमार सिंह मुंडा ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया।

अधिवेशन में झारखंड को मिले 61 पुरस्कार

जमशेदपुर। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में झारखंड प्रदेश को विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु 61 पुरस्कार मिले। पारसनाथ के विशाल गुणायान सभागार में सफलतापूर्वक संपन्न हुए इस अधिवेशन में झारखंड प्रांत की अध्यक्ष मंजू खंडेलवाल (काशीडीह निवासी) को स्वर्गीय सुशीला मोहनका स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। झारखंड प्रदेश को कतरास में दिव्यांगों के लिए खोले गये एक दुकान, उत्कृष्ट प्रदेश अध्यक्ष, अधिवेशन, स्वागतध्यक्ष, एक भागवत ऐसी भी उत्कृष्ट धार्मिक अनुष्ठान, अधिवेशन में सर्वाधिक सहयोग तथा सर्वाधिक उपस्थिति हेतु पुरस्कार मिला।

टेल्को क्लब के साथ स्विमिंग क्लब शुरू

जमशेदपुर। गुलमोहर हाई स्कूल को यह घोषणा करते हुए हर्ष हो रहा है कि उसने टेल्को क्लब के सहयोग से अपने स्विमिंग क्लब का उद्घाटन किया है। 1 अप्रैल 2024 को आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राकेश सारंगी, महाप्रबंधक- केंद्रीय रखरखाव और प्रबंध समिति के अन्य गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिभागियों और छात्रों के अभिभावकों का स्वागत किया गया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत माननीय मुख्य अतिथि, प्रिंसिपल मैडम, वाइस प्रिंसिपल मैडम, अभिभावकों और छात्रों सहित सभी उपस्थित लोगों को हार्दिक बधाई के साथ हुई। राकेश सारंगी को गुलमोहर हाई स्कूल के छात्रों के लिए स्विमिंग क्लब की संकल्पना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। स्विमिंग क्लब का आधिकारिक उद्घाटन राकेश सारंगी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के नेतृत्व में रिबन काटकर किया गया। इसके बाद, कक्षा 6 बी की सिमरन ने स्विमिंग क्लब का हिस्सा बनने के बारे में अपने उत्साह और भावनाओं को साझा किया, जो छात्रों के बीच उत्साह को दर्शाता है।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नयी स्क्वैश फैसिलिटी का उद्घाटन

खबर मन्त्र ब्यूरो

- टाटा स्टील के सीईओ और एमडी ने नयी सुविधा की लोकार्पित
- खेल इंफ्रास्ट्रक्टर में एक नया खेल छात्रावास भी शामिल किया गया

नई स्क्वैश सुविधा का उद्घाटन करते टीवी नरेंद्रन, बगल में महासचिव सतीश सिंह, अध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी, दायीं ओर वीपी चाणक्य चौधरी, वीपी एचआरएम अग्रेई सन्याल, डिप्टी प्रेसिडेंट शैलेश, मुकुल विनायक चौधरी व उज्जवल कुमार।

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने खेल को बढ़ावा देने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आज जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक नई स्क्वैश फैसिलिटी का उद्घाटन किया। नई फैसिलिटी, जो कि जमशेदपुर में अपनी तरह की पहली सुविधा है, समुदाय के आम लोगों को पहुंच प्रदान करेगी। अब तक, दो निजी क्लबों, बेल्डीह और गोलमुरी में लगभग 30 खिलाड़ियों के लिए स्क्वैश कोर्ट हैं। नये स्क्वैश कोर्ट को वर्ल्ड स्क्वैश फेडरेशन (डब्ल्यूएसएफ) के अनुसार अंतरराष्ट्रीय सिंगल स्क्वैश कोर्ट डिजाइन मापदंडों और दिशानिदेर्शों के आधार पर डिजाइन किया गया है, जिसमें कोर्ट का आकार 6.4 मीटर गुणा 9.75 मीटर, कोर्ट की स्पष्ट ऊंचाई 5.65 मीटर और रोशनी का स्तर 1000 एलयूएक्स है। सीईओ और प्रबंध निदेशक ने जोर देकर कहा कि टाटा स्टील खेल उत्कृष्टता के स्तर को ऊपर उठाने के लिए लगातार प्रयासरत है और इस क्षेत्र में अपने योगदान पर बहुत गर्व महसूस करती है। मुझे उम्मीद है कि नयी सुविधा कंपनी की विरासत को मजबूत करेगी और उभरती प्रतिभाओं को पोषित करने और समुदाय में खेल के प्रति उत्साह को पुनर्जीवित करने में सहायक साबित होगी। स्क्वैश कोर्ट की तकनीकी विशिष्टताओं में इम्पोर्टेड हार्ड मेपल वुड से बने बायो-कुश वुडेन स्पोर्ट्स फ़्लोरिंग सिस्टम की स्थापना, वर्ल्ड स्क्वैश फेडरेशन द्वारा प्रमाणित बाउंसवेल / रिबाउंड हार्ड प्लास्टर सिस्टम और डब्ल्यूएसएफ आवश्यकताओं को पूरा करने वाला एक फ्री-स्टैंडिंग क्लियर टफ ग्लास बैक वॉल सिस्टम शामिल है।

अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्क्वैश सुविधा का लाभ उठाने के लिए शुरुआती तीन महीनों के लिए एक विशेष प्रारंभिक पेशकश की जा रही है। प्रस्तावित सदस्यता शुल्क नीचे उल्लिखित हैं :

क्रम संख्या	सदस्यता शुल्क	दर/मासिक	दर / त्रैमासिक	दर / अर्धवार्षिक	दर/वार्षिक
1	अर्ली बर्ड ऑफर (पहले तीन महीने)	400/-	1100/-	2000/-	3600/-
2	मानक दर	500/-	1400/-	2700/-	4800/-

नया खेल छात्रावास : सीईओ और एमडी जेआरडी टाटा स्पॉर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक नए स्पोर्ट्स हॉस्टल के भूमि पूजन समारोह के मुख्य अतिथि भी थे। मौजूदा स्पोर्ट्स हॉस्टल में टाटा तीरंदाजी अकादमी (टीएए) और टीएसएएफ स्पोर्ट क्लाइंबिंग अकादमी (टीएसएएफएससीए) के 32 प्रशिक्षु कैडेट और एथलीट रहते हैं। निवासी विभिन्न आयु वर्ग और लिंग के हैं। इस विस्तारीकरण से क्षमता 32 से बढ़कर 66 हो जायेगी और लड़कों और लड़कियों तथा नाबालिग और वयस्क कैडेटों के लिए अलग-अलग विंग बनाने की सुविधा मिलेगी। नया छात्रावास एथलेटिक्स और फुटबॉल के प्रशिक्षुओं और एथलीटों को भी समायोजित करेगा।

टाटा स्टील के 18 स्थापित स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर अपनी विश्व स्तरीय सुविधाओं और शीर्ष स्तर के कोचिंग स्टाफ के लिए प्रसिद्ध हैं, जो कई एथलीटों के करियर को आकार देने और देश में खेलों के समग्र विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उद्घाटित नया स्क्वैश कोर्ट 19 वीं प्रशिक्षण सुविधा होगी और यह जमशेदपुर के लोगों को दी जाने वाली खेल सुविधाओं में एक बहुमूल्य जुड़ाव है, जो सभी खेल प्रेमियों को खेल का सर्वश्रेष्ठ माहौल प्रदान करेगा।

कौन-कौन खेल है शामिल

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, गोल्फ, हैंडबॉल, घुड़सवारी, कबड्डी, कराटे, रोल बॉल और स्केटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, टेनिस और वॉलीबॉल के प्रशिक्षण केंद्र हैं। अन्य सुविधाओं में योग केंद्र, जुम्बा, स्टीलिम जिम, बॉडीलाइन जिम, पावर-प्लस जिम, वॉकिंग ट्रैक आदि शामिल हैं।

डीसी अनन्य मित्तल के निर्देश पर व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा जांच अभियान

भारी मात्रा में शराब और 10 लाख रुपये से ज्यादा नगद भी बरामद

- चेकनाकों पर वाहनों की सघन जांच के अलावा अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध हुई कार्रवाई

खबर मन्त्र ब्यूरो

जब्त शराब के साथ अधिकारीगण और पटमदा के एक चेक नाके का निरीक्षण करते सीनियर एसपी किशोर कौशल। साथ में ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग।

जमशेदपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 को स्वच्छ, पारदर्शी एवं स्वतंत्र रूप से संपादित कराने के उद्देश्य से जिला अंतर्गत सभी प्रखंडों एवं चेकनाकाओं में जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध जांच एवं सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। दोनों अनुमंडल के अनुमंडल पदाधिकारी एवं सीओ द्वारा अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध जांच में बड़ी सफलता हाथ लगी।

एसडीओ घाटशिला के नेतृत्व में बहरागोड़ा में चलाये गए छापेमारी अभियान में 123 लीटर शराब बरामद हुआ जिसका बाजार मूल्य करीब 90 हजार रू. है। अंचल अधिकारी पटमदा एवं कमलपुर थाना प्रभारी ने छापेमारी कर पटमदा अंचल के कमलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कश्मार पंचायत के ग्राम गोलकाटा में अवैध शराब भट्टी को ध्वस्त कराया। वहीं बीडीओ सह सीओ गुड़ाबांदा ने थाना प्रभारी के साथ छापेमारी अभियान चलाते हुए गुड़ा ग्राम से अवैध महुआ शराब बनाने की भट्ठी को ध्वस्त कराया।

घाटशिला एसडीओ द्वारा की गई एक अन्य कार्रवाई में धालभूमगढ़ प्रखंड में सरकारी शराब दुकान के आड़ में नकली शराब का टैग, राशि का टैग, लेवल, सील स्टिकर, 857 से ज्यादा खाली बोतलें, ढक्कन, 14.5 ली. स्प्रीट, 31 रम बोतल के साथ साथ 461200=00(चार लाख इकसठ हजार दो सौ रुपये) बरामद किया गया। वहीं वाहन जांच के क्रम में कमलपुर थाना, पटमदा प्रखण्ड स्थित चेकनाका पर एक वाहन से 5 लाख 51 हजार रुपये बरामद किया गया। इस मामले में अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है।

एसएसपी ने पटमदा, बोड़ाम में चेक नाकों का किया निरीक्षण

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। शांतिपूर्ण माहौल में लोकसभा चुनाव- 2024 संपन्न कराने हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक के द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, पुलिस उपाधीक्षक पटमदा के साथ ग्रामीण थाना क्षेत्र अंतर्गत पटमदा, बोड़ाम, कमलपुर के क्लस्टर एवं बूथो का निरीक्षण किया गया साथ ही साथ कमलपुर थाना स्थित अंतर्राज्यीय चेक नाका का निरीक्षण करते हुए प्रतिनियुक्त कर्मियों को वाहन जांच के दौरान मादक पदार्थ, नकदी एवं अवैध शराब आदि सामानों की गहनता से जांच करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। चेकिंग के दौरान एक चार पहिया वाहन से 5.55 लाख रुपए नकद की जब्ती भी की गयी।

बहुत तंग करती थी पत्नी ज्योति इसलिए उसे मैंने मरवा दिया...

- ज्योति हत्याकांड का सरायकेला पुलिस ने किया खुलासा
- पति रवि अग्रवाल समेत चार गिरफ्तार, असलहा बरामद

खबर मन्त्र ब्यूरो

गिरफ्तार अभियुक्त रवि अग्रवाल व अपराधियों को प्रेस के सामने पेश करते एसपी प्रवीण टोप्पो।

जमशेदपुर। आखिर वहीं सच सामने आया जिसकी आशंका परिजनों ने व्यक्त की थी। सोनारी आस्था हाई टेक सिटी निवासी रवि अग्रवाल और उसकी पत्नी ज्योति के बीच कई वर्षों से चल रही किच-किच ने आखिर एक व्यापारी को अपराधी बना दिया। कांदरबेड़ा के मिनी पंजाब ढाबा से खाना खा कर लौट रहा रवि अग्रवाल और दो बच्चों की मौजूदगी में हत्यारों ने ज्योति की गोली मार कर हत्या कर दी थी। 48 घंटे के भीतर सरायकेला पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा कर दिया और हत्या के लिए शूटरो को सुपारी देने के आरोप में रवि अग्रवाल और उसकी निशानदेही पर तीन अपराधियों को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर लिया। सरायकेला-खरसावां जिले के एसपी प्रवीण टोप्पो ने आज पत्रकारों के सामने हत्याकांड में गिरफ्तार रवि अग्रवाल और तीन अन्य अपराधियों को पेश किया।

झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के छठे स्थापना दिवस पर 55 यूनिट रक्तदान

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक ने 1अप्रैल 2024 को अपना छठवा स्थापना दिवस मनाया कइस अवसर पर सिंहभूम क्षेत्रीय कार्यालय में सुबह 9:30 बजे से रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीकांत कटारे तथा प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन, जमशेदपुर ब्लड सेंटर के कोऑर्डिनेटर अरिजीत सरकार के नेतृत्व में 12 सदस्यों की मेडिकल टीम ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में बैंक के स्टाफ तथा ग्राहकों ने 55 यूनिट ब्लड डोनेट किये। शिविर का उद्देश्य कई लोगों की जिंदगियां बचाने वालों को धन्यवाद देना, साथ ही ज्यादा लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना भी है। 18 से 65 वर्ष की आयु के बीच कोई भी व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। बैंक के महीने भर चलने वाले स्थापना दिवस माह में ग्राहक सम्मान करना, स्वच्छता, स्वास्थ्य, वृक्षारोपण करना, में प्रतिभाशाली छात्रों को पुरस्कृत करना है।

कदमा में तेंदुआ की कोई निशानी नहीं,वायरल विडियो फेक : डीसी

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर शहरी क्षेत्र अन्तर्गत कदमा एवं सोनारी क्षेत्र में तेन्दुआ की मौजूदगी से जुड़ा फेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। पिछले दो दिनों में वन विभाग के विशेषज्ञों की टीम एवं भारतीय वन्य संस्थान के विशेषज्ञों ने जांचोंपरांत पाया कि यहां तेंदुआ की मौजूदगी के कोई निशान नहीं हैं। जिला प्रशासन सोशल मीडिया पर वायरल किये जा रहे फेक वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। डीसी अनन्य मित्तल ने बताया है कि आम जनता अपने दिनचर्या से संबंधित कार्यों का निष्पादन सुचारू रूप से कर सकते हैं। किसी भी जंगली जानवर को देखे जाने की स्थिति में या किसी प्रकार की सूचना के लिए प्रशासन पूर्ण रूप से सचेत एवं सतर्क है। जिला प्रशासन ने कहा कि किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर निम्न मोबाईल नंम्बर पर संपर्क कर जानकारी साझा कर सकते है :- 89877 90334 - वन प्रमंडल पदाधिकारी, जमशेदपुर, 97712 83269- वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी, मानगो वन प्रक्षेत्र।

सी-विजिल एप पर करें आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत

खबर मन्त्र ब्यूरो

- 100 मिनट के अंदर होगी कार्रवाई
- जागरूक बनें और चुनाव के निष्पक्ष संपादन में प्रशासन का सहयोग करें : डीसी

जमशेदपुर। लोकसभा चुनाव 2024 में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करने में आयोग के साथ साथ मतदाताओं की भी सजग भूमिका जरूरी है। जब तक मतदाता चुनाव में प्रलोभन देने के हथकंडों को आंख बंद करके यूं ही देखते रहेंगे, तब तक इस पर रोक लगाना संभव नहीं है। इसके लिए चुनाव आयोग ने तकनीक का इस्तेमाल करते हुए सी-विजिल मोबाइल एप मतदाताओं के लिए बनाया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनन्य मित्तल ने बताया कि सी-विजिल ऐप के माध्यम से आम नागरिक आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लघंन की शिकायत कर सकते हैं। मोबाइल के प्ले स्टोर या एप स्टोर से सी-विजिल एप डाउनलोड कर लाइव फोटो अथवा लाइव वीडियो अपलोड कर शिकायत की जा सकती है। आदर्श आचार संहिता के उल्लघंन होने पर सी-विजिल एप में अपने मोबाइल नंबर से लॉग इन कर आम नागरिक अपने शिकायत की सतत निगरानी भी कर सकते हैं।

डीसी अनन्य मित्तल।

क्या नाम और मोबाइल नंबर देना अनिवार्य है : सी-विजिल एप पर शिकायत करने के लिए नाम व मोबाइल नम्बर देने की कोई बाध्यता नहीं है, परन्तु अगर शिकायतकर्ता अपना नाम व मोबाइल नम्बर देते हैं तो शिकायतकर्ता एप के माध्यम से अपनी शिकायत की निगरानी भी कर सकते हैं। अगर शिकायतकर्ता द्वारा अपना नाम एवं मोबाइल नम्बर दिया जाता है तो भी यह सार्वजनिक नहीं हो सकता है। चुनाव आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे बेखौफ होकर आयोग के आंख, नाक और कान बनकर सजक मतदाता की भूमिका निभायें।

शिकायत का निष्पादन कैसे होता है : शिकायत को निष्पादित करने की समयावधि 100 मिनट है। आम नागरिक द्वारा शिकायत दर्ज होने पर रिटर्निंग आफिसर द्वारा अपने नजदीक के उड़नदस्ता टीम (एफएसटी) को शिकायत स्थल पर भेजा जाता है। शिकायत की प्राथमिक तौर पर पुष्टि के बाद रिटर्निंग आफिसर के पोर्टल पर भेजा जाता है तथा रिटर्निंग आफिसर द्वारा शिकायत के निस्तारण के क्रम में निर्णय लिया जाता है। आम तौर पर सी-विजिल एप में धनराशि वितरण, गिफ्ट / कूपन वितरण, शराब वितरण, पैसा बांटने के लिए कूपन का वितरण, महिलाओं को साड़ी बांटने सहित अन्य प्रकार से प्रलोभन की शिकायत की जा सकती है।

एक नजर में

गम्हरिया में चौरसिया परिवार का होली मिलन

गम्हरिया। चौरसिया परिवार गम्हरिया ने साई आंचल के कम्युनिटी हाल में होली मिलन समारोह किया। अध्यक्षता कैलाश चौरसिया ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि समाज के जमशेदपुर चौरसिया परिवार के अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद थे। मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी केएन देव, कमलेश प्रसाद और सुभाष प्रसाद को सम्मानित किया गया। समाज के सहयोग से गरभु बाबा मंदिर निर्माण कराने पर चर्चा हुई। मौके पर एक दूसरे को गुलाल लगाकर सभी ने बधाई दी। अंत में सभी ने पारंपरिक भोजन का लुत्फ उठाया। मौके पर चौरसिया परिवार गम्हरिया के उपाध्यक्ष प्रदीप चौरसिया, महामंत्री मदन मोदी, कोषाध्यक्ष राम विलास प्रसाद, दिनेश प्रसाद, कुमोद प्रसाद, भवेश चौरसिया, महिला सदस्य साधना चौरसिया, सुषमा देवी व काफी संख्या में समाज के लोग थे।

चुनाव में निष्पक्ष पत्रकारिता जरूरी : प्रो दीपक

जमशेदपुर। सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर स्थित श्रीनाथ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने चुनावी माहौल के मद्देनजर एक कार्यक्रम किया, जिसके लिए देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के असिस्टेंट प्रो डॉ दीपक कुमार को आमंत्रित किया गया। भारतीय परंपरा को निभाते हुए डॉ दीपक का स्वागत विवि के कुलपति डॉ एस एन सिंह ने पौधा भेंट कर व अंगवस्त्र देकर किया। डॉ दीपक ने समझाया कि चुनाव के दौरान किस तरीके से एक पत्रकार चौथे स्तंभ की ताकत को दर्शाता है और निष्पक्ष पत्रकारिता करता है। पत्रकारो की जिम्मेदारी ऐसे समय मे बहुत बढ़ जाती है। विद्यार्थी के चुनावी रिपोर्टिंग से जुड़े सभी प्रश्नों के उत्तर भी दिये गये और उनको बेबाक होकर रिपोर्टिंग करने के गुर भी बताया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभाग के विभागाध्यक्ष नर्मदेश चंद्र पाठक और सहायक प्राध्यापक ट्विंकल गुप्ता ने पूरा सहयोग किया। मौके पर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चिन्मया में नर्सरी के अभिभावकों का परिचय सत्र

जमशेदपुर। विद्या भारती चिन्मय विद्यालय में नर्सरी के नये सत्र की शुरूआत हेतु विद्यालय परिसर में सोमवार अप्रैल 2024 को कक्षा नर्सरी के अभिभावकों के लिए ओरिएंटेशन मीटिंग की गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण तथा विद्यालय प्राचार्या मीना विल्खू ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यालय प्राचार्या ने अभिभावकों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने विद्यालय के विजन- मिशन, पाठ्यक्रम, नियमों, विभिन्न क्रियाकलापों और विद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। प्राचार्या ने नई शिक्षा नीति का समर्थन करते हुए पठन-पाठन में चिन्मय दृष्टि कार्यक्रम के माध्यम से उसके अनुप्रयोग पर बल देने की बात कही। उन्होंने अभिभावकों को आश्वस्त किया कि उनके बच्चों के शैक्षिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व वैयक्तिक के साथ संपूर्ण विकास में विद्यालय की भूमिका अहम होगी, जिससे वे अपने समाज, देश व विश्व के उत्थान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने में समर्थ होंगे।

हरिनाम संकीर्तन में शामिल हुए विधायक कालिंदी

पटमदा। जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने सोमवार को पटमदा प्रखंड के कई गांवों में आयोजित हरिनाम संकीर्तन में शामिल होकर मत्था टेका और क्षेत्र की सुख शांति व समृद्धि की कामना की। विधायक ने सबसे पहले पटमदा प्रखंड के महुलबना पंचायत के केंदडीह में महिला समूह द्वारा आयोजित हरिनाम संकीर्तन में शामिल हुए। इसके बाद गेंगाड़ा व आगुईडांगरा गांव में सोलोआना कमेटी द्वारा आयोजित हरिनाम संकीर्तन में शामिल होकर मंदिर में नमन करते हुए खुशहाली की कामना की। इस दौरान विधायक ने बांगुड़दा गांव में आयोजित साधु महोत्सव में भी शामिल हुए। कहा कि हरिनाम संकीर्तन श्रवण से मन को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि हरिनाम का आयोजन से क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है और गांव में सुख समृद्धि के साथ साथ खुशहाली बनी रहती हैं। इस दौरान उन्होंने प्रसाद भी ग्रहण किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू, झामुमो नेता सुभाष कर्मकार, अश्विनी महतो व अन्य कई लोग थे।

जमशेदपुर थोक वस्त्र विक्रेता संघ का होली मिलन संपन्न

जमशेदपुर। कोल्हान के वस्त्र विक्रेताओं के प्रतिनिधि संगठन जमशेदपुर थोक वस्त्र विक्रेता संघ का होली मिलन समारोह आज जुगसलाई स्थित राजस्थान शिव मंदिर में संपन्न हुआ। समारोह में व्यापारियों ने गीत, नृत्य एवं सहभोज का आनंद लिया एवं एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर उपस्थित व्यापारियों को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष अनिल मोदी ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है। होली को व्यापारी वर्ग महोत्सव की तरह मनाते है। वस्त्र विक्रेताओं के लिए होली का विशेष महत्व है। क्योंकि होली रंगों से जुड़ा त्योहार है और वस्त्र व्यापार में रंग व्यापार की विविधता को प्रासंगिक बनाते है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में व्यापारियों को संवाद समन्वय एवं सृजन के साथ आगे बढ़ना है तभी संगठन की उन्नति होगी। उन्होंने होली की शुभ कामना दी।

मुंबई की हार की हैट्रिक राजस्थान 6 विकेट से जीता

बोल्ट-चहल के बाद रियान पराग चमके

एजेंसी

मुंबई। यहां वानखेडे स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 27 गेंद शेष रहते 6 विकेट से हरा दिया। मुंबई इंडियंस की यह लगातार तीसरी हार है। ट्रेंट बोल्ट और युजवेंद्र चहल की घातक गेंदबाजी के बाद रियान पराग की सूझ-बूझ भरी बल्लेबाजी की बदौलत राजस्थान ने 27 गेंद शेष रहते 6 विकेट से जीत दर्ज कर ली। मुंबई इंडियंस की यह लगातार तीसरी हार है वहीं राजस्थान की लगातार तीसरी जीत। अपने घर पर पहले खेलने के बाद मुंबई इंडियंस सिर्फ 125 रन बना सकी थी। इसके बाद मुंबई के गेंदबाजों ने यशस्वी जायसवाल, जोश बटलर और संजू सैमसन को सस्ते में आउट कर दिया था, लेकिन रियाग पराग ने 39 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को मैच जिता दिया।

रोहित जीरो पर आउट

राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को उसके ही होम ग्राउंड में 125 रनों पर समेट दिया। ट्रेंट बोल्ट और युजवेंद्र चहल ने तीन-तीन विकेट चटकाकर शानदार प्रदर्शन किया। नांद्रे बर्गर ने भी दो विकेट अपने नाम किये। आइपीएल के मैच नंबर 14 में मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 125 रन बनाये। मुंबई की शुरूआत बेहद खराब रही। अपने घरेलू मैदान पर टीम शुरूआत में पूरी तरह लड़खड़ा गयी। पहले ओवर की पांचवीं गेंद पर रोहित शर्मा ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर विकेटकीपर संजू सैमसन को कैच थमा बैठे। उस समय मुंबई का स्कोर केवल 1 रन था। इसके बाद तीने नंबर पर बल्लेबाजी करने आये नमन धीर भी गोल्डन डक का शिकार हुए। उन्हें भी बोल्ट ने आउट किया। ईशान किशन ने कुछ बाउंड्री लगाकर राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास किया, लेकिन वह भी 14 गेंद पर 12 रन बनाकर नांद्रे बर्गर की गेंद पर संजू सैमसन के हाथों कैच आउट हो गये। शून्य पर आउट होने वाले मुंबई के तीसरे बल्लेबाज थे डेवाल्ड ब्रेविस। उन्हें भी बोल्ट ने कैच आउट कराया। नांद्रे बर्गर ने उनका कैच लपका। एक समय मुंबई का स्कोर 20-4 पहुंच गया था। वह भी केवल चौथे ओवर में उसके बाद तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या ने टीम को आगे ले जाने का जिम्मा उठाया। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 56 रनों की अर्धशतकीय साझेदारी हुई।

कप्तान पांड्या ने बनाये 34 रन

मुंबई को पांचवां झटका हार्दिक पांड्या के रूप में लगा। उन्होंने 21 गेंद पर 6 चौके की मदद से 34 रन बनाये। उनके आउट होने के बाद पीयूष चावला ब्भी तीन रन बनाकर आवेश खान का शिकार हुए। जब टीम का स्कोर 95 रन था, उस समय तिलक वर्मा 32 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गये। टिम डेविड गेराल्ड कॉर्ट्जी के साथ मिलकर टीम को 100 के आंकड़े के पार पहुंचाया। डेविड 17 रन बनाकर आउट हुए। टीम नौ विकेट पर 125 रन ही बना सकी। यह वानखेड़े में मुंबई का अब तक का सबसे छोटा स्कोर था। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की। पहला ही मुकाबला खेल रहे नांद्रे बर्गर ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने दो विकेट चटकाये। संजू सैमसन ने अपने पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों से ही गेंदबाजी करायी। रविचंद्रन अश्विन अपने चार ओवर में एक भी विकेट नहीं ले पाये। बर्गर ही सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए उन्होंने अपने चार ओवर में 32 रन लुटाये।

प्लेइंग इलेवन: -मुंबई इंडियंस (प्लेइंग इलेवन): ईशान किशन (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नमन धीर, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), टिम डेविड, गेराल्ड कोएत्जी, पीयूष चावला, आकाश मधवाल, जसप्रीत बुमराह, क्वेना मफाका। इंपैक्ट प्लेयर : डेवाल्ड ब्रेविस, नुवान तुषारा, रोमारियो शेफर्ड, नेहल वढेरा, शम्स मुलानी। **राजस्थान रॉयल्स :** यशस्वी जयसवाल, जोस बटलर, संजू सैमसन (विकेटकीपर/कप्तान), रियान पराग, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, अवेश खान, नंद्रे बर्गर, युजवेंद्र चहल। इंपैक्ट प्लेयर : रोवमैन पॉवेल, तनुश कोटियन, कुलदीप सेन, शुभम दुबे, आबिद मुश्ताक।

अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगा बेंगलुरु

एजेंसी

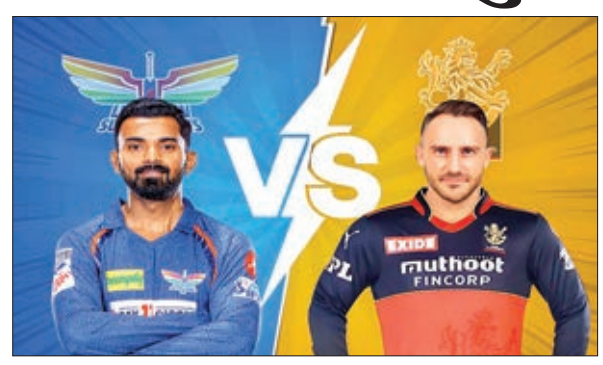

बेंगलुरु। अभी तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखने में नाकाम रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में बेहतर खेल दिखाकर अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। आरसीबी की टीम अभी तीन मैच में दो अंक लेकर अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों करारी हार के कारण उसका नेट रन रेट भी गड़बड़ा गया है। फाफ डु प्लेसी की अगुवाई वाली आरसीबी की टीम को कम करके नहीं आंका जा सकता है लेकिन उसके खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। उसके पास कई स्टार बल्लेबाज हैं लेकिन विराट कोहली को छोड़कर कोई भी अन्य नहीं चल पा रहा है।

आरसीबी को अगर अपना अभियान पटरी पर लाना है तो कोहली के अलावा डु प्लेसी, ग्लेन मैक्सवेल, रजत पाटीदार और कैमरन ग्रीन को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। शीर्ष और मध्यक्रम के इन बल्लेबाजों की असफलता के कारण आरसीबी को अभी तक निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों दिनेश कार्तिक, अनुज रावत और महिपाल लोमरोर पर निर्भर रहना पड़ा है। पाटीदार की खराब फॉर्म जारी है और आरसीबी उनको विश्राम देकर सुयस प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ियों को मौका दे सकता है। आरसीबी की चिंता केवल बल्लेबाजी को लेकर नहीं है क्योंकि उसके मुख्य गेंदबाज भी अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसका तेज गेंदबाजी विभाग मोहम्मद सिराज पर निर्भर है जिन्होंने अभी तक तीन मैच में दो विकेट लिए हैं। यही नहीं वह रनों पर अंकुश लगाने में भी नाकाम रहे हैं। सिराज ने अभी तक 10 रन प्रति ओवर की दर से रन लुटाए हैं। सिराज के साथ नई गेंद संभालने वाले अलजारी जोसेफ ने भी अभी तक केवल एक विकेट लिया है और 9.4 रन प्रति ओवर की दर से रन लुटाए हैं। आरसीबी वेस्टइंडीज के इस तेज गेंदबाज के स्थान पर रीस टॉपले या लॉकी फर्ग्यूसन को अंतिम एकादश में शामिल करने पर विचार कर सकता है। लखनऊ की अपने कप्तान केएल राहुल की फिटनेस को लेकर चिंता बनी हुई है जिनका उपयोग अभी वह इंपैक्ट सब्सीट्यूट के रूप में कर रहा है। उनकी अनुपस्थिति में निकोलस पूरन कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे हैं। यह देखना होगा कि लखनऊ राहुल का उपयोग इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में ही करता है या फिर वह कप्तान, विकेटकीपर और बल्लेबाज की तीनों भूमिकाओं में वापसी करेंगे। यह लखनऊ ही नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए भी अच्छी खबर है कि तेज गेंदबाज मयंक यादव 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे हैं। वह चिन्नास्वामी स्टेडियम में भी अपनी रफ्तार का जादू दिखाने के लिए तैयार होंगे।

संभावित प्लेइंग 11

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : फाफ डू प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, कैमरून ग्रीन, ग्लेन मैक्सवेल, रजत पाटीदार, दिनेश कार्तिक, अनुज रावत (विकेटकीपर), मयंक डागर, लॉकी फर्ग्यूसन, मोहम्मद सिराज, विजयकुमार विशाक

लखनऊ सुपर जाइंट्स : राहुल, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), देवदत्त पडिक्कल, निकोलस पूरन (कप्तान), मार्कस स्टोइनिस, क्रुणाल पंड्या, आयुष बडोनी, रवि बिश्नोई, मोहसिन खान, मयंक यादव, मणिमारन सिद्धार्थ

बीसीसीआइ ने अचानक बुलायी फ्रेंचाइजी मालिकों की बैठक

लिये जा सकते हैं अहम फैसले

एजेंसी

नयी दिल्ली। आईपीएल 2024 का सीजन शुरू हो चुका है और टूर्नामेंट में अबतक 13 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इस बीच, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस टूर्नामेंट में शामिल सभी 10 फ्रेंचाइजी के मालिकों की बैठक बुलाई है। यह बैठक 16 अप्रैल को अहमदाबाद में होगी। इस दिन अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला खेला जाना है। बिन्नी, जय शाह और आईपीएल चेयरमैन बैठक में शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस बैठक के लिए सभी 10 टीमों के मालिकों को आमंत्रण भेजा गया है। हालांकि यह अनुमान लगाया जा रहा है कि टीम मालिकों के साथ उनके सीईओ और ऑपरेशनल टीमें भी बैठक में आ सकती हैं, लेकिन यह मीटिंग कथित तौर पर सिर्फ मालिकों के लिए ही नामित की गई है। इस महत्वपूर्ण बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी, सचिव जय शाह और आईपीएल चेयरमैन अरुण सिंह धूमल भी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक के लिए निमंत्रण आईपीएल के सीईओ हेमांग अमीन द्वारा भेजा गया है। हेमांग ने निमंत्रण में बैठक का एजेंडा स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन अचानक बुलाई गई मीटिंग को देखकर लगता है कि बीसीसीआई अगले साल होने वाली मेगा नीलामी से पहले नीतियों को लेकर अहम फैसले ले सकती है और कई मुख्य चिंताओं को दुरुस्त कर सकती है। इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्र ने बताया कि बैठक में ये आईपीएल को किस तरह आगे बढ़ाना है इस पर चर्चा करेंगे। समझा जाता है कि इस बैठक के दौरान नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रिटेंशन को लेकर चर्चा हो सकती है।

इस मामले को लेकर आईपीएल टीमों की अलग-अलग राय है। कितने खिलाड़ियों को रिटेन किया जाए इसकी संख्या को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है और माना जा रहा है कि बीसीसीआई इस मामले को सुलझाने के लिए बीच का रास्ता निकालेगी। कुछ आईपीएल फ्रेंचाइजी के मालिकों का मानना है कि रिटेंशन की संख्या को बढ़ाना चाहिए। उनका तर्क है कि टीमों ने खुद को स्थापित कर लिया है और अब अपने ब्रांड तथा फैन बेस को मजबूत करने के लिए निरंतरता की जरूरत है। कुछ फ्रेंचाइजी का सुझाव है कि रिटेंशन संख्या को बढ़ाकर आठ कर देना चाहिए। हालांकि, अन्य वर्ग इसका विरोध कर रहा है और इनका कहना है कि रिटेंशन की संख्या को कम करना चाहिए। बैठक के दौरान एक अन्य महत्वपूर्ण बिंदू सैलरी कैप को लेकर भी चर्चा हो सकती है। यह एक ऐसा विषय है जिस पर हमेशा तकरार होती है। बीसीसीआई का भी इसे लेकर मजबूत पक्ष रहा है। पिछले साल हुई मिनी नीलामी में सैलरी कैप 100 करोड़ रुपये था, लेकिन माना जा रहा है कि इसमें बढ़ोत्तरी होगी।

धीमी ओवर गति के लिए दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत पर जुर्माना

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। आईपीएल द्वारा सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ह्लदिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर 31 मार्च को विशाखापत्तनम के डॉ. वाईएस राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2024 मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुमार्ना लगाया गया है। चूँकि न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध था, इसलिए पंत पर 12 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने चेन्नई को 20 रन से हराकर लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस मुकाबले में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए डेविड वार्नर (52) और कप्तान ऋषभ पंत (51) के अर्धशतकों व पृथ्वी शॉ (27 गेंद 43 रन, 4 चौके, 2 छक्के) की तेज पारी की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 191 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 171 रन ही बना सकी।

झारखंड वुशु टीम ने जीते सात पदक

जम्मू में संपन्न हुई 23वी सब जूनियर नेशनल वुशु प्रतियोगिता और खेलो इंडिया सब जूनियर /जूनियर वुशु प्रतियोगिता

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जम्मू के जम्मू यूनिवर्सिटी में चल रहें सब जूनियर नेशनल वुशु प्रतियोगिता और खेलो इंडिया सब जूनियर / जूनियर वुशु प्रतियोगिता.का समापन हो गया। प्रतियोगिताओं का आयोजन 26 से 31 मार्च तक हुआ जिसमे भारत के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने शिरकत किये और पदक जीते। झारखण्ड की तरफ से खेलते हुए नैयर शान अहमद और श्रेया कुमरी ने कांस्य पदक जबकि उज्जवल पाल ने सिल्वर और काँस्य पदक जीता। जबकि खेलो इंडिया में कशिश राज और शीतल कुमारी ने सिल्वर और रौशनी कुमारी ने काँस्य पदक जीता। झारखण्ड दल की इस सफलता पर झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के प्रेसिडेंट प्रदीप वर्मा, चंचल भट्टाचार्य, मिथलेश साहू, डॉ अंशु साहू, शशिकांत पांडे, रजि अहमद, डॉ कविता सिंह ,उदय साहू, वाहिद अली, शैलेन्द्र कुमार, शैलेन्द्र दुबे, रत्नेश कुमार, दीपक गोप ,डॉ मुकुंद मेहता, अभय कुमार सिंह,प्रियदर्शी अमर, पंकज कुमार, सुनील सूर्यांत, आशीष गोप, शिवेंद्र दुबे आदि ने शुभकामनायें दी है।

डीएसएफ ने राष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का किया शुभारम्भ

मुंबई (हि.स.)। भारत की अग्रणी खेल प्रौद्योगिकी कंपनी-ड्रीम स्पोर्ट्स की शाखा- ड्रीम स्पोर्ट्स फाउंडेशन (डीएसएफ) ने सोमवार को अप्रैल और मई में एक राष्ट्रीय स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट- ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप (डीएससी) के लॉन्च की घोषणा की। इस चैंपियनशिप में भारत के छह प्रमुख फुटबॉल सेंटर शामिल होंगे। खास बात यह है कि देश की एकमात्र दूसरी ऐसी अंडर-17 फुटबॉल प्रतियोगिता के रूप में, डीएससी अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता रखने वाले युवा फुटबॉलरों की पहचान करने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा। प्रमुख एआईएफएफ-मान्यता प्राप्त क्लबों और अकादमियों की टीमों को लेकर आयोजित होने वाली यह प्रतियोगिता भारतीय फुटबॉल में यूथ-बेस्ड कम्पटीशन को ऊपर उठाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इसके माध्यम से महत्वाकांक्षी चैंपियनों को उच्चतम स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान किया जा रहा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की भागीदारी के साथ यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों को जून में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय शिविर के लिए चयन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

हॉकी इंडिया ने महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए की 60 सदस्यीय दल की घोषणा

बेंगलुरु (हि.स.)। हॉकी इंडिया ने सोमवार को 1 से 7 अप्रैल तक चलने वाले मूल्यांकन शिविर के लिए 60 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की है, शिविर का आयोजन साई, बेंगलुरु में किया जा रहा है। 6 और 7 अप्रैल को चयन परीक्षण आयोजित कर 33 खिलाड़ियों को चुना जाएगा, जो भविष्य के कोचिंग शिविरों और अंतराष्ट्रीय एक्सपोजर टूर में हिस्सा लेंगे। पुणे में हाल ही में संपन्न 14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बाद 60 खिलाड़ियों के कोर ग्रुप को शॉर्टलिस्ट किया गया है। यह चयन पूरे टूर्नामेंट में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न राज्यों की होनहार प्रतिभाओं की पहचान करता है। इन खिलाड़ियों पर अब कड़ी निगरानी रखी जाएगी क्योंकि वे भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अंतिम 33 सदस्यीय कोर संभावितों में जगह बनाने की होड़ में हैं। जब तक एक उपयुक्त मुख्य कोच की नियुक्ति नहीं हो जाती, खिलाड़ी महिला हॉकी टीम की कोच अंकिता बी.एस. को रिपोर्ट करेंगी। हॉकी इंडिया के हाई परफॉर्मेंस निदेशक हरमन क्रूज ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, ह्ल14वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप सोने की खान साबित हुई है। हमने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में टीमों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चुना है, भले ही वे राष्ट्रीय सेटअप में पहले से शामिल रहे हों। अब हमारे पास ऐसे खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है जो राष्ट्रीय टीम में रहे हैं और ऐसे खिलाड़ियों ने जिन्होंने अपार क्षमता का प्रदर्शन किया है। आगे का उद्देश्य भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य संभावित खिलाड़ियों के लिए सर्वश्रेष्ठ 33 खिलाड़ियों को चुनना है।

60 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम: गोलकीपर:- सविता, सोनल मिंज, बिचू देवी खारीबाम, माधुरी किंडो, बंसारी सोलंकी, प्रोमिला कर, राम्या कुरमापु।

डिफेंडर्स: उदिता, निक्की प्रधान, रोपनी कुमारी, लालह्लुनमावी, प्रीति, टी सुमन देवी, अंजना डुंगडुंग, निशी यादव।

मिडफील्डर:- मोनिका, सोनिका, नेहा, महिमा चौधरी, निशा, ज्योति, सलीमा टेटे, मनश्री शेडेज, अक्षता अबासो ढेकाले, लालरुअतफेली, मरीना लालरामनघाकी, प्रभलीन कौर, मनीषा चौहान, इशिका चौधरी, रितान्या साहू, ज्योति छत्री, अजमीना कुजूर, सुजाता कुजूर, कृतिका एसपी, महिमा टेटे, ममता भट्ट, एडुला ज्योति, अनिशा डुंगडुंग, भावना खाड़े, मैक्सिमा टोप्पो।

फॉरवर्ड:- दीपिका, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, दीपिका सोरेंग, संगीता कुमारी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुताजा दादासो पिसल, लालरिंदिकी, लालरेमसियामी, वर्तिका रावत, प्रीति दुबे, रितिका सिंह, मारियाना कुजूर, मुमताज खान, तरणप्रीत कौर, बलजीत कौर, वंदना कटारिया, दीपी मोनिका टोप्पो, काजल एस अटपडकर, मंजू चौरसिया।

आइपीएल में 200 मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होंगे अश्विन

धोनी, कोहली के क्लब में शामिल होने का मौका

एजेंसी

नयी दिल्ली। इस सीजन अबतक अजेय चल रही राजस्थान रॉयल्स की टीम का सामना आज वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से होगा। इस मैच में राजस्थान के स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के पास एक अनोखी उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। अश्विन को अगर मुंबई के खिलाफ प्लेइंग-11 में मौका मिला तो वह आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जाएंगे। अश्विन ने आईपीएल 2024 के मौजूदा सीजन में राजस्थान रॉयल्स के लिए शुरूआती दोनों मुकाबले खेले हैं। अगर वह आज मैच में उतरे तो अश्विन आईपीएल इतिहास के 10वें खिलाड़ी होंगे जिसने इस टूर्नामेंट में 200 या इससे अधिक मुकाबले खेले हैं। इस 37 वर्षीय स्पिनर ने 2009 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए डेब्यू किया था। अश्विन अबतक इस टूर्नामेंट में 199 मैच खेल चुके हैं और उन्होंने 743 रन बनाए हैं, जबकि 172 विकेट लिए हैं। वह आईपीएल इतिहास के पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अश्विन से पहले सीएसके के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और रॉयल चैलेंजर्स के पूर्व कप्तान विराट कोहली शामिल हैं। इनके अलावा दिनेश कार्तिक, रवींद्र जडेजा, शिखर धवन, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा और अंबाती रायुडू भी आईपीएल में 200 से अधिक मुकाबले खेलने वालों की सूची में शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा मैच कीरोन पोलार्ड ने खेले हैं।

मुंबई इंडियंस के लिए लंबे समय तक खेल चुके पोलार्ड के नाम 189 मैच हैं, जबकि उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स हैं जिन्होंने आईपीएल में 184 मैच खेले हैं। अबतक कोई भी विदेशी खिलाड़ी आईपीएल में 200 या इससे अधिक मैच नहीं खेल सका है।

पांच फ्रेंचाइजी का किया है प्रतिनिधित्व

अश्विन ने आईपीएल में पांच टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। सीएसके अलावा अश्विन इस टूर्नामेंट में राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स, किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स), दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल चुके हैं। अश्विन 2022 की मेगा नीलामी में राजस्थान के साथ जुड़े थे।

अश्विन 2010 और 2011 में आईपीएल की विजेता चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने 2018 और 2019 में पंजाब की कप्तानी भी की है। राजस्थान के लिए वह 32 आईपीएल मैच खेल चुके हैं और उन्होंने इस दौरान 27 विकेट लिए हैं। इसके अलावा वह राजस्थान के लिए 287 रन भी बना चुके हैं। राजस्थान के पिछले मैच में अश्विन को पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया और उन्होंने 19 गेंदों पर तीन छक्कों की मदद से 29 रन बनाए थे।

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी

खिलाड़ी	मैच
महेंद्र सिंह धोनी	253
रोहित शर्मा	245
दिनेश कार्तिक	245
विराट कोहली	240
रवींद्र जडेजा	229
शिखर धवन	220
सुरेश रैना	205
रॉबिन उथप्पा	205
अंबाती रायुडू	204
रविचंद्रन अश्विन	199

जेडीयू को चौंकाएगी कांग्रेस, भागलपुर से कैंडिडेट की रेस में कन्हैया कुमार का नाम

एजेंसी

पटना। बिहार के जिस महागठबंधन को दिखाकर नीतीश कुमार ने देश भर में भाजपा के खिलाफ इंडिया गठबंधन की नींव रखी थी उससे जेडीयू के निकलने के बाद आपस में भयानक खेल चल रहा है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के चुनाव का नामांकन खत्म होने के बाद बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर महागठबंधन की 5 पार्टियों में समझौता हो सका। 13 लोकसभा पर दावा कर रही तीन लेफ्ट पार्टियों सीपीआई-माले, सीपीआई और सीपीएम को 5 सीट मिली है और वो अपनी हैसियत के हिसाब से पर्याप्त सीट पाकर खुश हैं। असल में खेल हुआ है आरजेडी और कांग्रेस के बीच जो क्रमशः 26 और 9 सीटों पर लड़ेगी।

आरजेडी और कांग्रेस और फिर कांग्रेस के अंदर चल रहे खेल के सबसे बड़े शिकार बने

हैं पूर्णिया से लड़ने को बेताब पप्पू यादव और बेगूसराय लड़ने का मौका गंवा चुके कन्हैया कुमार। पप्पू यादव की पार्टी जाप के कांग्रेस में विलय से प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह असहज हैं। पप्पू आक्रामक राजनीति करते हैं और हमेशा सड़क पर नजर आते हैं। अखिलेश कमरे के अंदर की राजनीति के उस्ताद हैं। पप्पू का आना कांग्रेस में उन्हें खुद के लिए एक खतरा नजर आ रहा है।

कन्हैया कुमार की तो बात तो सब लोग खुले तौर पर करते हैं कि तेजस्वी के सामने कोई दूसरा युवा नेता ना दिखे इसलिए उन्हें बिहार में कम दिखने दिया जाता है। लोग तो यहां तक कहते हैं कि जब 2019 में कन्हैया कुमार बेगूसराय से लड़े तो लालू ने सीपीआई को सीट या समर्थन नहीं दिया (लेफ्ट गठबंधन अलग से लड़ा था लेकिन आरा में माले को आरजेडी ने समर्थन दिया और बदले में पाटलिपुत्र में समर्थन लिया) लेकिन इस बार कन्हैया को कांग्रेस वहां से ना लड़ा दे इसलिए सीट सीपीआई को देकर सीट बंटवारे से पहले डी राजा से पटना में कैंडिडेट का ऐलान करवा दिया गया।

कांग्रेस के कन्हैया को झटका, गिरिराज के बेगूसराय में CPI ने अवधेश राय को टिकट दिया। महागठबंधन में सीट बंटवारे की औपचारिकता पूरी होने के बाद एकमात्र लिस्ट सीपीआई-माले की आई है। कांग्रेस की सूची का इंतजार चल रहा है। सीपीआई, सीपीएम पहले ही कैंडिडेट घोषित कर चुके। आरजेडी का सिंबल बिना लिस्ट के धीरे-धीरे बंट ही रहा है। दूसरे चरण के लिए पांच सीटों पर नामांकन का 4 अप्रैल को आखिरी दिन है। इस चरण में किशनगंज, कटिहार और भागलपुर कांग्रेस को मिली जबकि पूर्णिया और बांका आरजेडी ने अपने पास रखा है। आरजेडी ने पूर्णिया से बाहुबली अवधेश मंडल की पत्नी बीमा भारती और बांका से लालू के पुराने वफादार जयप्रकाश नारायण यादव को टिकट दिया है। कांग्रेस कैंडिडेट चुनने के लिए दिल्ली में बैठक हो चुकी है लेकिन अंतिम फैसला होना बाकी है या फैसले के हिसाब से सबको मनाकर ऐलान करना बाकी है। चर्चा है कि कटिहार से तारिक अनवर और किशनगंज से मौजूदा सांसद मोहम्मद जावेद का टिकट तय है। भागलपुर सीट पर कांग्रेस के अंदर पटना से दिल्ली तक घमासान मचा है।

कन्हैया कुमार के लिए बिहार में नो एंट्री लगा है : मनीष कश्यप

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के नामांकन के लिए अब तीन दिन और बचे हैं इसलिए कांग्रेस की लिस्ट भी अब आने ही वाली होगी। पसंद की सीटों के लिए लालू ने कांग्रेस को जिस तरह तरसाया है उसके जवाब में अगर राहुल गांधी की टीम भागलपुर से कन्हैया को लड़ा देती है तो ये आरजेडी और कांग्रेस के खेल में नया मोड़ लाएगा। सीट बंटवारे में आरजेडी के रवैये से कांग्रेसियों में मायूसी है। इस्तीफे हो रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस कार्यकताओं की निराशा तोड़ने के लिए पार्टी नेतृत्व कोई मैसेज देने की सोचती है कि लालू को करारा जवाब दिया तो कन्हैया की किस्मत चमक सकती है। नहीं तो यू-ट्यूबर मनीष कश्यप ने कहा ही है कि कन्हैया की बिहार में नो एंट्री है।

स्पीड न्यूज

भागलपुर में वृद्ध की मौत

भागलपुर। जिले के सबौर थाना क्षेत्र अंतर्गत दियारा क्षेत्र में सोमवार को शौच करने गए एक 60 वर्षीय वृद्ध की मौत धसना गिरने से हो गई। मृतक की पहचान रानी दियारा क्षेत्र के रहने वाले चंद्र मंडल के रूप में हुई है। मृतक के भतीजे ने बताया कि प्रत्येक दिन की तरह वह सुबह शौच के लिए गंगा किनारे गये थे। आज अचानक धसना गिरने से उनकी मौत हो गई।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चंद्र मंडल किसानी का काम किया करते थे।

बिहार के मधेपुरा जिले में दो बच्चों की झुलसकर मौत

पटना। बिहार में मधेपुरा जिला के सदर थाना क्षेत्र के सकरपुरा बेतौना गांव में सोमवार को अग लगने की घटना में दो मासूम बच्चों की झुलसकर मौत हो गयी। पुलिस के मुताबिक खाना बनाने के दौरान चूल्हे से निकली चिंगारी ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। तेज पछुआ हवा के कारण आग आसपास के कई घरों में फैल गई। पूरे इलाके में चीख पुकार मच गई और लोग जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। दोनों बच्चे आग की तेज लपटों से घिर गए जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गयी। मृतकों में मुरलीगंज के तिनकोनमा गांव निवासी पवन साह का पांच साल का बेटा रिशु कुमार और सदर प्रखंड की रहने वाली सात साल की सुजेता कुमारी शामिल है। पुलिस ने दोनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। आग लगने की घटना में करीब आधा दर्जन घर जल कर राख हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

टेंपो से गिरकर तीन लोग घायल

गढ़वा। गढ़वा-श्री बंशीधर नगर मार्ग पर लातदाग गांव के समीप टैंपू से गिरकर तीन लोग घायल हो गए। घायलों में मेराल थाना के मेराल बाजार निवासी बीरेंद्र पटवा का पुत्र दुर्गेश कुमार 14 वर्ष, राजेश कुमार 30 वर्ष, संजय कुमार 30 वर्ष का नाम शामिल हैं। घटना के बाद सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार ये लोग रमना गांव से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी बीच लातदाग गांव के पास टेंपो से अनियंत्रित होकर गिर गया।

छत से गिरकर घायल

गढ़वा। कांडी थाना क्षेत्र के डुमरसोता गांव निवासी राजू चौधरी 30 वर्ष छत से गिरकर घायल हो गया है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि रात्रि में खाना खाकर छत पर सोया हुआ था। शौच जाने के क्रम में छत से अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया। जिससे गिर वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

सर्पदंश से युवक जख्मी

गढ़वा। मेराल थाना क्षेत्र के बनुआ गांव निवासी रामचंद्र सिंह का पुत्र विशाल सिंह 14 वर्ष सांप काटने से जख्मी हो गया है। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि गाय को चराने घर से दूर जंगल की ओर गया था। इसी दौरान उसे सांप ने काट लिया। घटना के बाद परिजनों के द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना में घायल के दाहिना पैर में गंभीर जख्म का निशान है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताया गया है।

पार्षद के पुत्र की लखनऊ सड़क हादसे में हुई मौत, पार्षद गंभीर

पूर्वी चंपारण। लखनऊ में हुए सड़क हादसे में मोतिहारी नगर निगम वार्ड-40 की वार्ड पार्षद राज कुमारी देवी के बेटे की मौत हो गई,जबकि हादसे में पार्षद समेत 6 अन्य लोग घायल हो गये।बताया जा रहा है कि लखनऊ पीजीआई के गेट पर ही ट्रक ने इन्हे रौंद दिया। जानकारी के अनुसार सीने में इंफेक्शन से पीड़ित वार्ड पार्षद राजकुमारी देवी अपने बेटा ऋतुराज के साथ रविवार को बांद्रा ट्रेन से इलाज के लिए लखनऊ पीजीआई गई थी, जहां सोमवार को पीजीआई अस्पताल के गेट पर ऑटो से पहुंचने के बाद दोनों उतर ही रहे थे कि पीछे से आ रही ट्रक ने कुचल दिया।

कहलगांव विधायक से मांगी 50 लाख रुपए रंगदारी, जान से मारने की दी धमकी

एजेंसी

भागलपुर। जिले के कहलगांव भाजपा विधायक पवन यादव को 50 लाख रुपया रंगदारी और नहीं देने पर जान से मारने की धमकी का फोन एक अनजान नंबर से आया है। बताया जा रहा है कि यह नंबर पाकिस्तान का है। कहलगांव विधायक पवन यादव ने इस मामले में कहा कि सोमवार को 10: 57 बजे उनको एक अनजान नंबर से कॉल आया और कहा कि सतीश यादव तुम्हारा कौन है? विधायक ने कहा कि सतीश यादव मेरा पुत्र है तो फिर उन्होंने 50 लाख रुपए देने की बात कही। विधायक ने कहा कि मजाक से कोई करता होगा। इसके बाद उधर से गाली गलौज अपशब्द भाषा का प्रयोग करना शुरू कर दिया। जिसके बाद उन्होंने कहा कि 50 लाख रुपए दो नहीं तो तुम्हारा बेटा समेत तुमको जान मार देंगे। मामले को लेकर विधायक की ओर से स्थानीय थाना में लिखित आवेदन दिया गया है।

प्रदर्शन कर रहे गेस्ट टीचर पर लाठी चार्ज, कई गिरफ्तार

एजेंसी

पटना। बिहार के सरकारी स्कूलों से गेस्ट टीचर को हटाए जाने के खिलाफ आंदोलन शुरू हो गया है। सोमवार को सैकड़ों की संख्या में गेस्ट टीचर पटना पहुंचे और सड़कों पर प्रदर्शन किया। आन्दोलन कर रहे शिक्षक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास का घेराव करने जा रहे थे। लेकिन, रास्ते में ही पुलिस ने उन्हें न सिर्फ रोक दिया बल्कि लाठी मारकर खदेड़ दिया। इस दौरान कई प्रदर्शनकारी शिक्षकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पूरे बिहार में लगभग 5000 अतिथि शिक्षक हैं जो आज से अपने-अपने स्कूलों से बाहर हो गए हैं। उनकी बहाली सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की घोर कमी होने के दौरान की गई थी। बीपीएससी के शिक्षक भर्ती के बाद नीतीश सरकार के ताजा फैसले से इन्हें हटा दिया गया है। दरअसल बिहार के सरकारी स्कूलों में काम करने वाले 5000 से ज्यादा अतिथि शिक्षक आज से बेरोजगार हो गए हैं। लगभग 6 साल पहले उनकी बहाली तब की गई थी जब सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी के कारण पठन-पाठन में पटरी हो गई थी। शनिवार को शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें हटाने का पत्र जारी किया गया था। माध्यमिक शिक्षा निदेशक कन्हैया प्रसाद ने चिट्ठी भेजकर सभी जिलों के जिला शिक्षा पदाधिकारी को आदेश जारी किया जिसमें कहा गया था कि 1 अप्रैल से अतिथि शिक्षकों की सेवा किसी भी परिस्थिति में नहीं ली जाए। सरकार ने उनकी सेवा को समाप्त कर दी है। सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को अतिथि शिक्षकों से से नहीं लेने का प्रमाण पत्र देने का आदेश भी दिया गया। हालांकि बहाली के समय ही शर्त रखी गयी थी कि बीपीएससी से टीचर बहाली के बाद उनकी सेवा समाप्त कर दी जाएगी।

नित्यानंद राय पहुंचे पटना, बरसे विपक्ष पर

पटना। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सोमवार को पटना पहुंचते ही विपक्ष पर जोरदार हमला करते हुए उन्हें लोकतंत्र का मतलब समझाया। नित्यानंद राय ने कहा कि विपक्ष की रैली पर उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की हत्या करने वाले ही आज लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे है। वह न तो लोकतंत्र को समझते है और न ही संविधान का मतलब। विपक्ष को तो सिर्फ परिवारवाद समझ आता है। उन्होंने कहा परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले विपक्ष का सुपड़ा साफ हो जायेगा। उन्होंने कहा बिहार या अन्य किसी भी राज्य में महागठबंधन के जो लोग हैं उनके घोटाले, भ्रष्टाचार, उनके परिवारवाद की नीति को जनता खूब समझती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र के सही पुजारी प्रधानमंत्री हैं, जिनके नेतृत्व में विकास की गंगा बह रही है और आज लोकतंत्र का जो मूल मंत्र है, जिनको हमारे प्रधानमंत्री ने स्थापित किया है। उन लोगों को कुछ नहीं समझ में आता है। यह लोग संविधान का धज्जियां उड़ाते हैं लोकतंत्र के हत्यारे हैं।

पेज एक का शेष

ढुल्लू अपराधी नहीं ...

कांग्रेस पार्टी बताये कि उसने टैक्स चोरी किया है या नहीं। कांग्रेस बताये कि इनकम टैक्स नोटिस सही है या गलत। एकांग्रेस ने इनकम टैक्स फाइल क्यों नहीं की। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का नाटक करने वाले आप के नेता आज कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं है। राजद सिर से पैर तक भ्रष्टाचार में डूबा है। झामुमो की बुनियाद ही भ्रष्टाचार पर टिकी है।

केजरी को बड़ा ...

सीएम ने दावा करके इस सवाल को टाल दिया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि सीएम के कैंप कार्यालय में कौन काम करता है। उल्लेखनीय है कि विजय नायर आप के कोई छोटे-मोटे स्वयंसेवक नहीं हैं, बल्कि इसके मीडिया और संचार प्रमुख हैं। उन्हें (केजरीवाल को) अलग-अलग व्हाट्सएप चैट भी दिखायी गयी, जिसमें विजय नायर की संलिप्तता दिखायी गयी, जो उनका काफी करीबी सहयोगी था और साथ काम करता था। इडी ने कहा कि डिजिटल सबूतों की प्रामाणिकता पर सवाल का जवाब नहीं दिया है। अपने डिजिटल उपकरणों के पासवर्ड का भी खुलासा नहीं किया। जो साक्ष्य संग्रह को बाधित करता है और गिरफ्तार व्यक्ति के असहयोग को भी दर्शाता है।

कांग्रेस को सुप्रीम...

पीठ के समक्ष बयान देते हुए श्री मेहता ने कहा कि आयकर अपीलों से उत्पन्न मुद्दों पर अभी फैसला सुनाया किया जाना बाकी है, लेकिन मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए आयकर विभाग मामले को तूल नहीं देना चाहता। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग आय कर वसूली मामले में कांग्रेस के खिलाफ कोई कठोर कदम नहीं उठाएगी। शीर्ष अदालत ने उनके इस बयान को रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया। कांग्रेस ने अपनी याचिका में आय कर मूल्यांकन वर्ष 2014-15 से 2016-17 से संबंधित पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू करने को चुनौती दी है।

रिकार्ड 21.75 हजार...

मात्र 164 करोड़ रुपये का मिला कंपनशेसन : वैसे तो झारखंड ने वाणिज्यकर के रूप में 21.75 हजार करोड़ रुपये की वसली कर अपने पैरों पर खड़ा हो गया। परंतु इसमें केंद्र का सहयोग नहीं के बराबर रहा। पिछले वित्तीय वर्ष में जहां केंद्र सरकार ने झारखंड को कंपनसेशन के रूप में 2,064 करोड़ रुपये दिये थे। वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 में मात्र 165 करोड़ रुपये दिये।

देश में इस्पात की...

भारत में इस्पात की मांग बहुत अच्छा है किन्तु एक चिंता की बात है कि चीन की स्थिति उतनी अच्छी नहीं है। वैश्विक बाजार में चीन हर माह 8 मिलियन टन स्टील निर्यात कर रहा है। इससे स्टील प्राइस और मार्जिन पर दबाव बन रहा है। हालांकि अभी भारतीय बाजार में चीन के स्टील का आयात ज्यादा नहीं है, किन्तु अगर यह बढ़ेगा तो हमारे लिए चिंता की बात हो सकती है। टाटा स्टील द्वारा अधिग्रहीत कंपनियों एवं सहयोगी कंपनियों के इंटीग्रेशन प्रोसेस पर नरेंद्रन ने कहा, सब हो गया है। अभी टाटा स्टील बीएसएल का इंटीग्रेशन हुआ है। उषा मार्टिन के स्टील डिवीजन का भी इंटीग्रेशन हो चुका है। नीलांचल तीन साल तक हम इंटीग्रेशन नहीं कर सकते हैं, क्योंकि यही अधिग्रहण की शर्त थी। बाद में उस पर देखेंगे। बाकी अन्य सब सिडरीज टिनप्लेट,टाटा मेटालिक का इंटीग्रेशन हो चुका है। भावी चुनौतियां पर उन्होंने कहा, चैलेंजिग तो था ही क्योंकि हर कंपनी की अपनी पॉलिसी होती है किन्तु इसका फायदा भी है कि इससे इन कंपनियों की परिचालन क्षमता बहुत बढ़ जायेगी। टिनप्लेट और टाटा मेटालिक जैसी कंपनियां स्टॉक मार्केट में लिस्टेड हैं तो बहुत सारे कंपलायेंस हैं ,इश्यू हैं जिस पर हम ध्यान दे रहे हैं। जमशेदपुर में खेल की सुविधाओं के विकास पर कंपनी का निवेश जारी रहेगा। जमशेदपुर जैसे देश में बहुत कम शहर हैं जहां एक ही कंपलेक्स में इतने तरह की खेल सुविधाएं मौजूद हैं।

दो बसों मे अचानक आग लगने से हड़कंप, बाल-बाल बची यात्रियों की जान

एजेंसी

सहरसा। बिहार के सहरसा बस स्टैंड पर खड़ी दो बसों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते दोनों बसें धूं-धूंकर जलने लगीं। इनमें से एक बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। बसों में आग लगने से स्टैंड पर अफरातफरी का माहौल हो गया। अग्निशमन विभाग की तीन गाड़ियों और स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इन बसों में कुछ यात्री बैठे हुए थे। उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक सहरसा के गंगजला चौक स्थित बस स्टैंड पर खड़ी एक बस में अचानक आग लग गई। उसके पास खड़ी दूसरी बस को भी आग ने लपेटे में ले लिया। ये बसें सहरसा से आलमनगर जाने वाली थीं। बस मालिक राजन उर्फ पप्पू सिंह ने बताया कि शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी। एक बस पूरी तरह जलकर राख हो गई, जबकि दूसरी भी काफी जल गई है। आग की वजह से बस स्टैंड पर करीब दो घंटे तक अफरातफरी का माहौल बना रहा। आग लगने के तुरंत बाद अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। मगर रेलवे ढाला पर जाम लगने के कारण अग्निशमन गाड़ियां बहुत देर बाद मौके पर पहुंच पाईं। तब तक आग ने बसों को पूरी तरह अपनी लपेटों में ले लिया था। आग बुझाने में अग्निशमन कर्मियों और लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, घंटे भर बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस दौरान बस स्टैंड पर खड़ी अन्य बसों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया।

डेढ़ माह के नवजात बच्ची के वैक्सीनेशन के बाद हुई मौत,परिजन ने किया हंगामा

अररिया। अररिया सदर अस्पताल में सोमवार को डेढ़ माह की नवजात बच्ची की वैक्सीनेशन के पहले डोज पड़ने के बाद मौत हो गई। वैक्सीनेशन के आधे घंटे के बाद जब नवजात बच्ची की तबियत बिगड़ने लगी तो परिजन पुनः बच्ची को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने बच्ची के स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया, जिसको लेकर परिजनों ने सदर अस्पताल में हंगामा किया। सूचना पर नगर थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और परिजन को समझा बुझाकर शांत कराया गया, जिसके बाद बच्ची का चार सदस्यीय गठित मेडिकल टीम के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया और तत्पश्चात बच्ची के शव को परिजन को सौंप दिया गया। नवजात बच्ची एक माह 19 दिन की थी और खरहैया बस्ती काली बाजार के रहने वाले अमित कुमार की बेटी थी। घटना को लेकर नवजात बच्ची की दादी अनिता झा ने बताया कि उनकी पोती आरूषी एक माह 19 दिन की थी। डेढ़ माह के दौरान टीकाकरण के पहले डोज के तहत आज उसका पांच तरह का वैक्सीनेशन कराया गया। बच्ची को डोज दिए जाने के बाद बच्ची को लेकर घर चली गई, लेकिन इसी दौरान बच्ची की तबियत बिगड़ने लगी, जिसके बाद फिर आनन फानन में सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने वैक्सीनेशन सदर अस्पताल के टीकाकरण केंद्र में होने की बात कही। मामले पर डिस्ट्रिक्ट इम्यूनाइजेशन ऑफिसर डॉ. मोईज ने बताया कि डेढ़ माह की बच्ची को डेढ़ माह पर दिए जाने वाले पेंटावेलेंट का वैक्सीन दिया गया था। उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन से पहले बच्ची पूरी तरह नॉर्मल थी और ऐसा कैसे हो गया, समझ से परे है।

युवती अपहरण मामले में एक को सात वर्षो का सश्रम कारावास

पूर्वी चंपारण। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार ने एक युवती की शादी के नियत से अपहरण मामले में नामजद एक अभियुक्त को सात वर्षो का सश्रम कारावास एवं दस हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है। अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा लखौरा थाना के लखौरा ब्रह्मटोला निवासी देवा सहनी को हुई है। इस मामले में स्थानीय निवासी शिवपूजन प्रसाद ने लखौरा थाना में मामला दर्ज कराते हुए देवा सहनी सहित आठ को नामजद किया था, जिसमें कहा था कि 30 सितंबर 2021 के दोपहर करीब 3 बजे उसके वर्तमान निवास कुंवारी देवी चौक से उसकी बहन रेशमी कुमारी आवश्यक सामान खरीदने बाजार निकली थीं परंतु वह घर वापस नहीं आई। देवा सहनी के घर पूछताछ करने गया तो देवा सहनी घर से गायब था। वह रेशमी कुमारी को शादी के नियत से अपहरण कर कहीं छुपा दिया है। दो माह पूर्व भी वह रेशमी कुमारी का अपहरण कर अपने कैद में रखा था। पुलिस ने अनुसंधान के बाद देवा सहनी के विरूद्ध आरोप पत्र समर्पित किया तथा अन्य अभियुक्तों पर अनुसंधान जारी रखा। वाद विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक विनय कुमार सिंह ने छह गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद धारा 366भादवि में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए है।

विधायक भानु के आगमन पर भाजपा कार्यकताओं ने किया जोरदार स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

विधायक के साथ कार्यकर्ता।

कांडी। प्रखण्ड अंतर्गत लमारी कला गांव स्थित भाजपा के पहाड़ी कार्यालय में सोमवार को पहुंचे भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक भानु प्रताप शाही का भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। भाजपा कार्यालय पहुंचे श्री शाही को भाजपा किसान मोर्चा के गढ़वा जिला मीडिया प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने अंग वस्त्र व गुलदस्ता भेंट कर अभिनंदन किया। कार्यकताओं के साथ बैठक कर भानु प्रताप शाही ने पलामू संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सह सांसद बीडी राम को भारी मतों से लोकसभा भेजकर प्रधानमंत्री के हाथों को मजबूत करने की बात कही। कहा कि आने वाले समय में लमारी पहाड़ी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगा तथा भाजपा को मजबूत करने में यह क्षेत्र महती भूमिका निभाएगा। मौके पर किसान नेता पुष्परंजन, मारुति नंदन सोनी, कांडी ओबीसी मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष रामजन्म प्रसाद, भिखारी साव, करमु साव, कौशल सिंह, शंकर चंद्रवंशी, मुरारी पासवान, रामपावन साहू, नरेश ठाकुर, श्रीराम पांडेय व सुरेंद्र प्रसाद सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

ट्यूशन शिक्षक की लापरवाही से पत्रकार के पुत्र की मौत

बच्चों को ले कर गुरुसिंधु फॉल घूमने गए थे शिक्षक

खबर मन्त्र संवाददाता

सदर अस्पताल में लगी भीड़।

प्रत्युष कुमार तिवारी (फाइल फोटो)।

गढ़वा। ट्यूशन शिक्षक की लापरवाही से पत्रकार के पुत्र की गुरुसिंधु फॉल में डूबने से मौत हो गई। घटना सोमवार दोपहर की है। जानकारी के अनुसार शहर के सहिजना मोहल्ला निवासी पत्रकार प्रिंस धीरज का पुत्र प्रत्युष कुमार तिवारी शहर के संत पॉल स्कूल के 10वीं कक्षा का छात्र था। स्कूल के ही शिक्षक सतीश डुंगडुंग के पास ट्यूशन पढ़ता था। सोमवार को शिक्षक अपने ट्यूशन के 19 छात्र-छात्राओं को लेकर चिनिया स्थित गुरुसिंधू फॉल घूमाने गए थे। इस दौरान शिक्षक की लापरवाही से गहरे पानी में डूब जाने से उसकी मौत हो गई। शिक्षक सतीश ने बताया कि तीन बच्चे नहाने गए थे। उनमें दो लोगों को बचा लिया गया। गहरे पानी में चले जाने के कारण उसे निकालने में देर हो गई। तत्काल उसे चिनियां अस्पताल ले जाया गया। वहां से सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पत्रकार धीरज ने बताया कि वह शिक्षक को कई बार हिदायत दिया था कि प्रत्युष को तैरना नहीं आता है। उसे पानी की तरफ नहीं जाने देंगे। जिम्मेवारी के साथ ले कर जायेंगे। परंतु बताया जाता है कि शिक्षक कुछ छात्र-छात्राओं के साथ घूमने में व्यस्त था। उनका ध्यान सभी बच्चों पर नहीं था। बच्चा कब गहरा पानी में चला गया पता नहीं चला। सदर अस्पताल में अंत्य परीक्षण के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रत्यूष का अंतिम संस्कार जिले के डंडई प्रखंड अंतर्गत टोरी कला गांव स्थित पैतृक गांव में किया जाएगा। घटना की सूचना मिलने के बाद सांसद विष्णु दयाल राम, भाजपा नेता अलखनाथ पांडेय, नगर पंचायत की पूर्व अध्यक्ष झामुमो नेत्री अनीता दत्त, विधायक प्रतिनिधि जितेंद्र सिन्हा सहित कई पत्रकार व काफी संख्या में लोगों ने सदर अस्पताल पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दिया। गढ़वा जिला पत्रकार संघ ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है। शोक व्यक्त करने वालों में अध्यक्ष धनंजय सिंह, महासचिव धीरेंद्र चौबे, उपाध्यक्ष दीपक कुमार, सचिव जितेंद्र सिंह, संजीव कुमार शर्मा, आनंद सिन्हा, संदीप शौर्य, सुनील चौबे, सियाराम शरण वर्मा, संजीव पांडेय, विकास कुमार, आशुतोष रंजन, रजनीश ठाकुर, चंदन कश्यप, धर्मेंद्र सिंह, विनय पांडेय, राजा पांडेय, रिशु श्रीवास्तव, सोनू कुमार, बलराम शर्मा, सुधीर कुमार, विजय प्रताप देव, अभिमन्यु पाठक, आयुष तिवारी, बिजेंद्र तिवारी, राजकमल तिवारी आदि पत्रकारों का नाम शामिल है।

10 वर्षों में भारतीय बैंकिंग सिस्टम मजबूत और टिकाऊ बन गया है: मोदी

एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि पिछले 10 वर्षों में जो बदलाव हुआ है उसके कारण आज भारत के बैंकिंग सिस्टम को दुनिया में एक मतबूज और टिकाऊ सिस्टम माना जा रहा है तथा जो बैंकिंग सिस्टम कभी डूबने की कगार पर था वह बैंकिंग सिस्टम अब प्रॉफिट में आ गया है और क्रेडिट में रिकॉर्ड वृद्धि दिखा रहा है। प्रधानमंत्री ने यहां भारतीय रिजर्व बैंक के 90वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि जब नियत सही होती है तो नीति सही होती है, जब नीति सही होती है तो निर्णय सही होते हैं और जब निर्णय सही होते हैं तो नतीजे सही मिलते हैं। उन्होंने कहा 'मैं जब 2014 में रिजर्व बैंक की 80 वर्ष के कार्यक्रम में आया था तब हालत एकदम अलग थे। भारत का पूरा बैंकिंग सेक्टर समस्याओं और चुनौतियों से जूझ रहा था। एनपीए को लेकर भारत के बैंकिंग सिस्टम की स्थिरता और उसके भविष्य को लेकर हर कोई आशंका से भरा हुआ था। लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है।

श्री मोदी ने कहा कि कैसे देश का बैंकिंग सिस्टम बदला ये अपने आप में एक अध्ययन का विषय है। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सुधारने की दिशा में बड़े कदम उठाए। उन्होंने कहा, 'पिछले 10 साल में जो हुआ वो तो सिर्फ ट्रेलर है, अभी तो बहुत कुछ करना है। अभी तो हमें देश को बहुत आगे ले जाना है। बहुत जरूरी है कि हमारे पास अगले 10 का लक्ष्य स्पष्ट हो। अगले 10 साल के लक्ष्य को तय करते हुए हमें एक बात और ध्यान रखनी है, वह है भारत के युवाओं की आकांक्षायें। भारत आज दुनिया के सबसे युवा देश में से एक है इस युवा आकांक्षा को पूरा करने में रिजर्व बैंक का अहम रोल है।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में इनोवेशन का बहुत बड़ा महत्व रहने वाला है। सरकार इनोवेशन पर रिकॉर्ड निवेश कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमें कैशलेस इकोनॉमी से आ रहे बदलावों पर नजर रखनी होगी। इतनी बड़ी जनसंख्या की बैंकिंग जरूरतें भी अलग-अलग हो सकती है। कई लोगों को फिजिकल बैंकिंग तो कई को डिजिटल बैंकिंग पसंद हैं। देश को ऐसी नीति बनाने की जरूरत है जिससे लोगों को सुविधा हो। जिस देश की प्राथमिकता स्पष्ट हो उसे प्रोगेस करने से कोई नहीं रोक सकता है। हमने कोरोना के साथ सामान्य नागरिक के जीवन पर भी ध्यान दिया। यही वजह है कि भारत का सामान्य नागरिक भी भारत की अर्थव्यवस्था को गति दे रहा है, जबकि दुनिया के कई देश अभी इससे उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पहचान, समाधान और पुनर्पूंजीकरण (श्री आर) की रणनीति पर काम किया है। साथ ही सरकार ने हालत सुधारने के लिए 3.5 लाख करोड़ रुपये का पूंजी निवेश किया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने शासन-संबंधी सुधार किए। दिवाला और दिवालियापन संहिता की नई प्रणालियों के साथ लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये के ऋणों का समाधान किया गया।

उन्होंने कहा कि 52 करोड़ जन धन बैंक खाते हैं और उनमें से 55 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के हैं। 7 करोड़ से अधिक किसान, मछुआरे और पशुपालकों के पास किसान क्रेडिट कार्ड हैं। हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बहुत बड़ा बढ़ावा मिला है। पिछले 10 वर्षों में सहकारी क्षेत्र को भी भारी बढ़ावा मिला है। यूपीआई अब विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मंच है। हर महीने 1200 करोड़ से अधिक यूपीआई लेनदेन हो रहे हैं।

इससे पहले उन्होंने कहा कि आज भारत का रिजर्व बैंक एक ऐतिहासिक पड़ाव पर पहुंचा है । आरबीआई ने अपने 90 साल पूरे किए हैं। एक संस्थान के रूप में आरबीआई आजादी के पहले और आजादी के बाद का गवाह है। श्री मोदी ने कहा, आज पूरी दुनिया में आरबीआई की पहचान उसके पेशेवर और वादे की वजह से बनी है। इस समय जो लोग आरबीआई से जुड़े हैं, उन्हें मैं बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं। आज आप जो नीतियां बनाएंगे, जो काम करेंगे उनसे आरबीआई के अगले दशक की दिशा तय होगी। ये दशक इस संस्थान को उसके शताब्दी वर्ष तक ले जाने वाला दशक है और ये दशक विकसित भारत की संकल्प यात्रा के लिए भी उतना ही अहम है। आने वाला दशक इस संस्थान को इसकी शताब्दी वर्ष तक ले जाने वाला है। मैं आरबीआई को उसके लक्ष्यों और संकल्पों के लिए बधाई देता हूं।

इस मौके पर आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि एक संस्था के रूप में आरबीआई का विकास भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। एक केंद्रीय बैंक होने से लेकर मुख्य रूप से योजना अवधि के दौरान दुर्लभ संसाधनों के आवंटन के बाद आरबीआई बाजार अर्थव्यवस्था के लिए एक समर्थक बन गया है।

इस मौके पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधारी और वित्त राज्य मंत्री भवगत किशनराव कराड़ भी मौजूद थे।

जनता की गाढ़ी कमाई मोदी सरकार ने बैंकों से लूटी: कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि उन्होंने बैंकों के जरिये जनता की कमाई को लूटा है और बैंकिंग प्रणाली को नोटबंदी जैसे कदम उठा कर ध्वस्त किया है। श्री खडगे ने कहा, 'मोदी की गारंटी जन-धन की लूट है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, आज आप बैंकों की बात कर रहे थे। नोटबंदी से बैंकिंग प्रणाली को धराशायी करने में आप की सरकार ने महारत पाई है।' उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीति जन विरोधी रही है और सिर्फ जनता की कमाई को उसने बैंकों के माध्यम से लूटा है। मोदी सरकार को अन्नदाताओं की फिक्र नहीं है जबकि उद्योगपतियों का ऋण माफ किया जा रहा है। श्री खडगे ने कहा, 'आपकी सरकार ने पिछले चार साल में बैंकों में न्यूनतम बैलेंस ना रखने पर जनता की जेब से 35,000 करोड़ लूटे। गौरतलब है कि 2012 में कांग्रेस-यूपीए सरकार के दौरान मासिक औसत बैलेंस पर चार्ज खत्म कर दिया था, जिसे 2016 में मोदी सरकार फिर से वसूलने लगी। मोदी सरकार ने खुद का पैसा एटीएम बैंक से निकलवाने और जमा कराने पर टैक्स लगाया।'

उन्होंने कहा, 'किसानों का कर्जा तो आप माफ करते नहीं पर पिछले छह वर्षों में ही आपकी सरकार ने बड़े-बड़े धन्नासेठों के 19 लाख करोड़ रुपये के ऋण माफ किये हैं। पिछले छह वर्षों में ही मोदी सरकार ने ऋण नहीं लौटाने के इच्छुक लोगों के तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऋण माफ किए हैं। क्यों। जन-धन खातों में 20 प्रतिशत खाते निष्क्रिय पड़े हैं।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, 'मोदी साहेब, देश की अर्थव्यवस्था में बैंकों का बड़ा योगदान होता है, और आपने असंगठित क्षेत्र और एमएसएमई को तबाह करने के लिए बैंकों का इस्तेमाल किया है।

आयोग ने दिलीप घोष, सुप्रिया श्रीनेत के बयानों को आपत्तिजनक पाया, उनकी भर्त्सना की

एजेंसी

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और हिमाचल प्रदेश में मंडी लोक सभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी कंगना रणौत के विरुद्ध क्रमशः भाजपा नेता दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत के बयानों को आपत्तिजनक, आयोग के निदेर्शों और महिलाओं की गरिमा के प्रतिकूल करार देते हुए उनकी निंदा की है और उन्हें चेतावनी दी है। आयोग को श्री घोष और सुश्री श्रीनेत के खिलाफ शिकायतें मिली थीं। आयोग ने सोमवार को जारी अलग-अलग आदेश में श्री घोष और सुश्री श्रीनेत को सख्त अंदाज में आगाह किया है कि वे ह्यआदर्श आचार संहिता की अवधि में सार्वजनिक वक्तव्य देते समय सावधानी बरतें।ह्न आयोग की ओर से जारी दोनों आदेशों में कहा गया है कि आयोग विवादास्पद बयानों

की कड़ी निंदा करता है। आयोग ने आदेश में दोनों नेताओं की भर्त्सना की है।

आयोग ने अपने आदेश की प्रतियां भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजकर उन्हें आयोग की ओर से एक मार्च को जारी सलाह का ध्यान दिलाते हुए अपने-अपने दलों के कार्यकताओं को प्रचार या किसी सार्वजनिक वातार्लाप में महिलाओं के सम्मान और मार्यदा के विरुद्ध कोई टिप्पणी नहीं करने की सलाह देने को कहा है। उल्लेखनीय है कि आयोग को तृणमूल कांग्रेस की ओर से 26 मार्च को एक शिकायत मिली थी कि श्री घोष ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुश्री बनर्जी के विरुद्ध कहा था कि ह्यदीदी जब गोवा में जाती हैं, तो गोवा कि बेटी बन जाती हैं और त्रिपुरा में कहती हैं कि वे त्रिपुरा की बेटी हैं। यह ठीक नहीं हैं।

तय करो कि आपका पिता कौन हैं। उन्होंने यह टिप्पणी बंगला में की थीं। इसी तरह भाजपा ने सुश्री रणौत के बारे में टिप्पणी को लेकर सुश्री श्रीनेत के खिलाफ 26 मार्च को ही चुनाव आयोग से शिकायत की थी।

भाजपा ने सुश्री श्रीनेत के 25 मार्च के सोशल मीडिया पर एक पोस्ट का उल्लेख किया था, जिसमें उन्होंने सुश्री रणौत की उम्मीदवारी पर टिप्पणी की थी। क्या भाव चल रहा है मंडी में कोई बताएंगे? इसके साथ उन्होंने सुश्री रणौत की तस्वीर भी पोस्ट की थी। आयोग ने दोनों ही शिकायतों पर श्री घोष और सुश्री श्रीनेत को 27 मार्च को कारण बताओ नोटिस जारी किया था और उनसे 29 मार्च तक जवाब मांगा था। आयोग ने सोमवार के आदेशों में कहा है कि उसने दोनों नेताओं के जवाब पर गौर करने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उनके बयान आपत्तिजनक और महिलाओं की गरिमा के खिलाफ हैं और आदर्श आचार संहिता और राजनीतिक दलों के लिए आयोग की ओर से एक मार्च को जारी निदेर्शों के विरुद्ध हैं।

खजुराहो लोकसभा सीट पर गठबंधन की प्रत्याशी बनी झांसी की मीरा यादव

झांसी। समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश के निवाड़ी विधानसभा से पूर्व में विधायक रह चुकी व पिछले दो बार मप्र विधानसभा में हार का स्वाद चख चुकी मीरा दीपक यादव को खजुराहो सीट से लोकसभा का प्रत्याशी घोषित करते हुए सभी को चौका दिया है। राजनैतिक गलियारों में हलचल है कि आखिर गठबंधन ने यह कौन सा समीकरण लगाया है। वहीं मीरा दीपक यादव के खजुराहो लोकसभा सीट से प्रत्याशी घोषित होने पर उनके समर्थकों में हर्ष की लहर है। सोमवार को समाजवादी पार्टी के मुख्यालय से जारी हुए आदेश में बताया गया कि मध्यप्रदेश के खजुराहो से लोकसभा 2024 का प्रत्याशी मीरा दीपक यादव को घोषित किया है। इससे पूर्व दो दिन पहले ही गठबंधन की ओर से मनोज यादव को यहां लोकसभा सीट का उम्मीदवार बनाया गया था। आज उनका टिकट काटते हुए मीरा दीपक यादव को प्रत्याशी बनाया है। इसके साथ ही डॉ मनोज यादव को संगठन का मध्य प्रदेश का अध्यक्ष घोषित किया गया है।

भाजपा की घोषणापत्र समिति की पहली बैठक संपन्न

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकसभा चुनाव के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गठित घोषणापत्र समिति की आज यहां पहली बैठक में देश भर से विभिन्न माध्यमों से प्राप्त साढ़े पांच लाख से अधिक सुझावों की समीक्षा की और उन्हें राष्ट्रहित एवं जनहित के आधार पर उनकी प्राथमिकता वगीर्कृत करने का फैसला हुआ। बैठक के बाद घोषणापत्र समिति के सह संयोजक केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं सदस्य विनोद तावड़े ने संवाददाताओं को बताया कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की घोषणापत्र समिति की महत्वपूर्ण बैठक श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई जिसमें श्री सिंह समेत आठ केन्द्रीय मंत्री, गुजरात, राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। श्री गोयल ने कहा कि

बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए पार्टी की नीति और मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की प्राथमिकताओं को लेकर सार्थक चर्चा हुई। देश में विगत 35 दिनों से 937 वैन 3500 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों, सौ से अधिक शहरों में गयीं हैं। समाज के सभी वर्ग के लोगों, व्यापारियों, बुद्धिजीवियों आदि से मुलाकात करके हजारों सुझाव संकलित किये हैं। मिस्ड कॉल अभियान से पौने चार लाख सुझाव हासिल किये हैं। नमो ऐप के माध्यम से एक लाख 70 हजार सुझाव मिले हैं। उन्होंने कहा कि इन सब सुझावों को आधारित करके सार्थक चर्चा हुई। समाज के सभी वर्गों का विचार करते हुए सुझावों को देश हित एवं जन हित का विचार करते हुए प्राथमिकता के आधार पर चुना जाएगा। कुछ दिनों बाद पुनः बैठक होगी और जल्द ही संकल्प पत्र को अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा हर संकल्प पत्र के हर विषय को बड़ी गंभीरता से लेती रही है। वर्ष 2024 के संकल्प पत्र को भी इसी दृष्टि से बनाया जा रहा है।

मार्च में जीएसटी राजस्व 1.78 लाख करोड़ के पार

एजेंसी

नयी दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह मार्च 2024 में 1.78 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा है और यह मार्च 2023 में संग्रहित 1.60 लाख करोड़ रुपए से करीब 11.5 प्रतिशत अधिक है। फरवरी 2024 में जीएसटी राजस्व संग्रह 1,68,337 करोड़ रुपये रहा था। मार्च 2024 वित्त वर्ष 2023-24 में 10वां ऐसा महीना है जब जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। मई 2023 और अगस्त 2023 में जीएसटी संग्रह 1.60 लाख करोड़ रुपये से कुछ कम रहा था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल में यह सबसे

अधिक 1,87,035 करोड़ रुपये रहा था। चालू वित्त वर्ष में औसत मासिक जीएसटी संग्रह 1.68 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी जीएसटी के आंकड़ों के अनुसार मार्च 2024 में कुल जीएसटी संग्रह 1,78,484 करोड़ रुपये रहा है। इसमें सीजीटी 34532 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 43746 करोड़ रुपये, आईजीएसटी 87947 करोड़ रुपये है, जिसमें आयात पर संग्रहित 40322 करोड़ रुपये भी शामिल है। इसके साथ ही जीएसटी क्षतिपूर्ति कर के तौर पर 12259 करोड़ रुपये, जिसमें आयात पर संग्रहित 996 करोड़ रुपये भी शामिल है। सरकार ने नियमित निपटान के तहत आईजीएसटी में से सीजीएसटी में 43264 करोड़ रुपए और एसजीएसटी में 37704 करोड़ रुपये दिये है। इस तरह से कुल सीजएसटी 77,796 करोड़ रुपये और एसजीएसटी 81,450 करोड़ रुपये रहा है। मार्च 2024 में समाप्त वित्त वर्ष में कुल जीएसटी संग्रह 20.14 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में संग्रहित राशि से 11.7 प्रतिशत अधिक है।

अफगानिस्तान: बारूदी सुरंग के पास अचानक भीषण विस्फोट

पास खेल रहे 9 बच्चों की हुई मौत

एजेंसी

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान में पुरानी बारूदी सुरंग के पास हुए धमाके में नौ बच्चों की मौत हो गई। तालिबान के प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। गजनी में तालिबान के सूचना और संस्कृति विभाग के निदेशक हमीदुल्ला निसार ने कहा कि बच्चों को गजनी प्रांत के गेरो जिले में अपने गांव के पास जो खदान मिली, वह दशकों पुरानी थी। उन्होंने कहा कि रविवार को हुए विस्फोट में पांच लड़कों और चार

लड़कियों की मौत हो गई, जिनकी उम्र 5 से 10 साल थी। अफगानिस्तान कई दशकों से युद्ध से पीड़ित चल रहा है और उन बच्चों के लिए बेहद खतरनाक बना हुआ है जो अपने परिवारों के भरण-पोषण करने के लिए स्क्रैप धातु इकट्ठा करते हैं। ऐसे कई विस्फोट होने से कई लोग मारे जाते हैं या अपंग हो जाते हैं।

चीन पर जयशंकर का कटाक्ष, नाम बदलने से कुछ नहीं होता

अरुणाचल भारत का राज्य था, है, और रहेगा

एजेंसी

सूरत (गुजरात)। अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावों को लेकर चीन पर कटाक्ष करते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि नाम बदलने से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और पूर्वोत्तर राज्य, भारत का हिस्सा है और रहेगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे को लेकर कटाछ किया है. जयशंकर ने कहा कि 'अगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं, तो क्या वह मेरा हो जाएगा?'

गुजरात में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा, 'अगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं, तो क्या वह मेरा हो जाएगा? अरुणाचल प्रदेश भारत का राज्य था, है और हमेशा रहेगा. नाम बदलने से कोई असर नहीं पड़ता है.' विदेश मंत्री ने कहा, 'हमारी सेना वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनात है। हाल ही में चीन एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश राज्य पर अपना दावा पेश किया है. चीनी रक्षा मंत्रालय ने भारतीय राज्य को 'जंगनान-चीन के क्षेत्र का एक अंतर्निहित हिस्सा' करार देते हुए कहा कि

बीजिंग भारत द्वारा अवैध रूप से स्थापित 'तथाकथित अरुणाचल प्रदेश' को कभी स्वीकार नहीं करता है और दृढ़ता से विरोध करता है.' इसके बाद भारत ने एक बार फिर 'बेतुके दावों' और 'निराधार तर्कों' को खारिज कर दिया और कहा कि पूर्वोत्तर राज्य 'भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा' है। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि अरुणाचल प्रदेश के लोगों को भारत के विकास कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से 'लाभ मिलता रहेगा।'

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा, 'हमने चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के क्षेत्र पर बेतुके दावों संबंधी टिप्पणियों पर गौर किया है। इस संबंध में आधारहीन तर्क दोहराने से ऐसे दावों को कोई वैधता नहीं मिलती है।'

उन्होंने कहा कि 'अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और रहेगा। इसके लोगों को हमारे विकास कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लाभ मिलता रहेगा।' चीन, जो अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत के रूप में दावा करता है. वह अपने दावों को उजागर करने के लिए नियमित रूप से भारतीय नेताओं के राज्य के दौरों पर आपत्ति जताता है। बीजिंग ने इस क्षेत्र का नाम भी 'जंगनान' रखा है।

छतरपुर को शराब से 250 करोड़ रुपये की राजस्व आय

एजेंसी

छतरपुर। जिले में एक अप्रैल 2024 से नए शराब ठेके आवंटित कर दिए गए हैं। सात समूह के अंतर्गत जिले भर की 93 कम्पोजिट दुकानें 6 अलग-अलग कंपनियों को आवंटित हुई हैं। आबकारी विभाग ने छोटे और मझोले शराब ठेकेदारों के द्वारा फीस दिए जाने में की जाने वाली आनाकानी से परेशान होकर इस बार नए फार्मेट पर शराब दुकानों को आवंटित किया है। पहले जिले की 93 दुकानें 23 समूह के अंतर्गत आवंटित होती थीं लेकिन अब 7 समूह के अंतर्गत ही सभी दुकानें आवंटित की गई हैं। अब आबकारी विभाग को 7 समूह के लिए कुल 6 ठेकेदारों से ही लाईसेंस फीस जमा करानी है। ये ठेके नवीनीकरण पद्धति से हुए हैं। हालांकि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष आबकारी विभाग का राजस्व लगभग 2 करोड़ रूपए घटा है। पिछले साल जहां सभी दुकानें 252 करोड़ रूपए में आवंटित हुई थीं तो वहीं इस बार जिले के शराबी लगभग 250 करोड़ रुपये की शराब पीएंगे। आबकारी विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बड़ामलहरा समूह का ठेका सुनीता राय के नाम पर गया है। उन्होंने 42 करोड़ 42 लाख रूपए में यह ठेका प्राप्त किया है। छतरपुर समूह क्रमांक 2 और लवकुशनगर समूह की अधिकांश दुकानें महाकाल एसोसिएट संटू पाण्डेय के द्वारा ली गई हैं। छतरपुर समूह 36 करोड़ 55 लाख और लवकुशनगर समूह 34 करोड़ 55 लाख रूपए में आवंटित हुआ है। इसी तरह छतरपुर का समूह क्रमांक 1 शिवम मिश्रा के द्वारा लिया गया है जो कि 33 करोड़ 59 लाख रूपए में आवंटित हुआ है।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi - B	₹ 140	Hindi - B	₹ 80
Hindi Vyakaran- II	₹ 120	Hindi Vyakaran- II	₹ 120
English Grammar II	₹ 120	English Grammar- II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran-II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !